फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 173 प्रभात जयपुर, शनिवार 24 जनवरी, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

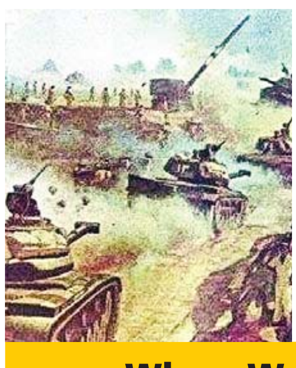

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

When Wars Were Fought Close To Hand

Pakistan had built Ichhogil canal as a shield for Lahore. In Indian eyes, it was a challenge that had to be crossed to gain tactical advantage and psychological leverage

Why So Many Germans Came to America?

दिल्ली में हुई केरल प्रदेश कांग्रेस की बैठक में शामिल नहीं हुए शशि थरूर

चर्चा है कि वे राहुल गांधी से उचित सम्मान नहीं मिलने के कारण ख़फा हैं

- सूत्रों ने कहा कि थरूर पूर्व निर्धारित कार्यक्रम, कोझीकोड़े लिटरेचर फैस्टिवल में व्यस्तता के कारण नहीं आ पाए, हालांकि, पूर्व में यह भी खबर थी कि वे केरल के कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक में वर्चुअली शामिल होंगे।
- काफी समय से थरूर और कांग्रेस नेतृत्व के रिश्ते खराब चल रहे हैं, खासकर थरूर द्वारा समय-समय पर प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करने के कारण।
- थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार के रूख की तारीफ की और यही नहीं, भारत सरकार ने उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर अपना पक्ष रखने के लिए विदेश दौरे पर जाने वाली टीम में भी शामिल किया था।
- कांग्रेस में बार-बार यह आरोप लग रहा है कि थरूर भाजपा में जाने की कोशिश कर रहे हैं, हालांकि जिसका थरूर ने खंडन भी किया है।
- लेकिन थरूर के कांग्रेस पार्टी की महत्वपूर्ण बैठकों में शामिल नहीं होने से यह तल्खी बढ़ती जा रही है और अटकलों का बाज़ार भी गर्म हो रहा है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। ऐसी खबरें हैं कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर, जिनके बारे में खबरें हैं कि वे राहुल गांधी से पर्याप्त सम्मान नहीं मिलने के कारण "नाराज" हैं। उम्मीद थी कि वे केरल विधानसभा चुनाव, जो इस साल के अंत में होने वाले हैं, की तैयारियों की समीक्षा के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक में भाग लेंगे। थरूर के करीबी सूत्रों ने पूर्व में कहा था कि वे बैठक में वर्चुअली भाग लेंगे।

सत्रों के मुताबिक, थरूर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्त होने के कारण मीटिंग में नहीं आए। उन्हें कोझिकोडे लिटरेचर फैस्टिवल में भाग लेना था।

कांग्रेस के राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं की गांधी और पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे से दिल्ली में इस दोपहर मुलाकात हुई। राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम से चार बार के सांसद, थरूर से उम्मीद की जा रही थी कि वे बैठक में शामिल होंगे, हालांकि इन दिनों पार्टी से उनके रिश्ते बहुत अच्छे नहीं हैं और वे पहले भी कांग्रेस पार्टी की कई मीटिंग्स में नहीं आए।

जाने माने कूटनीतिज्ञ थरूर के कांग्रेस नेतृत्व के साथ तलख रिश्ते हैं, खासकर उनके द्वारा प्रधानमंत्री और सत्ताधारी भाजपा की प्रशंसा करने वाले टिप्पणियों के कारण।

इनमें अप्रैल 22 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और ऑपरेशन सिंदूर (पाकिस्तान पर प्रतिशोधी सैन्य हमले) के संदर्भ में प्रधानमंत्री की सराहना करने वाले बयान शामिल हैं, साथ ही पार्टी और उसके नेतृत्व के मुद्दों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज हाई कोर्ट में कार्यदिवस, वकील पैरवी नहीं करेंगे

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ द्वारा इस साल से माह में दो शनिवार न्यायिक कार्य दिवस घोषित करने पर शनिवार को वर्किंग डे रहेगा, हालांकि वकीलों ने विरोध स्वरूप स्वेच्छा से न्यायिक कार्य से दूर रहकर पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया है। वकीलों में इस बात का भी रोष है कि मामले में गठित कमेटी की रिपोर्ट से

- वकीलों की शिकायत है कि उन्हें पाँच जनों की कमेटी की रिपोर्ट की जानकारी दिये बिना शनिवार की सूची बनाई गई।

वकीलों को अवगत नहीं कराया गया। ऐसे में हाईकोर्ट बार, जयपुर और जोधपुर स्थित एडवोकेट्स एसोसिएशन व लॉयर्स एसोसिएशन ने कार्य बहिष्कार का निर्णय लिया है।

हाईकोर्ट बार अध्यक्ष राजीव सोगरवाल ने बताया कि पूर्व में इस संबंध में विवाद होने पर हाईकोर्ट प्रशासन ने पांच जजों की कमेटी बनाई थी। जिसे 21 जनवरी तक एक्टिंग सीजे को रिपोर्ट सौंपनी थी, लेकिन इस कमेटी की रिपोर्ट की जानकारी एसोसिएशन को नहीं दी गई और शनिवार को मुकदमों की सुनवाई की सूची जारी कर दी गई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगले सप्ताह एमेज़ॉन 14,000 कर्मचारियों की छंटनी करेगा

ये सभी पद मैनेजमैंट वर्ग से संबंधित हैं

- कंपनी से जुड़े दो लोगों ने नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि यह सब एआई की वजह से हो रहा है।
- ज्ञातव्य है कि एमेज़ॉन ने 30,000 कर्मचारियों की छंटनी का लक्ष्य तय किया है। इसका पहला चरण गत वर्ष अक्टूबर में हुआ था, जिसमें 14,000 कर्मचारी निकाले गए थे और दूसरा चरण मंगलवार को हो सकता है, उसमें भी इतने ही कर्मचारी निकाले जाएंगे।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। एमेज़ॉन 30 हजार कर्मचारियों की छंटनी करने के व्यापक लक्ष्य के तहत, अगले सप्ताह कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रहा है। यह जानकारी मामले से परिचित दो व्यक्तियों को दी।

कंपनी ने अक्टूबर में मैनेजमैंट से संबंधित लगभग 14,000 नौकरियाँ कम की थीं, जो कि 30,000 के लक्ष्य का लगभग आधा था, जैसा कि पहले रॉयटर्स ने रिपोर्ट किया था। इस बार कुल संख्या पिछले वर्ष के समान ही होने की संभावना है और यह मंगलवार से शुरु हो सकती है, जिन लोगों ने यह जानकारी दी, उन्होंने नाम गोपनीय रखते हुए कहा कि उन्हें एमेज़ॉन की योजनाओं पर चर्चा करने की अनुमति नहीं है।

लेकिन एमेज़ॉन के एक प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार किया।

कंपनी के एमेज़ॉन वेब सर्विसेज, रिटेल, प्राइम वीडियो और मानव संसाधन (जिसे "पीपल एक्सपीरियंस और टेक्नोलॉजी के नाम से जाना जाता है) विभागों में कर्मचारियों की छंटनी होने की संभावना है, हालांकि इसका पूर्ण विवरण स्पष्ट नहीं था। इन लोगों ने यह भी चेतावनी दी कि एमेज़ॉन की योजनाओं के विवरण में बदलाव हो सकता है।

सिएटल ऑनलाइन रिटेलर ने अक्टूबर में की गई छंटनी को आर्टिफिशियल इन्टैलिजैंस सॉफ़्टवेयर के बढ़ते प्रभाव से जोड़ा था, और एक आंतरिक पत्र में कहा था कि "एआई की यह पीढ़ी इंटरनेट के बाद सबसे परिवर्तनकारी तकनीक है, और यह कंपनियों को पहले से कहीं अधिक तेजी से नवाचार करने की क्षमता प्रदान कर रही है।"

हालांकि, कंपनी के सीईओ एंडी जैसी ने कंपनी की तीसरी तिमाही की आय पर विश्लेषण के दौरान विश्लेषकों से कहा था कि यह छंटनी "वास्तव में वित्तीय कारणों से नहीं है और न ही यह पूरी तरह से एआई से प्रेरित है। इसके बजाय, एक तरह का चलन है, यानी कंपनी में बहुत अधिक नौकरशाही हो गई है।"

उन्होंने कहा, जब कंपनी बढ़ती है तो कर्मचारियों की संख्या बढ़ जाती है और उनके स्तर भी बढ़ जाते हैं।"

जैसी ने पहले 2025 में कहा था कि वे उम्मीद करते हैं कि एमेज़ॉन का कॉर्पोरेट कार्यबल धीरे-धीरे घटेगा, क्योंकि एआई के उपयोग से दक्षताएँ प्राप्त होंगी।

कंपनियाँ लगातार एआई का उपयोग अपने सॉफ़्टवेयर के लिए कोड लिखने और सामान्य कार्यों को स्वचालित करने वाले एआई एजेंटों को अपनाने में कर रही हैं, क्योंकि वे लागत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट जज से उलझने वाले वकील को सुप्रीम कोर्ट ने फटकार लगाई

वकील महेश तिवारी ने हाई कोर्ट द्वारा जारी अपराधिक अवमानना नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की

- ज्ञातव्य है कि वकील महेश तिवारी ने गत वर्ष 16 अक्टूबर का झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार के साथ तीखी बहस की और उन्हें हद पार नहीं करने की चेतावनी तक दे डाली थी। इस पर उन्हें अपराधिक अवमानना का नोटिस मिला था और बहस का वीडियो भी वायरल हो गया।
- महेश तिवारी को अवमानना नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आने पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कड़ी फटकार लगाई।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक वकील को कड़ी फटकार लगाई, जिसने पिछले साल कोर्ट रूम में झारखंड हाई कोर्ट के एक जज के साथ हुई जुबानी झड़प को लेकर, उसको जारी किए गए क्रिमिनल कंटेम्प्ट (अपराधिक अवमानना) नोटिस के खिलाफ शीर्ष कोर्ट में याचिका दायर की थी।

वकील महेश तिवारी ने 16 अक्टूबर को न्यायमूर्ति राजेश कुमार के साथ तीखी बहस की थी, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। बहस के दौरान, तिवारी ने न्यायमूर्ति कुमार से कहा था, आप "सीमा पार नहीं करें।"

झारखंड हाई कोर्ट ने इसके बाद तिवारी के खिलाफ क्रिमिनल कंटेम्प्ट नोटिस जारी किया, जिसके बाद वे सुप्रीम कोर्ट गए थे।

लेकिन, उन्हें सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने तिवारी को हाई कोर्ट की कन्टेम्प्ट प्रक्रिया के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आने के लिए फटकार लगाते हुए कहा, "वे सुप्रीम कोर्ट से सिर्फ एक आदेश चाहते थे, ताकि वे दिखा सकें कि आपने "क्या बिगाड़ लिया मेरा।"

चीफ जस्टिस ने कहा, "अगर वे माफी मांगना चाहते हैं, तो माफी मांगें। अगर वे जजों को आंख दिखाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ सकते हैं। हम यहाँ बैठे हैं, और फिर हम भी देखेंगे।"

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि तिवारी माफी मांगते हैं, तो हाई कोर्ट को भी इसे सहानुभूतिपूर्वक देख लेना चाहिए।

महेश तिवारी ने न्यायमूर्ति राजेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म मामले में आरोपी क्रिकेटर को अनुसंधान में शामिल होने के निर्देश

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में आरोपी क्रिकेटर यश दयाल को तीस जनवरी तक जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अनुसंधान में शामिल होने के आदेश

- हाई कोर्ट ने क्रिकेटर को अंतरिम राहत देते हुए गिरफ्तारी पर रोक भी लगाई।

दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने यश दयाल को अंतरिम राहत देते हुए उसकी गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश यशदयाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अग्रिम जमानत याचिका में कहा गया कि पीड़िता साल 2023 में कानपुर में घटना होना बता रही है, जबकि मामला दो साल बाद जयपुर के सांगानेर थाने में दर्ज कराया है। इसके अलावा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'बांग्लादेश चुनावों में दखल दे रहा है अमेरिका'

बांग्लादेश की निर्वासित प्र.मंत्री शेख हसीना ने एक रिकॉर्डेड ऑडियो मैसेज में आरोप लगाया

- भारत में निर्वासित जीवन जी रही शेख हसीना ने बांग्लादेश की अराजकता और हिंसा के लिए पहली बार यूनुस सरकार की कड़ी आलोचना की।
- शेख हसीना ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अमेरिकन डिप्लोमैट्स इस्लामी चरमपंथियों से संपर्क कर रहे हैं।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपना देश छोड़कर भागने के बाद, सार्वजनिक रूप से पहली बार वहां की मौजूदा सरकार की लगातार अराजकता और कानून व्यवस्था की खराब हालत के लिए आलोचना की है।

नई दिल्ली के फॉरेन करेस्पॉन्डेंट्स क्लब में चलाए गए एक रिकॉर्डेड ऑडियो संदेश में, शेख हसीना ने मोहम्मद यूनुस और अंतरिम प्रशासन को सीधे तौर पर अपने देश में बढ़ती अव्यवस्था के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि मौजूदा शासन केवल विदेशी ताकतों की सेवा कर रहा है और आम लोगों की वास्तविक समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर रहा है।

संकेतों में उन्होंने कहा कि अमेरिका देश की चुनाव प्रक्रिया में सीधे हस्तक्षेप कर रहा है। साथ ही ऐसी रिपोर्टें भी सामने आई हैं, जिनसे साफ संकेत मिलता है कि बांग्लादेश में अमेरिकी राजनयिक इस्लामी कट्टरपंथी संगठनों से संपर्क बना रहे हैं और अशांत हालात का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

रिपार्ट साफ बता रही हैं कि अमेरिकी दूतावास के प्रतिनिधि बांग्लादेश के उत्तरी जिले सिलहट गए थे, जहां उन्होंने जमात-ए-इस्लामी के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। यह संगठन भारत-विरोधी और पाकिस्तान-समर्थक के रूप में जाना जाता है। ये लोग बांग्लादेश को एक कट्टर इस्लामी राष्ट्र बनाने की मुहिम चला रहे हैं।

बांग्लादेश में दो महीनों में संसदीय चुनाव होने हैं और सत्ता हासिल करने के लिए जोरदार जोड़-तोड़ चल रही है। पूरा चुनावी माहौल काफी हद तक भारत से रिश्तों के मुद्दे पर टिका हुआ है। हालांकि बांग्लादेश को पाकिस्तान की सेना से आज़ाद कराने में भारत की अहम भूमिका रही थी, लेकिन इसके बावजूद, देश जल्दी ही एक इस्लामी गणराज्य में बदल गया और भारत-विरोधी रुख अपनाने लगा

1971 में आज़ादी पाने के तुरंत बाद, देश के महान स्वतंत्रता सेनानी शेख मुजीबुर रहमान की नृशंस हत्या कर दी गई। इसके बाद, एक के बाद एक, सैन्य तख्तापलट हुए और लोकतंत्र काफी समय बाद जाकर बहाल हो पाया।

लेकिन करीब डेढ़ साल पहले शेख हसीना की सरकार की बेदखली के बाद, देश पूरी तरह अराजकता और कानूनहीनता की स्थिति में डूब गया। बांग्लादेश में जमातियों का मुख्य गुस्सा खास तौर पर हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ देखने को मिला।

शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से हिंदुओं पर हमलों की अनेक घटनाएं हुई हैं और कई हिंदू युवकों की खुलेआम हत्या की गई है। एक मामले में एक हिंदू गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी को पीट-पीटकर मार डाला गया और बाद में उसके शव को ठोकरें मारी गईं और आग लगा दी गई।

इस घटना से पूरी दुनिया में भय और आक्रोश पैदा हुआ था, जिसमें अमेरिका के कुछ सांसद भी शामिल थे। लेकिन अब वही अमेरिकी प्रशासन वहां के इस्लामी तत्वों से नजदीकी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है और जमातियों से बातचीत की प्रक्रिया शुरू कर रहा है।

भारत के पड़ोस में अमेरिका की यह गतिविधि भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तराखंड व कश्मीर घाटी में भारी हिमपात

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में शुक्रवार को मौसम के बदले मिजाज के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कश्मीर घाटी और उत्तराखंड में हिमपात, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश के कारण

- दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में भारी वर्षा।

जनजीवन खासा प्रभावित हुआ।

कश्मीर घाटी में भारी हिमपात और जम्मू संभाग में मूसलाधार बारिश के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। राजमार्ग पर फंसे यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रुकने और मौसम साफ होने तक प्रतीक्षा करने की सलाह दी गई है।

घाटी में हो रही हिमपात का सबसे व्यापक असर हवाई सेवाओं पर पड़ा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'चीन के पास फ्री पास था, भारत के पास यह सुविधा नहीं होगी'

भारती ग्रुप के सीईओ सुनील भारती मित्तल के इस कथन में निहित है नई ग्लोबल ट्रेड पॉलिसी की वास्तविकता

- मित्तल ने दावोस में पत्रकारों से वार्ता में कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था का उभार निर्यात पर आधारित था। यह वह दौर था, जब तीन दशकों तक पश्चिमी देशों ने औद्योगिक आत्मनिर्भरता के बजाय सस्ते सामान को तवज्जो दी, जिसका चीन ने भरपुर फायदा उठाया और अपनी निर्माण क्षमता बढ़ाकर वह अन्तर्राष्ट्रीय सप्लाई चेन का जरूरी हिस्सा बन गया।
- मित्तल ने कहा, पर, भारत को यह सुविधा नहीं मिलेगी, क्योंकि अब विश्व में माहौल सख्त है और व्यापार अब सुरक्षा, राजनीति और परस्पर भरोसे का विषय बन चुका है।
- लेकिन मित्तल काफी आशावादी हैं, उनका कहना है कि फ्री पास नहीं होने का अर्थ यह नहीं है कि अवसरों की कमी है, भारत की सबसे बड़ी ताकत है, जनसंख्यात्मक, आर्थिक व रणनीतिक रूप से इसका आकार।
- मित्तल ने कहा, भारत जीतेगा इसलिए नहीं कि विश्व दयालु है, बल्कि इसलिए कि भारत को बाहर रखना विश्व के लिए कदापि व्यवहारिक नहीं है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। दावोस में भारती समूह के संस्थापक सुनील भारती मित्तल की यह सीधी टिप्पणी, "चीन को फ्री पास मिला था, भारत को नहीं मिलेगा", आज की नई वैश्विक व्यापार सच्चाई को साफ तौर पर दिखाती है।

विश्व आर्थिक मंच में बोलते हुए मित्तल ने कहा कि वे दो उभरती अर्थव्यवस्थाओं की सीधी तुलना नहीं कर रहे थे। उनका कहना था कि वैश्विक व्यापार के नियम अब गहराई से बदल चुके हैं, और भारत की सफलता चीन मॉडल की पुरानी यादों पर नहीं, बल्कि बड़े पैमाने, मजबूती और रणनीतिक आत्मविश्वास पर निर्भर करेगी।

चीन का निर्यात आधारित उदय ऐसे समय में हुआ, जब वैश्वीकरण बेहद उदार दौर से गुजर रहा था। करीब तीन दशकों तक पश्चिमी देशों ने अपने उद्योगों की सुरक्षा से ज्यादा सस्ती वस्तुओं और कम महंगाई को प्राथमिकता दी। व्यापार घाटे बढ़ ते रहे, सरकारी सब्सिडी को नजरअंदाज किया गया और भू-राजनीतिक जोखिमों को हल्के में लिया गया। चीन ने इस माहौल का पूरा फायदा उठाया, बड़े पैमाने पर मैनुफैक्चरिंग कपैसिटी (विनिर्माण क्षमता) खड़ी की, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ा और कड़ा विरोध शुरू होने से पहले ही विश्व अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा बन गया।

मित्तल ने कहा, भारत के पास यह सुविधा नहीं है। अब वैश्विक माहौल सख्त हो चुका है। व्यापार अब सिर्फ दक्षता का मामला नहीं रहा, बल्कि सुरक्षा, राजनीति और भरोसे से भी जुड़ गया है। टैरिफ फिर लौट आए हैं, औद्योगिक नीति दोबारा चर्चा में है और आपूर्ति श्रृंखलाओं को इस तरह बदला जा रहा है कि किसी एक देश पर निर्भरता कम हो। सेमीकंडक्टर, टेलीकॉम, रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को तेजी से संरक्षण दिया जा रहा है। ऐसे माहौल में किसी भी देश को बिना विरोध के चीन जैसी पकड़ बनाने नहीं दी जाएगी। भारत के हर कदम पर उसकी प्रगति को परखा जाएगा, उस पर बातचीत होगी और चुनौती दी जाएगी।

फिर भी मित्तल का मूल तर्क आशावादी था। "फ्री पास" नहीं मिलने का मतलब यह नहीं कि मौके खत्म हो गए हैं। बल्कि इसका अर्थ है कि भारत को अलग रणनीति अपनानी होगी। उनके अनुसार, भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका पैमाना है, आर्थिक, जनसंख्यात्मक (डैमोग्राफिक) और रणनीतिक। लगभग 1.5 अरब लोगों का घरेलू उपभोक्ता आधार वैश्विक बातचीत में भारत की स्थिति को पूरी तरह बदल देता है। जो देश केवल विदेशी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बदरीनाथ के कपाट 23 अप्रेल को खुलेंगे

देहरादून, 23 जनवरी। बदरीनाथ धाम के कपाट आगामी ग्रीष्मकालीन यात्रा के लिए 23 अप्रैल को विधि - विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। शुक्रवार को वसंत पंचमी के अवसर पर धाम के कपाट खुलने की

- परम्परा के अनुसार बसंत पंचमी के दिन कपाट खोलने की तिथि घोषित हुई।

तिथि घोषित की गई।

इससे पहले गुरुवार को डिम्मर से डिमरी धार्मिक केंद्रीय पंचायत के सदस्य गाडू घड़ा के साथ ऋषिकेश के लिए रवाना हुए। आज सुबह पुजारी गाडू घड़ा लेकर नरेंद्रनगर राज दरबार पहुंचे। यहां परंपरागत तरीके से भगवान बदरी विशाल धाम कपाटोद्घाटन की तिथि घोषित की गई।जिसके अनुसार भगवान बदरी विशाल के कपाट आगामी 23 अप्रैल को ब्रह्म मुहूर्त में 6:15 बजे खोले जाएंगे। जबकि गाडू घड़ा यात्रा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धन से हम जीवन की सारी सुख सुविधा तो हासिल कर सकते है, पर जीवन में सुकून केवल अच्छे कर्मों से ही आता है।
- अरविन्द कटोच

प्रकृति पर्यावरण और प्रदूषण

प्रकृति पर्यावरण और प्रदूषण एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति में कोई विकृति आएगी तो पर्यावरण बिगड़ेगा जिसका खामियाज़ा हमें प्रदूषण के रूप में उठाना होगा। इन तीनों में सामंजस्य हुआ तो मनुष्य को बेहतर जीवन जीने का अवसर मिलेगा। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। मानव के मनुष्य के जन्म के साथ ही उसका प्रकृति से निकट का सम्बन्ध जुड़ जाता हैं। प्रकृति अपनी चीजों का उपभोग स्वयं नहीं करती। हमारी आधारभूत जरूरतें जैसे हवा, पानी, भोजन आदि सभी प्रकृति से ही प्राप्त होते है साथ ही प्रकृति ने हमें कई प्रकार के फूल, पक्षियां, पशु, पेड़ पौधे, नीला आकाश, ज़मीन, नदिया, समुद्र, पहाड़, प्रदान किया है। जिससे मनुष्य एक बेहतर और अच्छा जीवन व्यतीत कर पाता है। यह कहा जा सकता है प्रकृति ही मानव का पोषण करती आई हैं। मनुष्य प्रकृति की सर्वश्रेष्ठ रचना है। यदि मनुष्य प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करता रहा तो प्रकृति भी एक दिन इंसान के वजूद के साथ छेड़छाड़ शुरू कर देगी । मनुष्य का यह शरीर भी प्रकृति के पाँच तत्वों से मिल कर बना है, वायु, अग्नि, जल, आकाश, मिट्टी और फिर यह प्रकृति हीं इस शरीर को वापस अपने में मिला लेती है। हम पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व को जारी रखना चाहते हैं तो प्रकृति का संतुलन हर हालत में बनाये रखना होगा। यदि प्रकृति के अनुरूप हमने अपने आप को ढ़ाल लिया तो ठीक नहीं तो अस्तित्व समाप्त होने का खतरा उत्पन्न हो जायेगा।

प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। हम प्रकृति की चिंता नहीं करते और यही वजह है कि प्रकृति ने भी अब हमारी चिंता छोड़ दी है। हमनें बिना सोचे समझे संसाधनों का दोहन किया है। यही वजह है कि अब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी आपदाएं आ रही हैं। बरसों से पर्यावरण को हम इंसानों ने बहुत नुकसान पहुंचाया है। प्रकृति से साथ इंसान का लगातार खिलवाड़ एक भयानक विनाश को आमंत्रण दे रहा है, जहां किसी को बचने की जगह नहीं मिलेगी। जल को व्यर्थ में बहा रहे हैं जंगलों को काट रहे हैं और जमीन पर जहरीले कीटनाशक का उपयोग करके उसकी उर्वरक क्षमता और उपजाऊ शक्ति को कमजोर कर रहे हैं। प्रकृति पर मंडराता खतरा जस का तस बना हुआ है। सबसे बड़ा खतरा तो इसे ग्लोबल वार्मिंग से है। धरती के तापमान में लगातार बढ़ते स्तर को ग्लोबल वार्मिंग कहते है। वर्तमान में ये पूरे विश्व के समक्ष बड़ी समस्या के रुप में उभर रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि धरती के वातावरण के गर्म होने का मुख्य कारण का ग्रीनहाउस गैसों के स्तर में वृद्धि है। इसे लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है जिससे प्रकृति पर खतरा बढ़ता जा रहा है। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा।

> **प्रकृति व पर्यावरण एक-दूसरे के पूरक हैं। प्राकृतिक संपदाओं के महत्व को समझना, उनका किफायती उपयोग करना, उनके संरक्षण को प्राथमिकता देना हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। जल, जंगल और जमीन प्रकृति के तीन प्रमुख तत्व हैं जिनके बगैर हमारी प्रकृति अधूरी है। प्रकृति के इन तीनों तत्वों का इस कदर दोहन किया जा रहा है कि इसका सन्तुलन डगमगाने लगा है। प्रकृति के साथ हम बड़े पैमाने पर छेड़छाड़ कर रहे हैं, यह उसी का नतीजा है कि पिछले कुछ समय से भयानक तूफानों, बाढ़, सूखा, भूकम्प जैसी आपदाओं का सिलसिला तेजी से बढ़ा है।**

प्रकृति के संरक्षण का अर्थ है कि वनों,भूमि,जल निकायों का संरक्षण और खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों आदि जैसे संसाधनों का संरक्षण, यह सुनिश्चित करने के लिए किये सभी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। इनमें से कुछ ऐसे हैं जो आसानी से किए जा सकते हैं और एक बहुत बड़ा बदलाव ला सकत हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है।

इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं। प्रकृति के संरक्षण से अभिप्राय जंगलों, भूमि, जल निकायों की सुरक्षा से है तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण खनिजों, ईंधन, प्राकृतिक गैसों जैसे संसाधनों की सुरक्षा से है जिससे यह सुनिश्चित हो सके किये सब प्रचुर मात्रा में मनुष्य के उपयोग के लिए उपलब्ध रहें। ऐसे कई तरीके हैं जिससे आम आदमी प्रकृति के संरक्षण में मदद कर सकता है। यहां कुछ ऐसे ही तरीकों का विस्तृतवर्णन किया गया है जिससे मानव जीवन को बड़ा लाभ हो सकता है।

पृथ्वी के पास हर इंसान की जरूरत पूरी करने के लिए काफी कुछ है, लेकिन उसके लालच को पूरा करने के लिए नहीं हैं। पृथ्वी पर पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, पौधे आदि हर किस्म की जरूरत के लिए संसाधन है। लेकिन औद्योगिक विकास की होड़ में हम पृथ्वी को सफाई और उसके ही स्वास्थ्य को नजर अंदाज करने लगे हैं।

हम कुछ भी करने से पहले यह बिलकुल नहीं सोचते कि हमारी उस गति विधि से प्रकृति को कितना नकुसान होगा। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है।

इनमें मुख्यतः पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

मनुष्य का प्रकृति से अटूट सम्बंध है। प्रकृति की रक्षा, उसके संरक्षण और विलुप्ति की कगार पर पहुंच रहे जीव-जंतु तथा वनस्पति की रक्षा का संकल्प प्रत्येक मानव का है। प्रकृति का संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से सबंधित है। इनमें मुख्यतः पानी, धूप, वातावरण, खनिज, भूमि, वनस्पति और जानवर शामिल हैं। प्रकृति हमें पानी, भूमि, सूर्य का प्रकाश और पेड़-पौधे प्रदान करके हमारी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा करती है। इन संसाधनों का उपयोग विभिन्न चीजों के निर्माण के लिए किया जा सकता है जो निश्चित ही मनुष्य के जीवन को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाते हैं।

मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए समय समय पर प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ खिलवाड़ होता रहा तो वह दिन दूर नहीं जब हमें शुद्ध पानी, हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध पर्यावरण, वातवरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

हमारा शरीर प्रकृति के पांच तत्वों से मिल कर बना है। यदि हम प्रकृति की रक्षा करेंगे तथा उससे अपनापन रखते हैं तो प्रकृति भी हमारे शरीर की रक्षा करेगी। हम अनेक प्रकार की बीमारियों से बचे रहेंगे। प्रकृति का संरक्षण मानव जाति का संरक्षण है क्योंकि ये प्राकृतिक तत्व ही हैं जो हमें जीवन देते हैं। ऐसे में यह समाज के हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह अपने आसपास के प्रकृतिक संसाधनों की रक्षा करे।

बालमुकुन्द ओझा,
अतिथि संपादक,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार।

राजस्थान का युवा केंद्रित विकास मॉडल - अवसर, विश्वास और सशक्त भविष्य

सुरभि मिश्रा

वसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के पावन अवसर पर राज्य सरकार द्वारा युवाओं के लिए की गई घोषणाएं राजस्थान के दीर्घकालिक और समावेशी विकास की दिशा में एक स्पष्ट नीतिगत संकेत प्रस्तुत करती हैं। इस अवसर पर 1,000 करोड़ रूपये से अधिक की विभिन्न योजनागत सौगातों के माध्यम से यह प्रतिपादित किया गया है कि राज्य की विकास नीति का केंद्र उसका युवा वर्ग है और सरकार युवाओं को केवल भविष्य की आशा नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति मानती है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार यह विश्वास रखती है कि शिक्षा, कौशल, रोजगार और उद्यिमता के अवसरों से युक्त युवा ही सशक्त राजस्थान की आधारशिला बन सकता है। इसी दृष्टिकोण के अनुरूप शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास के क्षेत्रों में समन्वित एवं परिणामोन्मुखी निर्णय लिए गए हैं, ताकि युवाओं को आत्मनिर्भर, सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

शिक्षा और छात्र कल्याण को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने विद्यार्थियों के हित में 300 करोड़ रूपये से अधिक की राशि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की है। इसके अंतर्गत 3 लाख विद्यार्थियों को 126.81 करोड़ रूपये का प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, 3.34 लाख विद्यार्थियों को 130 करोड़ रूपये की लागत से निःशुल्क साइकिल वितरण तथा 4.40 लाख विद्यार्थियों को 53 करोड़ रूपये की राशि का डायरेक्ट ट्रांसफर सुनिश्चित किया गया है।इन पहलों से न केवल शिक्षा से जुड़ा आर्थिक बोझ कम हुआ है, बल्कि विद्यार्थियों में अध्ययन के प्रति निरंतरता और आत्मविश्वास भी सुदृढ़ हुआ है।

राज्य सरकार शिक्षा को केवल अकादमिक उपलब्धि तक सीमित नहीं मानती, बल्कि उसे संस्कार, अनुशासन और सामाजिक चेतना से जोड़ने पर भी बल देती है। इसी क्रम में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदन जैसे आयोजनों के माध्यम से शिक्षा के सांस्कृतिक और नैतिक पक्ष को सशक्त किया गया है। साथ ही, युवा संवाद तथा अभिभावक-शिक्षक संवाद जैसे कार्यक्रम यह सुनिश्चित करते हैं कि नीतियों का निर्माण जमीनी अनुभवों और सुझावों के आधार पर हो। युवाओं की प्रगति के लिए पारिवारिक सामाजिक सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण आधार मानते हुए राज्य सरकार ने 700 करोड़ रूपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि का हस्तांतरण किया है। इससे कमजोर वर्गों को आर्थिक संबल मिला है और युवाओं पर पारिवारिक दायित्वों का दबाव कम हुआ है, जिससे वे अपने शैक्षिणक, व्यावसायिक और कौशल विकास के लक्ष्यों पर अधिक एकाग्रता के साथ आगे बढ़ पा रहे हैं।

रोजगार के क्षेत्र में राज्य सरकार ने पारदर्शिता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। एक लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं तथा आगामी एक लाख पदों के लिए भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया गया है। इससे युवाओं में यह विश्वास सुदृढ़ हुआ है कि चयन प्रक्रिया निष्पक्ष, स्पष्ट और समयबद्ध होगी। इसके साथ ही सरकार यह भी स्वीकार करती है कि बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में केवल सरकारी नौकरी ही रोजगार का एकमात्र माध्यम नहीं हो सकती। इसी सोच के साथ युवा नीति-2026 और रोजगार नीति-2026 को लागू किया गया है। इनके अंतर्गत निजी क्षेत्र, स्टार्टअप, सेवा उद्योग, तकनीक आधारित रोजगार और डिजिटल प्लेटफॉर्म को समान महत्व दिया गया है। इन नीतियों का लक्ष्य मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार अवसरों का सृजन करना है। स्वरोजगार और उद्यिमता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना-2026 को प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। इसके तहत 1 लाख युवाओं को 10 लाख रूपये तक का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। शैक्षिणक योग्यता के अनुसार सेवा और विनिर्माण क्षेत्रों में अलग-अलग ऋण सीमाएं निर्धारित की गई हैं। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह पहल युवाओं को रोजगार चाहने वाला नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाला बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि युवा केवल शैक्षिणक रूप से ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से भी सक्षम हों। इसी उद्देश्य से बड़े पैमाने पर कौशल विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से युवाओं को तकनीकी, व्यावसायिक और डिजिटल दक्षताओं से जोड़ा जा रहा है। यह प्रयास स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन, पलायन को रोकने और क्षेत्रीय संतुलन स्थापित करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। राजस्थान आज एक ऐसे चरण में है, जहां उसकी युवा शक्ति राज्य के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। शिक्षा, रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास के चार स्तंभों पर आधारित यह युवा-केंद्रित विकास मॉडल राज्य को सशक्त, समावेशी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध हो रहा है। राज्य सरकार का सतत प्रयास है कि युवा केवल योजनाओं के लाभार्थी न रहें, बल्कि राजस्थान के विकास में सक्रिय सहभागी बनें। निरंतरता, पारदर्शिता और प्रतिबद्धता के साथ यह दृष्टिकोण आने वाले वर्षों में राज्य के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत आधारशिला सिद्ध होगा।

सुरभि मिश्रा
अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी

विधानमंडलों में एआई : सुविधा के साथ सावधानी भी

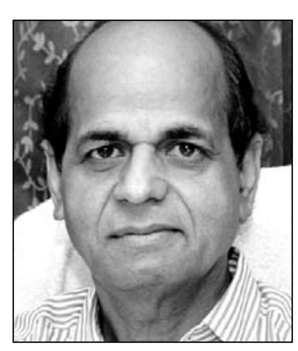

डॉ. कैलाश चन्द सैनी

डिजिटल परिवर्तन के इस दौर में कृत्रिम मेधा (एआई) लोकतांत्रिक संस्थाओं के कामकाज को अधिक तेज़, सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने का सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। किंतु सुविधा की इस चमक के पीछे सावधानी का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। विधानमंडलों के संदर्भ में एआई का उपयोग केवल तकनीकी दक्षता तक सीमित न रहकर संवैधानिक विवेक, मानवीय संवेदना और उत्तरदायित्व की कसौटी पर भी परखा जाना आवश्यक है। यहां इसी संतुलन की पड़ताल का प्रयास किया गया है जिससे तकनीक लोकतंत्र की सहायक बने, उसका विकल्प नहीं।

डिजिटल युग में लोकतंत्र के भविष्य को लेकर हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल देशों के स्पीकर्स और पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन (सीएसपीओसी) का यह संदेश स्पष्ट और दूरगामी रहा कि 'तकनीक लोकतंत्र को सक्षम बना सकती है, किंतु वह मानवीय विवेक का स्थान नहीं ले सकती। 16 जनवरी 2026 को सम्मेलन के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला एवं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश द्वारा व्यक्त इस साझा अभिमत ने यह रेखांकित किया कि कृत्रिम मेधा (एआई) अब केवल प्रशासनिक सुविधा नहीं रही, बल्कि नीति निर्माण और विधायी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने वाली एक निर्णायक शक्ति बन चुकी है। ऐसे समय में जब विश्व के 127 से अधिक देशों में एआई के नियमन पर गंभीर बहस चल रही है, भारत और उसके राज्य विधानमंडलों के लिए यह प्रश्न और भी प्रासंगिक हो जाता है कि तकनीक को कितनी छूट दी जाए और विवेक की सीमाएँ कहाँ खींची जाए।

लोकतंत्र का मूल स्वभाव मानवीय है। संसद और विधानसभाएँ केवल कानून बनाने वाले संस्थान नहीं, बल्कि समाज की चेतना, संवेदना और विविधताओं की अभिव्यक्ति का मंच हैं। एआ इस व्यवस्था में गति, दक्षता और पारदर्शिता ला सकता है, परंतु यदि सावधानी का संतुलन टूटे तो यही सुविधा लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए चुनौती भी बन सकती है।

विधायी कार्यों में एआई : विधायी प्रक्रियाओं में शोध, दस्तावेज़ीकरण और सूचना-संसाधन की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। एआई हजारों पृष्ठों के विधेयकों, नियमावलियों, न्यायिक निर्णयों और अंतरराष्ट्रीय उदाहरणों का त्वरित विश्लेषण कर सकता है। भारतीय संसद में इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जहाँ लगभग 48,000 तकनीकी शब्दों वाले 'संसदीय शब्दावली' के शब्दकोश को एक विशेष एआई मॉडल के साथ जोड़ा गया है। यह शोध की प्रक्रिया को न केवल तेज़ बल्कि त्रुटिरहित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

कानून के प्रारूपण में भी एआई सहायक सिद्ध हो सकता है। विशेषकर भाषा की स्पष्टता, संदर्भों की संगति और मौजूदा कानूनों से टकराव की पहचान जैसे कार्यों में। बहुभाषी भारत में 22 भारतीय भाषाओं में संसदीय दस्तावेजों के अनुवाद और बहसों के विश्लेषण के लिए इसका उपयोग शुरू हो चुका है। कोई भी नागरिक अपनी मातृभाषा में सदन की कार्यवाही का सटीक और तात्कालिक अनुवाद सहजता से देख सकता है। इसे लोकतंत्र का वास्तविक सशक्तीकरण ही कहा जायेगा।

राजस्थान विधानसभा: डिजिटल प्रयोग और यथार्थ

राजस्थान विधानसभा के लिए यह विमर्श विशेष महत्व रखता है। हाल के वर्षों में विधानसभा ने 'नेशनल -विधान एप्लिकेशन' (नेवा) के माध्यम से काग़ज़ रहित कार्यवाही, प्रश्नोत्तर, विधेयकों और समितियों के दस्तावेज़ों को डिजिटल मंच पर लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रश्नों की ऑनलाइन प्रक्रिया, सदन की कार्यवाही का डिजिटल अभिलेखन और विधायकों को टैब आधारित सूचनाएँ उपलब्ध कराना ये समस्त कदम दक्षता बढ़ाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण एवं सराहनीय हैं।

हाल के वर्षों में राजस्थान विधानसभा यह चिंता जता चुकी है कि तुच्छ या दोहराव वाले प्रश्न संसदीय समय और ऊर्जा को नष्ट करते हैं। एआ यहाँ एक सहायक बन सकता है लेकिन यह तय करना कि को प्रश्न तुच्छ है या जनहित से जुड़ा, यह निर्णय अंततः जनप्रतिनिधि का ही होना चाहिए, मशीन का नहीं।

राजस्थान का सामाजिक और भौगोलिक परिदृश्य यह भी दर्शाता है कि नीति-निर्माण केवल आँकड़ों से संभव नहीं। मरुस्थलीय क्षेत्रों की जल-समस्या, सीमावर्ती जिलों की सुरक्षा-संवेदनशीलता, किसानों और पशुपालकों की आजीविका इन सबकी पीड़ा किसी मशीनी गणना (एल्गोरिद्म) के पूर्णतः समझ में नहीं आ सकती। एआ आँकड़े दे सकता है, रुझान बता सकता है, पर ज़मीनी सच्चा को आत्मसात करने का विवेक केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के पास होता है। इसलिए राजस्थान विधानसभा में एआ की भूमिका सहायक तक सीमित रहना ही लोकतांत्रिक दृष्टि से उचित है।

वैश्विक स्तर पर विधायी क्षेत्र में एआ का हस्तक्षेप तेज़ी से बढ़ा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 से 2023 के बीच दुनिया भर की संसदों में एआ से संबंधित 123 विधेयक पारित किए गए। वर्तमान में संसदें स्वयं को काग़ज़ आधारित संगठनों से बदलकर डेटा संचालित संस्थाओं में रूपांतरित कर रही हैं। एस्तोनिया में स्वचालित स्टेनोग्राफी, इटली में दस्तावेजों का मशीनी अनुवाद और ब्राजील में नागरिकों की टिप्पणियों का वर्गीकरण इसके प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। ये उपकरण न केवल समय बचाने में सक्षम हैं, बल्कि विधायी कर्मचारियों को अधिक जटिल और विश्लेषणात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सुविधा भी देते हैं।

नवाचार, संयम और संस्थागत ज्ञान : विधायिका में एआई को अपनाने का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत नवाचार और संयम का संतुलन है। अनियंत्रित नवाचार जहाँ गलत सूचना या मशीनी पक्षपात का जोखिम बढ़ाता है, वहीं अत्यधिक संयम संस्थागत जड़ता का कारण बन सकता है। यदि तकनीक के डर से उसे पूरी तरह नकार दिया जाए, तो लोकतांत्रिक संस्थाएं आधुनिक चुनौतियों का सामना करने में पिछड़ जाएंगी। अतः एआई का उपयोग हमेशा संदर्भपरक और नैतिक होना चाहिए। वेस्टमिंस्टर फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेसी के दिशा-निर्देश भी इसी चरणबद्ध दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं, जहाँ किसी भी तकनीक को पहले नियंत्रित वातावरण में परखना अनिवार्य है।

एआई के पास सूचनाओं का ढेर हो सकता है, लेकिन संस्थागत ज्ञान और संवेदना केवल मनुष्यों के पास होती है। भारतीय संसदीय प्रयासों में तकनीकी सहायता के बावजूद, अंतिम नियंत्रण हमेशा मानवीय विशेषज्ञों के हाथ में रखा गया है। लोकतंत्र केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि वर्षों के अनुभव और जवाबदेही से संचालित होता है। एक मशीनी गणना यह तो बता सकती है कि स्वास्थ्य बजट में कितनी वृद्धि हुई, लेकिन वह किसी सुदूर गाँव के अस्पताल की ज़मीनी पीड़ा और वहाँ की मानवीय संवेदना को नहीं समझ सकती।

यह विवेक केवल निर्वाचित जनप्रतिनिधि के पास ही सुरक्षित रहता है। भारत की एआई पहल का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं को गहराई से समझना और कार्यप्रणाली को 'तेज़' के साथ-साथ 'विश्वसनीय' बनाना भी है।

तकनीक साधन है, समाधान नहीं

एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि एक साधन है। यह विधायकों और विधानसभा कर्मियों का बोझ कम कर सकता है, शोध को सुदृढ़ कर सकता है और पारदर्शिता बढ़ा सकता है। किंतु वह विवेक, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता। लोकतंत्र को मशीनी तंत्र नहीं, बल्कि एक जीवंत मानवीय व्यवस्था है। संसद और विधानसभाओं को केवल सुविधाजनक नहीं, बल्कि उत्तरदायी होना चाहिए। यदि तकनीक का उपयोग पारदर्शिता और शोध के लिए किया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को मज़बूत करेगा। लेकिन यदि विवेक को तकनीक के हवाले कर दिया गया तो यह व्यवस्था को भीतर से खोखला कर सकती है।

राजस्थान सहित देश की सभी विधानसभाओं के लिए यह सही समय है कि वे एआई को अपनाएँ, पर आँख मूँदकर नहीं स्पष्ट नियमों, नैतिक मर्यादाओं और मानवीय नियंत्रण के साथ। सुविधा से आगे बढ़ते हुए सावधानी को अनिवार्य बनाना ही लोकतंत्र की रक्षा का समुचित मार्ग है। अंततः यह सत्य सदैव प्रासंगिक रहेगा कि संकट चाहे कितना भी आधुनिक हो, मानवीय धैर्य और मानसिक कौशल ही सबसे अचूक प्रहार सिद्ध होते हैं। विधानमण्डलों के कार्यकरण में एआई को सहायक बनाया जाए निर्णायक नहीं; विश्लेषक बनाया जाए न्यायकर्ता नहीं। तकनीक लोकतंत्र की सेवक बनी रहे, स्वामी नहीं, यही आधुनिक भारत के संसदीय लोकतंत्र की गरिमा का मूल आधार होगा।

- डॉ. कैलाश चन्द सैनी,
वरिष्ठ लेखक।

रात में बरसे बादल, सुबह तक गरजे

बीकानेर, (निसं)। यहा मौसम एक बार फिर बदल गया है। अब पश्चिमी विक्षोभ के चलते देर रात जहां हल्की बरसात हुई, वहीं सुबह तक बादलों का जमावड़ा बना हुआ है। रात में बादल इतने तेज गरजे की लोगों की नींद ही खुल गई। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दस दिन तक बीकानेर में इसी तरह का मौसम रहेगा। इधर, शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में लोगों को व्यवस्था की चिंता हो रही है। बीकानेर में देर रात हल्की बूंदाबांदी हुई। लोग सुबह उठे तो सड़कें भीगी हुई नजर आई।

रातभर बादलों के गरजने की आवाज ने परेशान किया। बारिश से मौसम सुहाना हो गया है, वहीं मावठ की इस बारिश से किसान के चेहरे खिले हुए हैं। ये बारिश फसल के लिए फायदेमंद रहेगी। गुरुवार को बारिश पश्चिमी विक्षोभ से हुई हे। अब 26 जनवरी को फिर नया विक्षोभ आ सकता है। इससे भी बारिश होगी। माना जा रहा है कि अब फरवरा के शुरूआती दिनों तक ऐसा ही माहौल रहेगा। फरवरी के पहले सप्ताह में शादियों के आयोजन शुरू हो चुके हैं, जिसमें बारिश के कारण खलल पड़ना शुरू हो गया है। मौसम विभाग के निदेशक राधेश्याम शर्मा का कहना है कि दो विक्षोभ के कारण एक सप्ताह तक मौसम में उतार-चढ़ाव और बदलाव देखने को मिलेगा। फरवरी के पहले सप्ताह से मौसम सामान्य हो जाएगा।

दरअसल दो विक्षोभ कट-टू-कट आ रहे हैं। पहला विक्षोभ गुरुवार से शुरू हो गया, जिसका असर बारिश के रूप में 23 जनवरी को देखने को मिल सकता है। दूसरा विक्षोभ 26 को आएगा। उसका असर 27 तक रहने के आसार हैं। इसलिए शादियों के सीजन में लोगों को सतर्क रहना होगा।

राशिफल शनिवार 24 जनवरी 2026

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, शनिवार, विक्रम सम्वत 2082, उत्तरा भाद्रप्रद नक्षत्र दिन 2.16 तक, शिव योग दिन 2.02 तक, कौलव करण दिन 1.13 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरु-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतू-सिंह राशि में संचार करेगा।

आज रवियोग दिन 10.50 तक है। रवियोग दिन 2.16 से पुनः आरम्भ होगा। आज पंचक शीतलाअष्टमी है।

श्रेष्ठ चौघडिया - शुभ 8.40 से 9.59 तक, चट 12.39 से 1.59 तक, लाभ-अमृत 1.59 से 4.38 तक राहुकाल 9.00 से 10.30 तक

सूर्योदय 7.20 सूर्यास्त 5.58

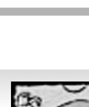

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी।

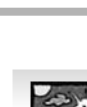

वृष
आर्थिक-व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव है।

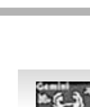

मिथुन
- व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे।

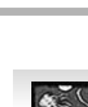

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

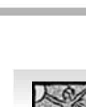

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक विवादों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

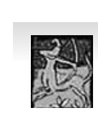

धनु
घर-परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

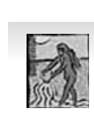

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सम्भव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। आवश्यक ओर महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत कर निवेश बढ़ाने पर है पूरा फोकस : शिखर अग्रवाल

रीको चेयरमैन ने रेजिडेंशियल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप में अधिकारियों को संबोधित किया

जयपुर (कासं)। रीको की ओर से आयोजित दो दिवसीय रेजिडेंशियल कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप का शुक्रवार को समापन हुआ। वर्कशॉप रीको के इकाई कार्यालयों एवं उप-इकाई कार्यालयों के प्रभारियों के लिए आयोजित की गई, जिसमें प्रदेशभर से 80 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया। वर्कशॉप में अधिकारियों को अपने-अपने औद्योगिक क्षेत्रों में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने, उद्यमी-अनुकूल वातावरण तैयार करने तथा राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने अधिकारियों से संवाद करते हुए कहा कि रीको की कार्यप्रणाली में निरंतर नवाचार आवश्यक है।

औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को नीतियों का त्वरित लाभ मिले, अधिकारियों का व्यवहार सहयोगात्मक हो तथा इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हो, यही रीको की पहचान बननी चाहिए।

उन्होंने कहा कि रीको औद्योगिक क्षेत्रों में वेस्ट एंड एफ्यूलेंट मैनेजमेंट का समुचित निस्तारण, सीईटीपी की प्रभावी मॉनिटरिंग, विद्युत एवं जल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था का ध्यान रखा जाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही विभिन्न सरकारी विभागों के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्यों को तेजी से पूरा करने पर भी बल दिया।

रीको अध्यक्ष शिखर अग्रवाल

- कार्यशाला में रीको अधिकारियों को मिला औद्योगिक विकास के नए आयामों का प्रशिक्षण
- 50 हेक्टेयर तक के औद्योगिक क्षेत्रों को इंडस्ट्रियल ग्रोथ पार्क तथा इससे अधिक हेक्टेयर वाले क्षेत्र रीको इकोनोमिक एवं इनवेस्टमेंट जोन कहा जायेगा : शिवांगी स्वर्णकार

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी वर्कशॉप्स का मुख्य उद्देश्य नॉलेज शेयरिंग होता है। अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्र में किए गए नवाचारों, चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा से सभी को सीखने का अवसर मिलता है।

उन्होंने कहा कि रीको के अधिकारियों की कार्यशैली और व्यवहार से ही रीको की छवि बनती है। इस हेतु अधिकारियों को उद्यमियों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने पर ध्यान देना चाहिए।

वर्कशॉप के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिनमें रीको डिस्पोजल ऑफ लैंड रूल्स 1979 में किए गए संशोधनों, ऑनलाइन मॉड्यूल्स, सिविल एवं पावर वर्क्स में गुणवत्ता नियंत्रण एवं राजस्व एवं नगरीय निकायों से संबंधित भूमि आवंटन प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को फील्ड विजिट भी कराई गई, जिससे व्यावहारिक अनुभव मिल सके।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने यह भी बताया कि रीको द्वारा विकसित सभी औद्योगिक क्षेत्रों के नाम में एकरूपता व स्पष्टता लाने एवं स्ट्रेटेजिक ब्रांडिंग करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों का क्षेत्रफल 50 हेक्टेयर तक है, उन्हें इंडस्ट्रियल ग्रोथ पार्क कहा जाएगा तथा जिन औद्योगिक क्षेत्रों का क्षेत्रफल 50 हेक्टेयर से अधिक है, उन्हें रीको इकोनोमिक एवं इनवेस्टमेंट जोन कहा जाएगा।

प्रेम प्रसंग से नाराज युवती के परिजनों ने किया हंगामा

जयपुर। सदर थाना इलाके में स्थित हसनुपरा इलाके प्रेम प्रसंग को लेकर दो पक्षों में जमकर विवाद हो गया। जिसके बाद युवती के परिजनों ने पूरे मौहल्ले में जमकर उत्पात मचाया। युवती के परिजनों के आवेश को देखते हुए पूरे मौहल्ले में हड़कंप मच गया।

गौरतलब है कि हसनपुरा में आस-पडौस में रहने वाले युवक-युवती के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। प्रेम-प्रसंग के चलते प्रेमी युगल घर छोड़कर भाग गया। इसी बात को लेकर युवती के परिजन नाराज हो गए। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे लड़की पक्ष के दर्जनभर युवक एक साथ इकट्ठा हो गए। लड़के के घर के बाहर लाठी-डंडे लेकर पहुंचकर जमकर हुड़दंग मचाना शुरू कर दिया। युवती के परिजनों और उनके समर्थकों युवक के घर पर जमकर पत्थराव किया और घर के बाहर खड़ी तीन-चार कारों के शीशे व बाइक में जमकर तोड़फोड की। इस पथराव में तीन जनों को चोट आई। जिन्हें उपचार के लिए तुरंत अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक उपद्रवी फरार हो गये थे।

एसडीएम के समक्ष लंबित मुकदमें के निस्तारण के लिए वृद्धा को तीन बार आना पडा हाईकोर्ट

अदालत ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी को किया तलब

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण अधिनियम को लेकर 70 साल की वृद्धा के परिवाद का अदालत की ओर से मियाद तय करने के बाद भी एसडीएम की ओर से निर्णय नहीं करने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही अदालत ने परिवाद को एसडीएम द्वितीय सांगानेर से एसडीएम प्रथम में ट्रांसफर करते हुए पीठासीन अधिकारी विकास प्रजापत को 12 फरवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश केसर देवी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि मामले में कोर्ट की ओर से दो बार आदेश जारी की लंबित परिवाद को तीस दिन में तय करने को कहा था, लेकिन पीठासीन अधिकारी ने केवल तारीख देने के अलावा कोई कार्रवाई नहीं की। अदालत को उम्मीद नहीं थी कि पीठासीन अधिकारी अदालत के आदेश को इस तरह से लेगें। ऐसा लगता है कि पीठासीन अधिकारी अदालती आदेश की पालना में रुचि नहीं रखते हैं। अदालत ने मंशा जताई की ऐसे अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए। अदालत ने कहा कि न्यायालय के आदेश की पालना समाज में व्यवस्था और न्याय बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

याचिका में अधिवक्ता आशीष पूनिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने वरिष्ठ नागरिक कल्याण अधिनियम के तहत अपने बेटे-बहु के खिलाफ एसडीएम द्वितीय सांगानेर के समक्ष मार्च, 2024 में परिवाद दिया था। जिसकी अंतिम बहस नहीं सुनने पर हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। हाईकोर्ट ने 11 नवंबर, 2024 को एसडीएम को एक माह में परिवाद पर निर्णय करने को कहा था, लेकिन एसडीएम ने इस आदेश की पालना नहीं की। इस पर वापस हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। इस पर हाईकोर्ट ने गत 15 मई को एक बार फिर एसडीएम को एक माह में निर्णय करने करने के साथ ही अधिकारी को चेतावनी भी दी। इसके बावजूद एसडीएम ने फिर भी कार्रवाई नहीं की। याचिका में कहा गया कि अदालत ने पूर्व में आदेश जारी कर एसडीएम से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन उसके जवाब से अदालत संतुष्ट नहीं हुई। एसडीएम ने हाईकोर्ट को कहा था कि गत 17 नवंबर तक निर्णय किया जाएगा, लेकिन उसके बाद भी छह बार मामले पर सुनवाई टाली गई। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए संबंधित एसडीएम को तलब करते हुए विचाराधीन परिवाद को एसडीएम प्रथम में स्थानांतरित कर दिया है।

सलमान खान के हस्ताक्षरों की नहीं होगी एफ.एस.एल. जांच

राज्य उपभोक्ता आयोग ने लगाई रोक

जयपुर। राज्य उपभोक्ता आयोग ने राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़े मामले में कोटा जिला उपभोक्ता आयोग के गत 26 दिसंबर के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसके तहत जिला आयोग ने मामले में पेश जवाब और वकालतनामा सहित अन्य दस्तावेजों पर सलमान खान की ओर से किये हस्ताक्षरों की प्रमाणिकता की जांच एफएसएल से कराने को कहा था। इसके साथ ही आयोग ने मामले में शिकायतकर्ता को नोटिस जारी करते हुए प्रकरण को सुनवाई के लिए राज्य उपभोक्ता आयोग की कोटा सर्किट बेंच में भेज दिया है। आयोग ने यह आदेश राजश्री पान मसाला की ओर से दायर रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- राजश्री पान मसाला के भ्रामक विज्ञापन से जुड़ा मामला

रिवीजन में अधिवक्ता देवेश शर्मा ने आयोग को बताया कि मामले में इन्द्रमोहन सिंह ने कोटा जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश कर सलमान खान पर राजश्री पान का भ्रामक विज्ञापन करने का आरोप लगाया था। जिसमें सलमान खान की ओर से अपना जवाब और वकालतनामा पेश किया था। इसे शिकायतकर्ता ने यह कहते हुए चुनौती दी थी कि दस्तावेजों पर सलमान खान के हस्ताक्षर नहीं है। वहीं दूसरी ओर रिवीजनकर्ता ने परिवाद पर अपनी आपत्ति दर्ज कराई थी।

जिला आयोग ने परिवाद पर आपत्तियों की सुनवाई करने के बजाए सलमान खान के हस्ताक्षरों की जांच एफएसएल से कराने के आदेश दे दिए। रिवीजन में कहा गया कि सलमान खान पान मसाला नहीं, इलाइची का विज्ञापन कर रहे हैं। मामले के परिवादी ने समान परिवाद विमल ब्रांड के खिलाफ भी किया था, उसमें इलायची का ही विज्ञापन किया जा रहा था। उस परिवाद को परिवादी ने वापस ले लिया था। इसके अलावा रिवीजन कर्ता ने जिला आयोग में परिवाद पर आपत्ति दर्ज कराई थी। जिसे तय करने के बजाए जिला आयोग ने अनावश्यक रूप से सलमान खान के हस्ताक्षरों की जांच के आदेश दे दिए। रिवीजन में कहा गया कि अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचने के लिए रिवीजन कर्ता और सलमान खान के बीच एक एग्रीमेंट किया है, जिसके तहत रिवीजन कर्ता जिला आयोग के आदेश से प्रभावित पक्षकार है। इसलिए जिला आयोग के आदेश को निरस्त किया जाए।

गणतंत्र दिवस पर आईपीएस संदीप सिंह चौहान महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क से होंगे सम्मानित

जयपुर। आगामी 77 वें गणतंत्र दिवस के गौरवमयी अवसर पर राजस्थान पुलिस और गृह रक्षा विभाग के एक जांबाज अधिकारी की सेवाओं को विशेष पहचान मिलने जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक गृह रक्षा संदीप सिंह चौहान आईपीएस को उनके उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और विभाग के प्रति अद्वितीय समर्पण के लिए राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। संदीप सिंह चौहान को यह सम्मान उनके पदस्थापन के दौरान राजकार्यों को व्यक्तिगत लगन और अद्वितीय समर्पण के साथ संपादित करने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने विभाग के स्वयंसेवकों के नियोजन में वृद्धि करने और गृह रक्षा विभाग के विकास कार्यों को पूर्ण निष्ठा व कर्तव्य-परायणता के साथ आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी इन्हीं विशिष्ट उपलब्धियों के फलस्वरूप विभाग ने उन्हें इस सर्वोच्च सम्मान के लिए चुना है। 77 वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दौरान महानिदेशक एवं महासमादेष्टा गृह रक्षा राजस्थान मालिनी अग्रवाल द्वारा उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा। आईपीएस संदीप सिंह चौहान को महानिदेशक प्रशस्ति डिस्क एवं महानिदेशक प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की जाएगी।

हैड कांस्टेबल गिरफ्तार

जयपुर। बिंदायका थाना पुलिस ने एक नाबालिग छात्रा को परेशान करने के आरोप में हैड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी कांस्टेबल को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी कांस्टेबल सस्पेंड था और नाबालिग को क्रिकेट में आगे बढ़ाने और अच्छी प्रेक्टिस करवाने की मदद के बहाने आए दिन परेशान कर रहा था। आरोप है कि कांस्टेबल फिजिकल रिलेशन बनाने का दबाव भी बना रहा था।

दूसरी अवमानना याचिका खारिज, एक लाख का लगाया हर्जाना

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चारागाह भूमि से अतिक्रमण हटाने से जुडे मामले में दायर दूसरी अवमानना याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि याचिका कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग कर दायर की गई है। ऐसे में इस पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाया जाता है। जस्टिस सुदेश बंसल और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने यह आदेश नेकीराम व अन्य की अवमानना याचिका पर दिए। अदालत ने कहा कि पूर्व में अवमानना याचिका खारिज हो चुकी है, ऐसे में दूसरी याचिका दायर करना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग है। मामला झुंझुनूं के चिडावा क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों की चारागाह भूमि पर अतिक्रमण से जुडा है। जिसमें कई मामले में हाईकोर्ट की रोक चल रही है।

जनता बनी पुलिस की आंख और कान : राजीव शर्मा

जयपुर (कासं)। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय की कम्यूनिटी पुलिसिंग शाखा ने समाज के विभिन्न वर्गों को पुलिस के साथ जोड़कर एक अभेद्य सुरक्षा चक्र तैयार किया है। वर्तमान में राज्य में सीएलजी मैंबर, पुलिस मित्र, ग्राम रक्षक, स्टूडेंट पुलिस कैडेट और सुरक्षा सखियों के रूप में करीब 2.45 लाख वॉलिंटियर्स पुलिस के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सिविल राइट्स, मानव अधिकार एवं कम्युनिटी पुलिसिंग) लता मनोज कुमार ने बताया कि राजस्थान पुलिस अधिनियम 2007 के तहत गठित सामुदायिक सम्पर्क समूह (सीएलजी) आज पुलिस और जनता के बीच सकारात्मक संवाद का सबसे बड़ा मंच बन चुका है। राज्य में जिला, थाना और वार्ड स्तर पर कुल 82065 सीएलजी सदस्य सक्रिय हैं। दिसंबर 2025 तक पुलिस ने इन सदस्यों के साथ 29 हजार 158 बैठकें आयोजित कर स्थानीय समस्याओं का समाधान किया है। ईद की नमाज हो या होली-दिवाली के मेले, ये सदस्य सौहार्द बनाए रखने में पुलिस के मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहे हैं।

पुलिस मित्र योजना ने पुलिस के प्रति आमजन का नजरिया बदला है। प्रदेश में 40 हजार 867 पुलिस मित्र अपनी स्वेच्छा से यातायात संचालन, नाकाबंदी और सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुँचाकर उनकी जान बचा रहे हैं। इसी तरह ग्रामीण क्षेत्रों में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए 24 हजार 443 ग्राम रक्षकों को सूचीबद्ध किया गया है। ये रक्षक ग्रामीण इलाकों में रात्रि गश्त और सूचना संकलन के जरिए पुलिस के सूचना तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राजस्थान पुलिस ने सुरक्षा सखी के रूप में क्रांतिकारी पहल की है। वर्तमान में 21 हजार 953 महिलाएं सुरक्षा सखी के रूप में पुलिस और पीड़ित के बीच सेतु का कार्य कर रही हैं। इसके साथ ही, सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ रोकने के लिए राज्य में 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का गठन किया गया है। यह संवेदनशील पहल न केवल अपराधों पर अंकुश लगा रही है। बल्कि समाज में निर्भीक नारी की संकल्पना को साकार कर रही है।

एडीजी लता मनोज कुमार ने बताया कि महिलाओं को शारीरिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महिला शक्ति आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत दिसंबर 2025 तक रिकॉर्ड 14 लाख 83 हजार 30 महिलाओं व बालिकाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बहुचर्चित एकल पट्टा प्रकरण में एसीबी को अग्रिम जांच की अनुमति मिली

अदालत ने मामले में पेश तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति वापस लेने के पेश प्रार्थना पत्र को विड्रो करने के लिए राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज किया

जयपुर (कासं)। एसीबी मामलों की विशेष अदालत ने प्रदेश के चर्चित एकल पट्टा प्रकरण में एसीबी को अग्रिम जांच के आदेश दिए हैं। वहीं अदालत ने मामले में पेश तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति वापस लेने के पेश प्रार्थना पत्र को विड्रो करने के लिए राज्य सरकार की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि साल 2021 में कोर्ट उस प्रार्थना पत्र को खारिज कर चुकी है। ऐसे इसे वापस लेने की जरूरत ही नहीं है।

गौरतलब है कि पूर्ववर्ती सरकार के समय एसीबी ने पूर्व मंत्री शांति धारीवाल को क्लीन चिट दी थी। वहीं पूर्व आईएएस जीएस संधू सहित अन्य अफसरों के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति वापस लेने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया था। जिसे अदालत ने खारिज कर दिया था। वहीं अब विस्तृत जांच के निर्णय के बाद एसीबी ने ट्रायल कोर्ट से अनुमति मांगी थी। मामले के अनुसार जेडीए ने जून, 2011 में गणपति कंस्ट्रक्शन के मालिक शैलेन्द्र गर्ग के नाम पर एकल पट्टा जारी किया था। साल 2013 में इसकी शिकायत एसीबी में की गई। जिसके कार्रवाई करते हुए एसीबी ने तत्कालीन एसीएस जीएस संधू, उपायुक्त निष्काम दिवाकर, ओंकारमल सैनी और शैलेन्द्र गर्ग सहित अन्य की गिरफ्तारी की थी। वहीं मई, 2013 में एकल पट्टे को निरस्त भी कर दिया गया। वहीं पूर्ववर्ती सरकार के समय एसीबी ने क्लोजर रिपोर्ट पेश की और अफसरों के खिलाफ मुकदमा वापस लेने का प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन अदालत ने इसे खारिज कर दिया। वहीं हाईकोर्ट ने जनवरी, 2023 में इन अफसरों को राहत दी। इस आदेश के खिलाफ अशोक पाठक ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर, 2024 को हाईकोर्ट का आदेश रद्द कर हाईकोर्ट के सीजे को मामले की सुनवाई करने को कहा था।

खंडेलवाल समाज एवं गौमाया ने रचा इतिहास

- बिना तेल और घी के 50 से अधिक व्यंजन बनाकर जीरो ऑयल कुकिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

जयपुर। स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जागरूकता की दिशा में खंडेलवाल समाज एवं गौमाया ने एक ऐतिहासिक पहल करते हुए जीरो ऑयल कुकिंग का वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया है। अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य युवा जागृति संघ एवं गौमाया के संयुक्त तत्वावधान में टोंक रोड, सांगानेर स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में शुक्रवार को बसंत पंचमी पर आयोजित इस विशेष आयोजन में बिना तेल और घी के स्वादिष्ट व्यंजनों की अनूठी प्रस्तुति दी गई।

गौमाया फाउंडर डॉ. सीताराम गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। संगठन महामंत्री योगेंद्र लाभी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान 50 से अधिक प्रकार के व्यंजन तैयार किए गए, जिनमें किसी भी प्रकार के तेल या घी का उपयोग नहीं किया गया। इन व्यंजनों का स्वाद खंडेलवाल समाज के साथ अन्य समाजों के वरिष्ठ बंधुओं ने भी लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंडेलवाल समाज के बॉलीवुड एक्टर एवं सेलिब्रिटी रोहित खंडेलवाल, दर्शना खंडेलवाल एवं ट्विंकल पाटोदिया उपस्थित रहे। समाज के सहयोगियों में मुकेश ठाकुरिया, संतोष सिंगोदिया, रामेश्वर मामोडिया, सीए घनश्याम खंडेलवाल, विनोद बाजजरगान, विष्णु डगायच, कैलाश चंद माणक बोहरा, सतीश खंडेलवाल, सीए सोनम खंडेलवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे। जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता एवं भाजपा नेता चंद्र मनोहर बटवाडा ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। वर्ल्ड रिकॉर्ड की प्रक्रिया में राजा मुकीम एवं डॉ. पी. एम. भारद्वाज व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने आयोजन को अप्रूव करते हुए अपने हाथों से सर्टिफिकेट प्रदान किए, जबकि गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड एवं लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा ऑनलाइन की गई। कार्यक्रम में निवर्तमान उपमहापौर पुनीत कर्णावत, वरिष्ठ समाजसेवी नवीन भंडारी एवं राजीव खंडेलवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

नकली घी बनाने के कारखाने पर पुलिस ने छापा मारा

■ भारी मात्रा में नामी कंपनीज के नकली घी के टीन मिले

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नर स्पेशल पुलिस सीएसटी और कुड़ी भगतासनी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कुड़ी भगतासनी सेक्टर 9 में एक मकान में रेड देकर वहां नकली घी बनाने के कारखाने का खुलासा करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लिया है। घर के अलग अलग कमरों में नामी कंपनीज के नाम से नकली घी के टिन और वेपर, ढक्कन इत्यादि मिले है। कार्रवाई रात में की गई। आज सुबह चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई। विभाग की तरफ से नकली घी के अंदेश से सेंपलिंग की गई। घटना के संबंध में कुड़ी पुलिस की तरफ से अब जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश पासवान, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एव यातायात शाहीन सी. के निर्देशानुसार सुपरविजन अधिकारी अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त मुख्यालय सुनील के पंवार के निकट सुपरविजन में सीएसटी प्रभारी एसआई मेहराज तंवर मय टीम के हाइवे मोबाइल इंचार्ज एएसआई तेजाराम ने कुड़ी भगतासनी स्थित में सेक्टर 9 में एक घर में दबिश दी। वहां कुछ लोग मिले जोकि घी का कारोबार करते दिखें। आरंभिक पड़ताल में पता लगा कि उन लोगों द्वारा नामी कंपनीज के नाम से नकली घी तैयार किया जा रहा था। पुलिस को वहां से सरस, क्षीर, डेयरी बेस्ट, प्राइड, मधुसूदन, कृष्णा, मिल्क फूड व विभिन्न प्रकार के नामी कंपनियों के करीब 120 नकली घी के टिन, लेबल पैकिंग सामग्री व मशीन करीब 25 लाख का दो गोदामों में भरा माल बरामद हुआ है।

Office of The Urban Improvement Trust, Sawai Madhopur

क्रमांक :- प.6(1)नविन्या/तकनीकी निविदा/स.मा./2025-26/201 दिनांक :- 22/01/2026

Notice Inviting Bid (08/2025-26)

Bids for Civil Work (03) is invited from interested bidders up to 06:00 PM (time) 08-02-2026 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in** of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 179.86 Lacs.

UBN-USM2526WSOB00024, USM2526WSOB00025 & USM2526WSOB00026

Raj.Samwad/C/25/18387 Executive Engineer

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

दिनांक :- 22/01/2026

ई-निविदा सूचना

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e-Tender no. RSMM/CO/GGM (Cont) Cont-17/2025-26 dated 22.01.2026 UBN No. MML2526WSOB00146	संस्थान की जिला–जैसलमेर राजस्थान में स्थित सानू लाईमस्टोन माईन्स पर विभागीय Crushing & Screening Plant के मरम्मत, रखरखाव व इससे संबंधित कार्य करना। (निविदानुसार)। अनुमानित लागत रू. 14.00 लाख, धरोहर राशिः रू. 28,000/–, निविदा प्रपत्र मूल्य 590/–

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट **www.rsmm.com/www.sppp.rajasthan.gov.in,** अथवा वरि. प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/18365 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय नगर पालिका मारवाड़ जंक्शन(पाली)

पंचायत समिति के सामने मारवाड़ जंक्शन–306001

क्रमांक : न.पा.मा.जं./विकास/2025–26/611 दिनांकः–08.01.2026

: ई–निविदा सूचना :

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पालिका, मारवाड़ जंक्शन जिला पाली के विकास शाखा की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सम्बंधित विस्तृत जानकारी पालिका के नोटिस बोर्ड अथवा वेब पोर्टल **https://sppp.rajasthan.gov.in** व **eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है, जिसके यू.बी.एन. नम्बंर निम्नानुसार है :–

DLB2526WSRC30186

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका,मारवाड़ जंक्शन

राज.संवाद/सी/25/18337

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464–294024 ई–मेल आईडी np.karauli@yahoo.com website- www.npkarauli.in

क्रमांक : न0परि0क0/निविदा/2025/4806 दिनांक : 21.01.2026

संशोधित ई–निविदा सूचना

नगरपरिषद करौली द्वारा आमंत्रित ई–निविदा सूचना संख्या 4263 दिनांक : 19.12.2025 की तिथिओं में निम्न प्रकार संसोधन किया जाता है।

क्र.सं.	तिथिओं का विवरण	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	22.01.2026 समय 6:00 पीएम तक	05.02.2026 समय 6:00 पीएम तक
2	निविदा खोलने की तिथि व समय	23.01.2026 समय 1:30 पीएम तक	06.02.2026 समय 02:00 पीएम तक

राज.संवाद/सी/25/18404 आयुक्त, नगरपरिषद, करौली

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8() RMSC/EPM/M-3/NIB-881/2025-26/1565 Dated :- 21/01/2026

Corrigendum / Addendum

Bid for item X-Ray Machine (500 ma) (NIB-881) are invited from interested bidders up to Date: 09/02/2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in** or **www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

UBN No. : MSC2526GLOB00068

Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation

Raj.Samwad/C/25/18373

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No.1525 **Notice Inviting Bid** Date:-05.01.2026

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00 /15.00 Cr. NP/ML Road Work & Missing Link Work" NIT No. 15/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 31.01.2026. Other particulars of the bid may be visited on the procuremen portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 213.50 lacs.

क्र.सं.	UBN No.	क्र.सं.	UBN No.
1	PWD2526WSOB20037	2	PWD2526WSOB20038
3	PWD2526WSOB20039		

(Laxmi Narayan Meena)
Executive Engineer, PWD Division Mangrol

DIPR/C/1268/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD CITY DN, KOTA

E-mail ID: eccitypwdkota@rediffmail.com & eckotacity.pwd@rajasthan.gov.in, Phone No. 0744-2323038
(Address-PWD Campus, Rajbhawan Road, Nayapura, Kota-324001 (Raj.)

No. F-3/Tender/Tech./2025-26/D-1883 Dated: 13.01.2026

Notice Inviting Bid
(NIT No. 24/2025-26

Bids for 04 Building work at Kota are Invited from interested bidders upto 06.00 PM of 27.01.2026 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 99.65 Lacs. PWD2526WSOB20912 PWD2526WSOB20914 PWD2526WSOB20913 PWD2526WSOB20915

Executive Engineer
PWD City Dn. Kota

DIPR/C/979/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सुल्तानपुर

क्रमांकः 2184 **अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या 45/2025–26** दिनांकः 16.01.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन एवं सड़क निर्माण कार्यके लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 27.01.2026 को 06:00 बजे तक।

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	PWD2526WSOB021252	2	PWD2526WSOB021253
3	PWD2526WSOB021254	4	PWD2526WSOB021255
5	PWD2526WSO8021256	6	PWD2526WSOB021257
7	PWD2526WSOB021258	8	PWD2526WSOB021259
9	PWD2526WSOB021260	10	PWD2526WSOB021261

(अंकित बिन्दल)
अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड सुल्तानपुर

DIPR/C/1091/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांकः 3752–3760 **ई–निविदा सूचना संख्याः 11/2025–26** दिनांकः 16.01.2026

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सडक कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से संबंधित समस्त विवरण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB Code- PWD2526A5209

UBN No.

1	PWD2526WSOB21059
2	PWD2526WSOB21060

(के.के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/1132/2026

उदयपुर में स्काई विले ट्रैम्पोलिन पार्क में लगी आग

हादसे से पहले निकले लोग, कोई जनहानि नहीं

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर के नवरत्न कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में स्थित स्काई विले ट्रैम्पोलिन पार्क के गेम जोन में शुक्रवार शाम अचानक आग लग गई। प्राथमिक जांच में आग लगने का कारण शॉट सर्किट सामने आया है। शहर के बीच स्थित इस गेम जोन में लगी आग को बुझाने में 7 दमकलों ने 11 फेरे किए। करीब एक से सवा एक घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि इसमें किसी तरह की जनहानि नहीं हुई लेकिन गेम जोन पूरी तरह जलकर राख हो गया। यह गेम जोन पूरी तरह से प्लास्टीक के खिलोने एवं फोम पर बना होने से आग जल्दी ही फैलने लगी।

उदयपुर शहर के नवरत्न कॉम्प्लेक्स क्षेत्र में स्थित स्काई विले ट्रैम्पोलिन पार्क में शुक्रवार शाम करीब 4.15 बजे धुआं उठना शुरू हुआ और धीरे-धीरे आग की लपटे उठने लगी हालांकि ट्रैम्पोलिन पार्क में स्थापित फायर सेफ्टी की मदद से आग पर प्राथमिक तौर पर काबू पाने की कोशिश की गई और इस बीच वहां मौजूद लोग भी बाहर आ गए जिससे किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। फायर बिग्रेड को भी इसकी सूचना दी गई और पार्क में लगी आग ने धीरे–धीरे भयावह रूप ले लिया।

उदयपुर के नवरत्न कॉम्प्लेक्स में स्थित गेम जोन में आग लगने के बाद पूरी तरह से जलकर राख हुआ गेम जोन।

चीफ फायर ऑफिसर बाबूलाल चौधरी के निर्देश पर अग्निशमन अधिकारी शिवराम मीणा, सहायक अग्निशमन अधिकारी नवदीपसिंह बग्गा मय टीम मौके पर पहुंचे। जहां अशोकनगर, मादड़ी, चेतक फायर स्टेशन से दो दो एवं सुन्दरवास फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ियों सहित सात दमकलों ने 11 फेरे कर करीब सवा घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग को बुझाने में अग्निशमन दल के करीब 22 जनों की टीम लगी।

■ नवरत्न कॉम्प्लेक्स में स्थित गेम जोन पूरी तरह जलकर राख हो गया। यह गेम जोन पूरी तरह से प्लास्टीक के खिलोने एवं फोम पर बना होने से आग जल्दी ही फैलने लगी

■ आग को बुझाने में 7 दमकलों ने 11 फेरे किए

एनडीपीएस के 14 साल पुराने मामले में आरोपी को सात साल की सजा

जोधपुर, (कासं)। एनडीपीएस न्यायालय जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मधुसूदन मिश्रा ने 14 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध के मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को सात वर्षों का कठोर कारावास और 50 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

राजस्थान सरकार की ओर से पैरवी हेतु नियुक्त विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस जोधपुर गोविन्द जोशी ने बताया कि 19 जून 2012 को महामंदिर के तत्कालीन थाना प्रभारी भंवरसिंह ने सनसिटी अस्पताल के सामने रुपाणा जैसाना जाटावास, लोहावट निवासी निंबाराम पुत्र रेखाराम जाट से उसकी बनियान के नीचे पॉलीथिन में छुपाकर कर रखा 1.900 किलो अफीम दूध बरामद कर उसको गिरफ्तार किया तथा अनुसंधान के बाद आरोपी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

झुंझुनूं बना साइबर ठगों का सॉफ्ट टारगेट

■ 5000 संदिग्ध बैंक खातों का खुलासा, किराए के खातों से 200 करोड़ से ज्यादा का लेन-देन

झुंझुन, (निसं)। कभी शिक्षा और अनुशासन के लिए पहचाना जाने वाला झुंझुनूं जिला इन दिनों साइबर ठगों के निशाने पर है। साइबर अपराधियों ने जिले के युवाओं को आसान कमाई का लालच देकर उनके बैंक खाते किराए पर लेने का नया तरीका अपनाया है। इन्हीं खातों के जरिए करोड़ों रुपए की साइबर ठगी को अंजाम दिया जा रहा है। अब झुंझुनू पुलिस ने साइबर सेल की मदद से इस संगठित साइबर अपराध नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से झुंझुनू पुलिस को करीब 5000 संदिग्ध बैंक खातों की डिटेल प्राप्त हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इन खातों का इस्तेमाल देशभर में होने वाली साइबर ठगी के लिए किया गया। इन खातों के माध्यम से 200 करोड रुपये से अधिक का लेन–देन किया गया है। साइबर ठग जिले के युवाओं को मामूली लालच देकर–उनके बैंक खाते किराए पर लेते हैं। इसके बाद साइबर फ्रॉड से प्राप्त रकम इन्हीं खातों में ट्रांसफर की जाती है।

कई मामलों में खाता धारकों को यह भी नहीं बताया जाता कि उनके खाते का इस्तेमाल किस उद्देश्य से हो रहा है। झुंझुनूं पुलिस को राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से जिले के करीब 5000 संदिग्ध बैंक खातों की डिटेल प्राप्त हुई है। इन खातों का इस्तेमाल देशभर में होने वाली साइबर ठगी के लिए किया गया। पुलिस के शुरुआती आकलन के अनुसार, इन खातों के माध्यम से 200 करोड़ रुपये से अधिक का लेन–देन किया गया है। राष्ट्रीय पोर्टल से डिटेल मिलने के बाद झुंझुनू पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बीते एक सप्ताह में 28 खाता धारकों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 7 अन्य खाता धारकों के खिलाफ अलग–अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई है। पुलिस का मानना है कि यह संख्या आने वाले दिनों में और बढ़ सकती है।

झुंझुनू पुलिस की साइबर सेल द्वारा किए गए खातों के गहन विश्लेषण में बड़ा खुलासा हुआ है। साइबर ठगी की रकम को मूल खातों से आगे दुबई भेजा जा रहा है, जहां उसे क्रिप्टोकरेंसी–यूएसडीटी और बिटकॉइन में बदलकर उपयोग किया जा रहा है। इतना ही नहीं, इस राशि का उपयोग ऑनलाइन गैंबलिंग ऐप्स और अन्य अवैध डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी किया जा रहा है। झुंझुनू पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल से करीब 5000 खातों की जानकारी मिली है, जिनका गहन विश्लेषण किया जा रहा है।

गर्ल्स कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

जिला प्रशासन ने किया मॉकड्रिल

■ मॉक ड्रिल में फायरमैन लिफ्ट, चेयरमैन नॉट, स्ट्रेचर और स्लाइडिंग जैसी तकनीकों से ऊपरी मंजिलों से घायलों को निकालने, प्राथमिक इलाज देने और सुरक्षित जगह पहुंचाने की प्रैक्टिस की गई

श्रीगंगानगर, (निसं)। आत्मवल्लभ जैन गर्ल्स कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिली। कॉलेज में हड़कंप मच गया। छात्राएं इधर–उधर भागने लगीं। ई–मेल से धमकी मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया। एमरजेंसी स्थिति घोषित कर दी गई।

छात्राओं को खुले मैदान में पहुंचाया गया और कॉलेज को सील कर दिया गया। मौके पर पुलिस, फायर ब्रिगेड व सिविल डिफेंस की टीमें पहुंच गईं। बाद में जब पता चला कि यह प्रशासन की मॉकड्रिल है तो छात्राओं ने राहत की सांस ली।

सिविल डिफेंस की टीम ने चीफ वार्डन निर्मल जैन और फायर प्रभारी अनिल शर्मा के नेतृत्व में पूरे कॉलेज की छानबीन की। कक्षाएं, लैब, लाइब्रेरी, ऑफिस, सभागार हर कोने की गहन तलाशी ली गई।

जांच के दौरान कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली। मॉकड्रिल का मकसद आपात स्थिति में तैयारियों का जायजा लेना था।

मॉक ड्रिल में फायरमैन लिफ्ट, चेयरमैन नॉट, स्ट्रेचर और स्लाइडिंग जैसी तकनीकों से ऊपरी मंजिलों से घायलों को निकालने, प्राथमिक इलाज देने और सुरक्षित जगह पहुंचाने की प्रैक्टिस की गई। सिविल डिफेंस के डिप्टी कंट्रोलर नयन गौतम ने बताया- छात्राओं में किसी तरह का डर या अफरा–तफरी नहीं फैलने दी गई। सभी को व्यवस्थित तरीके से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

कॉलेज के डायरेक्टर संजय अरोड़ा ने कहा- छात्राओं की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। सिविल डिफेंस, फायर ब्रिगेड, पुलिस और पूरे स्टाफ का सहयोग सराहनीय रहा।

उन्होंने अभिभावकों और छात्राओं से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की।

कॉलेज प्रशासन ने कहा–भविष्य में ऐसी धमकी या अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नियमित मॉक ड्रिल, सुरक्षा प्रशिक्षण और साइबर निगरानी को और मजबूत किया जाएगा। छात्राओं, अभिभावकों और आमजन से अपील की गई है कि शांति बनाए रखें, संयम बरतें और सिर्फ आधिकारिक अपडेट पर विश्वास करें।

महिला से छीने गहने और नकदी वारदात का खुलासा

श्रीगंगानगर, (निसं)। मैरिज पैलेस के सामने से एक बुजुर्ग महिला के हाथ से पर्स छीनने की वारदात का खुलासा हो गया है। सदर पुलिस ने सेतिया फार्म गली नंबर 9 निवासी 25 वर्षीय साहिल तुली पुत्र सतपाल तुली को गिरफ्तार किया है। जांच अधिकारी एएसआई निहाल बिश्नोई ने बताया कि यह वारदात 14 अप्रैल को हनुमानगढ़ रोड के एक मैरिज पैलेस के सामने हुई थी। पीडि़ता वरिष्ठ नागरिक रामदेव कॉलोनी निवासी ललिता शर्मा ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था।

पीडिता ने बताया कि वह बारात के सबसे पीछे चल रही थी। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक आए और पर्स छीन कर भाग गए। छीने गए पर्स में 40 ग्राम सोने के गहने तथा 3500 रुपए की नगदी, एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड, चैक बुक आदि सामान था। जांच अधिकारी एएसआई बिश्नोई ने बताया कि आरोपी साहिल तुली चोरी और छीनाझपटी से ही अपना जीवन यापन करता है।

कॉज लिस्ट जारी होने से अधिवक्ताओं में भड़का आक्रोश

■ इस मुद्दे पर आगामी रणनीति तय करने के लिए आज दोपहर जोधपुर में वकीलों की एक आपात संयुक्त बैठक में स्वैच्छिक कार्य बहिष्कार के निर्णय लिया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा महीने के दो शनिवार को वर्किंग डे घोषित करने के निर्णय पर जोधपुर मुख्यपीठ में वकीलों और हाईकोर्ट प्रशासन के बीच टकराव बढ़ गया है। शनिवार के लिए कोर्ट प्रशासन द्वारा कॉज लिस्ट जारी करने के बाद वकीलों ने कड़ा विरोध जताया है। इस मुद्दे पर आगामी रणनीति तय करने के लिए आज दोपहर जोधपुर में वकीलों की एक आपात संयुक्त बैठक बुलाई गई। इसमें सर्वसम्मति से शनिवार को स्वैच्छिक कार्य बहिष्कार के निर्णय लिया गया है।

वकीलों के ताजा विवाद का कारण हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा शनिवार के लिए जारी की गई कॉज लिस्ट है। वकीलों का कहना है कि उन्होंने इस निर्णय का पहले भी विरोध किया था, जिसके बाद एक कमेटी गठित की गई थी। आरोप है कि कमेटी के निर्णय या रिपोर्ट को वकीलों के साथ साझा किए बिना प्रशासन ने एकतरफा तरीके से शनिवार को कोर्ट चालू रखने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जोधपुर मुख्यपीठ की दोनों वकील संगठनराजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन और राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से अपने सदस्य वकीलों के लिए सूचना जारी की। जिसमें शनिवार को कार्य दिवस घोषित किए जाने के विरोध स्वरूप और आगामी रणनीति तय करने के लिए दोनों एसोसिएशन की कार्यकारिणी की संयुक्त बैठक आज दोपहर आयोजित होना बताया।

राजस्थान हाईकोर्ट परिसर स्थित एडवोकेट्स चैम्बर्स के तृतीय तल पर एडवोकेट्स एसोसिएशन के सभागार में एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रंजीत जोशी, महासचिव डॉ. विजय चौधरी और लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप सिंह उदावत व महासचिव डॉ. अरुण कुमार झाझडिय़ा की मौजूदगी में इस मुद्दे पर मंथन किया गया।

फुल कोर्ट का निर्णयः पिछले साल 12 दिसंबर 2025 को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में निर्णय लिया गया था कि पेंडेंसी कम करने के लिए जनवरी 2026 से हर महीने के दो शनिवार को हाईकोर्ट में कामकाज होगा।

वकील इसे व्यावहारिक नहीं मानते हुए विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि शनिवार का दिन वकीलों के लिए केस तैयार करने और अन्य कार्यों के लिए होता है।

राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

छबड़ा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर स्टेशन, छबड़ा (राज.)

ऑनलाइन निविदा संख्याः 658 (RVU2526GLOB02073)

छबड़ा सुपरक्रिटिकल थर्मल पॉवर प्लांट की यूनिट संख्या 6 (660 MW) के बॉयलर में प्रेशर पार्ट हेतु Z-पैनल की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://eproc.rajasthan.gov.in** (ई–निविदा हेतु), **www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl** एवं **www.sppp.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/18348 RVUN/PR-4329 अति. मुख्य अभियन्ता (ओ. एण्ड एम.)

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005
Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. : F-8( ) RMSC/EPM/M-4/NIB-933/2025-26/1564 Dated :- 21/01/2026

CORRIGENDUM / ADDENDUM

Bid for item:
1. Deep Freezer, Fowler Bed, Stead Bed, Foot Step, Syringe Infusion Pump, Glucostrip & Pulse Oxymeter (Handheld),
2. White Box (Sharp Container), & Transport Trolley (Wheel Barrow) Reserve for MSE, Rajasthan Only

are invited from interested bidders up to Date: 09-02-2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the bid may be visited on Procurement portal website **https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in** or website **http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.**

UBN : MSC2526GLOB00056

Executive Director (EPM)
Rajasthan Medical Services Corporation

Raj.Samwad/C/25/18351

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड बून्दी

क्रमांक/अ.अ./जनस्वा/खबू/2026–26/2379–92 दिनांकः 13.01.2026

NIT NO-39/2025-26
(NIB Code PHE2526A5312)
NOTICE INVITING TENDERS THROUGH E-PROCUREMENT SYSTEM

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न कार्य की निविदायें ऑन लाईन आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in. पर देखी व डाउन लोड की जा सकती है। निर्धारित शुल्क, विस्तृत शर्तो तथा अन्य आवश्यक जानकारी हेतु विस्तृत निविदा www.dipr.rajasthan.gov.in, www.rajwater.gov.in तथा http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है:–

UBN No.	Availability of tender documents on Web Site	Date & time for online submission of Tender.	Date for physically submission of copy of E-Grass Challan of EMD, RISL, TF & Other Document	Date & Time for bid opening
PHE2526WSOB10864	21.01.2026 (10:00 AM) to 30.01.2026 (Upto 6.00 PM.)	21.01.2026 (10:00 AM) to 30.01.2026 (Upto 6.00 PM.)	02.02.2026 at 1.00PM	02.02.2026 at 3.00PM

(हरेन्द्र किराड़) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग खण्ड–बून्दी मो.नं.–9887227081

DIPR/C/1059/2026

AJMER VIDYUT VITRAN NIGAM LIMITED

Corporate Identification Number (CIN) – U40109RJ2000SGC016482 (Regd. Office: Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004) Office of The Superintending Engineer (MM) Vidyut Bhawan, Panchsheel Nagar, Makarwali Road, Ajmer-305004)

SHORT TERM / LONG TERM "E" TENDRING INVITING TENDER NOTICE

"E"- TENDERING ARE INVITED FOR Supply of 33 KV GI PIN TN-2076, 5.0 MVA 33/11 KV POWER T/F TN-2077, LT A.B. CABLE 1x25+25 Sq. MM TN-2078, H/W FOR 11 KV 45 KN B&S TYPE DISC INSULATOR, H/W FOR 11 KV 45 KN T&C TYPE DISC INSULATOR TN-2079, 33 KV PIN INSULATOR TN-2080, 315 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2081, 100 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2082, ISOLATING SWITCHES 33KV/800 A W/O EB, ISOLATING SWITCHES 11KV/400 A W/O EB TN-2083, 16 KVA SINGLE PHASE DIS. TRASFORMER TN-2084, 200/5 LT CT Bar Type, 100/5 LT CT Bar Type TN-2085,11 KV LINE D/P SET FABRICATED STEEL ITEMS, 11 KV S/S SET FABRICATED STEEL ITEMS TN-2086, LT SHACKLE INSULATORS, LT PIN INSULATOR TN-2087, H/W FOR LT SHACKLE INSULATORS TN-2088, 9 meter long 400 Kg PCC Poles TN-2089, PC 3 PHASE LT DISTRIBUTION BOX (10 WAY) TN-2090, Rate Contract for repair of BGP failed CT PT Set TN-2091, 3 Phase Meter With Box TN-2092, 63 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2093, 11 KV XLPE CABLES 185 SQ MM TN-2094, 11 KV HORN GAP FUSE Set With PI TN-2095, 33 KV S/S SET FABRICATED STEEL ITEMS, 33 KV LINE D/P SET FABRICATED STEEL ITEMS, 33 KV CROSS ARM FABRICATED STEEL ITEMS TN-2096, 100/5 0.5s class CT 15 VA PT 50 VA CT PT Set 33 KV, 50/5 0.5s class CT 15 VA PT 50 VA CT PT Set 33 KV, 30/5 0.5s class CT 15 VA PT 50 VA CT PT Set 33 KV TN-2097, LT PVC ARMOURED CABLE 4C X 16 Sq. MM, LT PVC ARMOURED CABLE 4C X 10 Sq. MM, LT PVC ARMOURED CABLE 4C X 6 Sq. MM TN-2098, Rate Contract for purchase of TC Fuse Wire TN-2099, 3.15 MVA 33/11 KV POWER T/F TN-2100, 25 KVA SINGLE PHASE DIS. TRASFORMER TN-2101, CONTROL CABLE 12Cx2.5 SQMM, CONTROL CABLE 2 Cx2.5 SQMM, CONTROL CABLE 4 Cx2.5 SQMM TN-2102, METER BOXES IRON HT TYPE, METER BOXES IRON MIP TYPE TN-2103, 33 KV CIRCUIT BREAKERS KIOSK O/D TN-2104, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx300 SQ MM, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx185 SQ MM, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx120 SQ MM, SINGLE CORE Unarmoured CABLE 1Cx70 SQ MM TN-2105, 500 KVA 11/0.4 KV DIST. T/F TN-2106, RABBIT ACSR CONDUCTOR TN-2107, 7/10 SWG G.I STAY WIRE, 7/8 SWG G.I STAY WIRE TN-2108, LT PVC ARMOURED CABLE 2 C X 4 SQ MM TN-2109, Rate Contract for purchase of Cable Jointing Kit TN-2110, Rate Contract for repair of BGP failed Power Transformers TN-2111, EMD and date of uploading /opening of tender and G.C.C. etc WILL be available at web site **www.avvnl.com & http://eproc.rajasthan.gov.in.**

Superintending Engineer (MM)
AVVNL, Ajmer

Raj.Samwad/C/25/18363

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

(Central Store)

No. : MBMU/OIC/2025-26/1341 Date :- 19/01/2026

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal **sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.**

1. Bids vide UBN No: MBM2526WSOB00081 Tender No.64/2025-26 for "Tender for Turnkey Execution of Audio-Visual Systems, Lighting, Video Wall, Air Conditioning, Civil, Flooring and Aluminium Partition Works for Auditorium in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹210.00 Lakh. rupees and last date of bid submission 09.02.2026, 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00082 Tender No.56/2025-26 for "Supply of Chemical and Glassware for Chemical Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹07.25 Lakhs and last date of bid submission 27.01.2026 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00084 Tender No.63/2025-26 for "Equipment's for ECE Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹32.00 Lakhs and last date of bid submission 30.01.2026 12:00 Noon.
4. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00085 Tender No.65/2025-26 for "Supply of Laptop and Printer for Architecture and Town Planning Department" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹04.00 Lakhs and last date of bid submission 27.01.2026 12:00 Noon.
5. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00083 Tender No.59/2025-26 for "Equipment for Mechanical Workshop for Mechanical Department" in MBM University, Jodhpur (UNDER PM USHA) with estimated amount ₹47.00 Lakhs and last date of bid submission 30.01.2026 12:00 Noon.
6. Bids vide UBN No: MBM2526GSLB00088 Limit Tender No.07/2025-26 for "65-inch Interactive Display" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹01.50 Lakhs and last date of bid submission 27.01.2026 12:00 Noon.
7. Bids vide UBN No: MBM2526SSLB00086 Limit Tender No.08/2025-26 for "Tent service provide for Organizing Nacho MBM 2025-26" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹01.50 Lakhs and last date of bid submission 26.01.2026 12:00 Noon.
8. Bids vide UBN No: MBM2526SSLB00087 Limit Tender No.09/2025-26 for "Sound service provide for Organizing Nacho MBM 2025-26" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹1.30 Lakhs and last date of bid submission 26.01.2026 12:00 Noon.
9. Bids vide UBN No: MBM2526GSLB00089 Limit Tender No.10/2025-26 for "Printing Work provide for Organizing Nacho MBM 2025-26" in MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹1.30 Lakhs and last date of bid submission 26.01.2026 12:00 Noon.

Raj.Samwad/C/25/18350 OIC-Central Store

कार्यालय नगर निगम अलवर (राजस्थान)

क्रमांकः ई–ऑक्शन/2026/15985 दिनांकः 19.01.2026

ई–ऑक्शन (विज्ञापन ठेके) विज्ञप्ति सं. 01/2025–26

नगर निगम अलवर द्वारा निगम क्षेत्राधिकार में सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न प्रकार के विज्ञापन ठेको की ई–नीलामी ई–ऑक्शन पोर्टल (https://lsgeauction.rajasthan.gov.in) पर निम्नानुसार किया जाना है: –

क्र. सं.	ठेके का नाम	विज्ञापन साईट संख्या	न्यूनतम बोली राशि (एक वर्ष के लिए)	ई–नीलामी अमानत राशि	ई–ऑक्शन पोर्टल पर अमानत व भागीदारी शुल्क जमा कराने की दिनांक व समय	ई–नीलामी बोली की दिनांक
1	DBOM आधार पर नगर निगम क्षेत्र में **यूनीपोल साईट्स सं. 10** पर विज्ञापन प्रदर्श ठेका (समयावधि – 5 वर्ष)	10	45,79,740 रूपये + नियमानुसार जीएसटी	1,50,000/–	21.01.2026 से 31.01.2026 सायं 06:00 तक	21.01.2026 से 31.01.2026 को सुबह 10:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
2	DBOM आधार पर नगर निगम क्षेत्र में **यूनीपोल साईट्स सं. 8** पर विज्ञापन प्रदर्श ठेका (समयावधि – 5 वर्ष)	8	9,43,759 रूपये + नियमानुसार जीएसटी	50,000/–	21.01.2026 से 31.01.2026 सायं 06:00 तक	21.01.2026 से 31.01.2026 को सुबह 10:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक
	प्रत्येक ठेके हेतु पृथक–पृथक ई–नीलामी भागीदारी शुल्क 2000/–रू देय होगा।					

1. इच्छुक बोली दाता ई–ऑक्शन पोर्टल पर पंजीयन कराकर विज्ञप्ति कार्यक्रम अनुसार ई–नीलामी मे भाग ले सकते है।
2. ई– नीलामी के अंतिम 05 मिनट में कोई बोली लगने पर ई–नीलामी समय अवधि में 15 मिनट की वृद्धि हो जायेगी।
3. ई–नीलामी की शर्तो व विज्ञापन साईटस की सूची का अवलोकन ऑनलाईन या किसी भी कार्यादिवस में नगर निगम के कार्यालय में किया जा सकता है।
4. ई–ऑक्शन कार्यक्रम, शर्ते, अमानत राशि, भागीदारी राशि तथा ई–नीलामी बिजनेस रूल्स आदि की जानकारी ई–नीलामी पार्टल/वेब साईट https://lsgeauction.rajasthan.gov.in तथा https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
5. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या अथवा जानकारी हेतु राजस्व शाखा में सम्पर्क करें।

आयुक्त

राज.संवाद/सी/25/18388

फायरिंग के आरोपी रवि मेहरा के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर

गंगापोल में पिछले दिनों फायरिंग की वारदात के बाद प्रशासन ने दिखाई सख्ती

जयपुर (कासं)। सुभाष चौक इलाके के गंगापोल में पिछले दिनों हुई फायरिंग की सनसनीखेज वारदात के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत बड़ी कार्रवाई की है।

फायरिंग के मुख्य आरोपी और कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा (25) के अवैध निर्माण को शुक्रवार को नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस जाब्ते के बीच बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई हवामहल-आमेर जोन के नगर निगम दस्ते द्वारा की गई। निगम प्रशासन ने बताया कि आरोपी ने मेहरा बस्ती स्थित अपने मकान के आगे सड़क सीमा में करीब सात फीट तक अतिक्रमण कर अवैध निर्माण कर रखा था। पूर्व में नोटिस जारी कर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए थे। परंतु पालन नहीं होने पर राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 के तहत यह कार्रवाई की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रवि मेहरा सुभाष चौक थाने का हिस्ट्रीशीटर है और हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहा है। 19 जनवरी की सुबह गंगापोल इलाके में रवि मेहरा अपने एक साथी के साथ बाइक पर आया था। उसने पड़ोसी युवक पर फायरिंग की थी। गोली युवक के चचेरे भाई को निशाना बनाकर चलाई गई थी। लेकिन निशाना चूकने पर गोली बबलू महावर (30) के पैर में लग गई। इसके बाद से आरोपी फरार है। आरोपित रवि मेहरा के खिलाफ पहले से ही कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उस पर ब्रह्मपुरी थाने में 15 और सुभाष चौक थाने में 11 मुकदमे दर्ज हैं। फायरिंग की घटना के बाद से पुलिस टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही हैं।

नगर निगम की हवामहल-आमेर जोन की टीम ने शुक्रवार को हिस्ट्रीशीटर रवि मेहरा के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया।

■ **नगर निगम ने पूर्व में दिया था अवैध निर्माण हटाने का नोटिस, शुक्रवार को कार्रवाई की**

पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे नगर निगम की टीम बुलडोजर और मशीनों के साथ गंगापोल पहुंची। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस की मौजूदगी में अवैध निर्माण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने साफ कहा कि शहर की कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों और अपराध को संरक्षण देने वाले अवैध निर्माणों पर ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई के बाद इलाके के बदमाशों में खौफ का माहौल है।

एम-पास और ई-जनसुनवाई से आमजन को राहत

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की सुशासन की संकल्पना को मूर्त रूप देते हुए जयपुर विकास प्राधिकरण ने "एम-पास और ई-जनसुनवाई" जैसी डिजिटल सुविधा शुरू की। इसका सीधा फायदा भी अब आमजन को मिल रहा है। बताया जा रहा है कि "एम-पास" से जेडीए में आमजन का प्रवेश सुगम हुआ है। अब तक 23 हजार 700 लोगों ने इसका फायदा लिया है। इसी प्रकार ई-जनसुनवाई में भी प्रतिदिन 500 से ज्यादा लोग अधिकारियों से डिजिटल माध्यम से रूबरू होकर अपनी समस्याएं बता रहे है।

जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन का कहना है कि जेडीए द्वारा शुरू की गई दो नवीन सेवाओं "एम-पास और ई-जनसुनवाई" ने न केवल प्राधिकरण में प्रवेश की प्रक्रिया को सरल बना दिया है, बल्कि नागरिकों की शिकायतों के घर बैठे निवारण का मार्ग भी प्रशस्त किया है। ई-पास सेवा से कतारों से मुक्ति और समय की बचत हुई है। जेडीए ने आगंतुकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन विजिटिंग पास (एम-पास) की सुविधा प्रारम्भ की है। इस नई व्यवस्था के तहत अब आगंतुक बिना कतार में लगे, अपने घर या कार्यालय से ही पास बनवा सकते है। इसके साथ्ज्ञ ही जो नागरिक ऑनलाइन पास बनाने में असमर्थ हैं, उनके लिए नागरिक सेवा केंद्र और पार्किंग बिल्डिंग में स्थित जन सुनवाई पंजीकरण केंद्र पर ऑफलाइन पास की सुविधा भी सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक उपलब्ध है।

बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के प्रबंधन पर हितधारकों की बैठक

प्रदेश में चाइल्ड हर्ट डिजीज रजिस्ट्री तथा टू-डी ईको सेवाओं का विस्तार किया जाएगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश में बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए चाइल्ड हर्ट डिजीज रजिस्ट्री स्थापित करने, रीजनल सीएचडी हब विकसित करने एवं टू-डी ईको सेवाओं का विस्तार करने सहित तकनीकी सुविधाओं को और सुदृढ करने के कदम उठाए जाएंगे। बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की पहचान, प्रबंधन, उपचार एवं नियमित फोलोअप विषय पर शुक्रवार को स्वास्थ्य भवन में हितधारकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में इस संबंध में चर्चा की गयी।

मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. अमित यादव ने बताया कि केन्द्र सरकार के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नवजात एवं बच्चों में हृदय रोग सहित अन्य रोगों के उपचार के प्रबंधन को लगातार मजबूत किया गया है। वर्ष 2024-25 में 468 जन्मजात हृदय रोगों से ग्रस्त बच्चों को दवाईयों से ईलाज किया गया एवं 355 बच्चों की सर्जरी कर उपचार किया गया। इसी प्रकार 2025-26 में दिसम्बर तक 262 बच्चों को दवाईयों एवं 304 को सर्जरी सेवाएं प्रदान की गयी। इससे बड़ी संख्या में जटिल रोगों से ग्रस्त बच्चों की जीवन बचाना संभव हुआ है। उन्होंने बताया कि हाल ही जेके लोन अस्पताल में आरबीएसके के माध्यम से 20 करोड़ की लागत से सीवीटीएस सर्जरी ईकाई प्रारम्भ की गयी है। जिसमें हृदय रोगों के उपचार के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधाएं उपलब्ध हैं। प्रदेश के अन्य अस्पतालों में भी ऐसी सुविधाएं विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

स्वास्थ्य भवन में शुक्रवार को हितधारकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों ने चर्चा की।

अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला ने कहा कि बच्चों में हर्ट संबंधी जन्मजात विकृति की शीघ्र पहचान एवं रेफरल-उपचार सेवाओं की सुदढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बच्चों को जन्मजात हृदय रोगों से बचाने और समय पर उपचार के लिए सभी हितधारकों के साथ मिलकर समन्वित प्रयास किए जाने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक में बच्चों में हृदय रोग की शीघ्र पहचान एवं उपचार के लिए कार्यरत संस्था चिल्ड्रन हर्ट लिंक के भारत एवं यूएसए के प्रतिनिधियों ने केरल सहित दुनिया के विभिन्न देशों में चाइल्ड हर्ट डिजीज स्क्रीनिंग एवं रेफरल मॉडल के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की। संस्था की प्रतिनिधि बिस्त्रा झेलेवा ने विभिन्न देशों के अनुभव साझा किए। उन्होंने राजस्थान में बच्चों में जन्मजात हृदय रोगों की देखभाल के लिए पॉपुलेशन आधारित एप्रोच के साथ काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही इस संबंध में विजन 2040 के बारे में भी बताया।

संस्था की इंडिया में प्रतिनिधि वीरालक्ष्मी राजशेखर ने संस्था के द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। साथ ही डॉ. किशन कुमार एवं डॉ श्रीहारी माधवकुट्टी नायर ने केरल में शिशु स्वास्थ्य के परिदृश्य एवं चिल्ड्रन हर्ट लिंक के साथ अपनाए गए मॉडल के बारे में विस्तार से बताया।

परियोजना निदेशक बाल स्वास्थ्य एव आरबीएसके डॉ. प्रदीप चौधरी ने राजस्थान में बच्चों में जन्मजात हृदय रोग के वर्तमान परिदृश्य एवं राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इनकी शीघ्र पहचान, रेफरल और उपचार के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में निदेशक आरसीएच डॉ. मधु रतेश्वर, यूनिसेफ, निपी सहित विभिन्न डवलमेंट पार्टनर्स के प्रतिनिगण उपस्थित रहे। सभी जोन के संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी मौजूद थे।

'पडौसी की ब्लैकमेलिंग से तंग आकर महिला ने की खुदकुशी'

जयपुर (कासं)। सांगानेर इलाके में एक महिला ने पडौसी की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर रस्सी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। काफी देर तक जब महिला अपने कमरे से बाहर नहीं निकली तो परिजनों ने दरवाजा खटखटाया। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर धक्का देकर गेट खोला तो महिला रस्सी के फंदे से झूलती मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जे में लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस ने परिजनों के बयानों के आधार पर पडौसी युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज कर जांच शुरु की।

एएसआई नरेश कुमार ने बताया की सांगानेर की रहने वाली सुमन चौधरी (37) तरुछाया नगर निवासी ने वर्षीय पड़ोसी की ब्लेकमेलिंग से परेशान होकर रस्सी के फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

बताया जा रहा है कि 15 जनवरी को परिवार के सदस्य बाहर गए थे। पीछे से दोपहर करीब 12 बजे महिला ने अपने कमरे में प्लास्टिक की रस्सी का फंदा बनाया और उससे लटककर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद परिजन घर पहुंचे तो दरवाजा बंद मिला। काफी प्रयास करने के बाद परिजनों ने धक्का देकर दरवाजा खोला। तो महिला लटकी हुई मिली।

■ **मृतका के परिजनों के बयान के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुटी**

परिजनों की सूचनरा पर मौके पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से सबूत जुटाकर शव को फंदे से उतारा। मौके पर तलाशी के दौरान पुलिस को मृतका के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ। वही इस मामले में 22 जनवरी को परिजनों ने पड़ोसी युवक पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक महिला को ब्लैकमेल कर रहा था तो आरोपी ने करीब 5 लाख से ज्यादा कैश और सोने के गहने भी हड़प लिए।

आचार्य प्रज्ञासागर की मौजूदगी में गौशाला के लिए भूमि पूजन

जयपुर (कासं)। जैन मुनि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का सहसंग मंगल आगमन शुक्रवार को निवान कृषि फ़ार्म, श्री जयदेवपुरा चाकसू में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति व उल्लासपूर्ण के वातावरण में सम्पन्न हुआ। आचार्यश्री के आगमन पर श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान आचार्यश्री की प्रेरणा एवं सान्निध्य में नए गौशाला निर्माण के लिए भूमिपूजन का भी शुभारंभ किया गया। यह भूमिपूजन ग्राम निमोडिया में धन कुमार एवं पुनीत कुमार पांड्या परिवार दुर्गापुरा निवासी द्वारा श्रद्धा एवं भक्ति भाव से कराया गया। इस अवसर पर आचार्यश्री के चतुर्थ आचार्य पदारोहण दिवस के उपलक्ष्य में कलशाभिषेक एवं शांति धारा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया।

आचार्य श्री ने अपने प्रवचनों में गौ सेवा, अहिंसा, करुणा और धार्मिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष बल देते हुए समाज को सेवा एवं सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा मानव जीवन को पुण्य और शांति प्रदान करने का श्रेष्ठ माध्यम है। पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और समाजजनों में अपार उत्साह देखने को मिला। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय जैन समाज एवं श्रद्धालुओं का सराहनीय योगदान रहा।

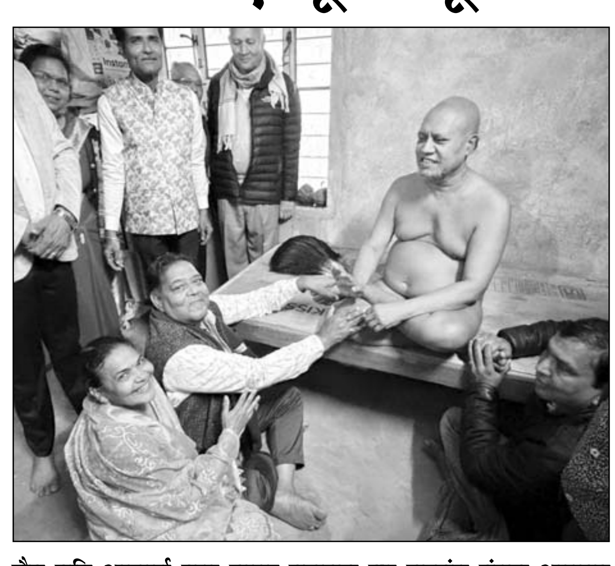
जैन मुनि आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज का सहसंग मंगल आगमन शुक्रवार को निवान कृषि फ़ार्म, श्री जयदेवपुरा चाकसू में हुआ।

हनुमान चालीसा व 151 दीपों से आरती

जयपुर । टीम 39 जहां चाह वहां राह जन कल्याण ट्रस्ट द्वारा श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य में 20 दुकान, नेहरू नगर, गली नंबर 2, पानीपेच पर श्री रामलला की आरती कार्यक्रम का आयोजन किया गया । टीम 39 प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी व मीडिया प्रभारी मनीष केडिया ने बताया कि कार्यक्रम में रामलला का अदभुत दरबार सजाया गया। सर्वप्रथम श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ एवं उसके पश्चात 151 दीपों से भगवान की आरती की गई । एवं प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में राम प्रकाश शर्मा, मुकेश अग्रवाल, तारा चंद गोयल, सुनील अग्रवाल,राम शरण दुसाद, ललित अग्रवाल, होती, रहीस भाई, घनश्याम शर्मा मौजूद थे।

सार-समाचार

पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव का आगाज

जयपुर । "प्रिंसेस दिया कुमारी फाउंडेशन की महिला कारीगर हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। जब महिलाओं को सही मंच, सहयोग और साधन उपलब्ध कराएं जाएं, तभी उनके जीवन और समाज में बदलाव लाया जा सकता है। इस आयोजन के माध्यम से हमारा उद्देश्य दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना है, जिसमें महिला कारीगरों को केवल निर्माता की भूमिका तक सीमित न रखते हुए, उन्हें एक उद्यमी और मार्केटर के रूप में स्थापित करना है।" यह बात प्रिंसेस दिया कुमारी फ़ाउंडेशन की जनरल सेक्रेटरी, जयपुर की प्रिंसेस गौरवी कुमारी ने सिटी पैलेस में पीडीकेएफ आर्टिजंस कलेक्टिव के दूसरे संस्करण के उद्घाटन सत्र में संबोधन के दौरान कही। यह आयोजन 25 जनवरी 2026 तक जयपुर के प्रतिष्ठित सिटी पैलेस में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक चलने वाले इस कलेक्टिव में देश के 20 से अधिक राज्यों से 70 से अधिक महिला कारीगर भाग ले रही हैं, जिनकी 40 से अधिक शिल्प विधाओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। आगंतुक लाइव डेमोंस्ट्रेशन, कार्यशालाओं, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नाइट बाज़ार के माध्यम से भारत की शिल्प परंपराओं का करीब से अनुभव कर सकेंगे।

बच्चों के साथ मनाई बसन्त पंचमी

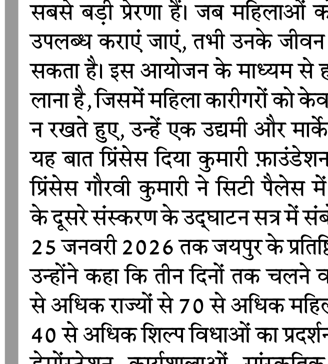

जयपुर । कला मंज़र सोसाइटी ने अपने हैंड्स टुगेदर अभियान के अंतर्गत, रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर और नन्हे कदम सोसाइटी के सहयोग से समावेशी बसंत उत्सव -2026 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विशेष बच्चों एवं सामान्य बच्चों ने एक साथ सहभागिता की। इस उत्सव का उद्देश्य दिव्यांगता के प्रति समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना तथा समाज में स्वीकृति की भावना को प्रोत्साहित करना था। दीप प्रज्वलन व सरस्वती पूजन के साथ उत्सव का शुभारंभ हुआ और बच्चों ने सरस्वती वंदना व गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत कर बसन्त ऋतु का स्वागत किया। उत्सव में मुख्य अतिथि अशोक परनामी, अति विशिष्ट अतिथि शताब्दी अवस्थी (अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलीट स्टेट आइकन, राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग) विशेष अतिथि अजय गर्ग (वरिष्ठ मिनिएचर कलाकार) एवं प्रतिमा पटनायक (वरिष्ठ चित्रकार, नृत्यांगना) ने शामिल होकर उत्सव की शोभा बढ़ाई। रोटरी क्लब जयपुर बापू नगर की अध्यक्ष मीता माथुर और कला मंज़र संस्था की संस्थापिका मीनाक्षी माथुर ने बताया कि उत्सव में कुल 14 संस्थाओं, विद्यालयों व यूनिवर्सिटी ने भाग लिया।

बच्चों को शैक्षिणक सामग्री वितरित

जयपुर । समाज सेवा एवं मानवीय मूल्यों को सुदृढ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए अक्षत भार्गव एवं शौर्य भार्गव के हितार्थ सामाजिक सरोकार के कार्य किए गए। रतन भार्गव द्वारा जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए गए, जिससे बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिला। वहीं रविन्द्र नाथ भार्गव एवं साधना भार्गव के साथ डॉ. श्वेता भार्गव ने बच्चों को भोजन परोसकर पठनीय सामग्री वितरित की। कार्यक्रम आयोजन में डॉ. ओपी टांक, माया बड़ौदरा, गजानंद खींची, अरूण गागोलिया का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के चेहरों पर प्रसन्नता और उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। उपस्थित जनसमूह ने इस सराहनीय पहल की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। कार्यक्रम का समापन बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना एवं निरंतर सामाजिक सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

जयपुर में स्पा संचालकों के लिए नई शर्तें लागू

जयपुर । गुलाबी नगरी में बढ़ते स्पा और मसाज सेंटरों की आड़ में चल रही अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जयपुर पुलिस आयुक्तालय ने सख्त कदम उठाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) योगेश दाधीच ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत नए आदेश जारी किए हैं । यह आदेश 26 जनवरी 2026 से प्रभावी होकर 26 मार्च 2026 तक लागू रहेंगे ।

पारदर्शिता के लिए बंद दरवाजों पर रोक

नए नियमों के मुताबिक, अब स्पा सेंटर में सेवाएं बंद दरवाजों के पीछे नहीं दी जा सकेंगी। कक्षों के दरवाजों में कुंडी या बोल्ट लगाना वर्जित होगा और केवल स्वत: खुलने या बंद होने वाले दरवाजों का ही प्रावधान रखना होगा। इसके साथ ही, महिला और पुरुष स्पा सेंटरों के लिए अलग-अलग खण्ड और अलग प्रवेश द्वार होना अनिवार्य कर दिया गया है।

बिना वैरिफिकेशन नहीं होगा चयन

स्पा संचालकों के लिए अब कर्मचारियों का चयन करना आसान नहीं होगा। आदेश के अनुसार प्रत्येक कर्मचारी के लिए पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट अनिवार्य है । किसी भी ऐसे व्यक्ति को रोजगार नहीं दिया जाएगा, जिस पर अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम या पॉक्सो (पॉक्सो) एक्ट के तहत कोई मामला दर्ज हो। सभी कर्मचारियों की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए और उनके पास मान्यता प्राप्त संस्थान से व्यावसायिक डिप्लोमा होना आवश्यक है ।

ग्राहक हैल्पलाइन और आईडी जरूरी

स्पा आने वाले प्रत्येक ग्राहक को अपना पहचान पत्र देना होगा और संचालक को उनका मोबाइल नंबर व आईडी रिकॉर्ड में दर्ज करना होगा । रिसेप्शन पर हिंदी और अंग्रेजी में डिस्प्ले बोर्ड लगाना होगा, जिस पर हेल्पलाइन नंबर 112 और 181 स्पष्ट रूप से अंकित होने चाहिए ।

पुलिस ने साफ किया है कि इन आदेशों का उल्लंघन करने वाले संचालकों और प्रबंधकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी । जयपुर के सभी थाना अधिकारियों को इन नियमों की पालना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जेडीए में एक ही जगह मिलेगी सभी प्रमाणित प्रतियां

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण में अब सभी प्रमाणित प्रतियां एक ही जगह पर आमजन को मुहैया होंगी। इसके लिए सिंगल विंडो व्यवस्था शुक्रवार से शुरू की गई है। इस पहल से नागरिकों को बेवजह चक्कर नहीं लगाने पडेंगे।

सिंगल विंडो प्रणाली लागू होने से आवेदकों के विभिन्न सीटों पर लगने वाले अनावश्यक चक्कर कम होंगे, जिससे उनके समय की बचत होगी और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता आएगी। प्राधिकरण के सभी ज़ोन और अनुभागों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे तैयार प्रमाणित प्रतियों को समयबद्ध रूप से नागरिक सेवा केंद्र स्थित पट्टा वितरण काउंटर पर प्रेषित करना सुनिश्चित करें, ताकि आवेदकों को रियल टाइम में सेवा मिल सके। जेडीसी द्वारा सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस व्यवस्था को तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं, ताकि नागरिकों को इसका वास्तविक लाभ मिल सके और उनके सेवा अनुभव में गुणात्मक सुधार होगा।

भ्रष्टाचार के अड्डे में तब्दील हुआ टी.बी. हॉस्पिटल : खंडेलवाल

'जांच समिति गठित, नोटिस जारी; फिर भी स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी क्यों?'

जयपुर । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव गिरिराज खंडेलवाल ने टीबी हॉस्पिटल शास्त्री नगर, जयपुर में तैनात असिस्टेंट अकाउंट अफ़सर विनोद गुप्ता के खिलाफ लगाए गए गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों पर अब प्रशासनिक स्तर पर संज्ञान लिए जाने को बड़ा घटनाक्रम बताया है। गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि उनके द्वारा की गई शिकायत के बाद सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पताल प्रशासन ने विधिवत जांच समिति गठित कर नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्हें साक्ष्य सहित उपस्थित होने के लिए बुलाया गया है। यह स्वयं इस बात का प्रमाण है कि लगाए गए आरोप मनगढ़ंत नहीं बल्कि गंभीर और तथ्यात्मक है। खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि विनोद गुप्ता द्वारा खुलेआम रिश्वत की मांग,महीनों तक बिल रोककर रखना, बिल क्लियर होने के बाद भी जानबूझकर भुगतान अटकाना और बिल पास कराने के नाम पर लगातार पैसों की डिमांड एक संगठित भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है।

गिरिराज खंडेलवाल ने कहा कि यह केवल आरोप नहीं हैं, बल्कि अब प्रशासन द्वारा गठित जांच समिति और जारी किया गया आधिकारिक पत्र इस पूरे घोटाले की गंभीरता को उजागर करता है। खंडेलवाल ने टैंडर घोटाले को लेकर कहा कि कई टैंडर फर्जी व नियम-विरुद्ध तरीके से आवंटित किए गए। एक टैंडर ऑनलाइन डोमेन में होने के बावजूद दस्तावेज़ों में गंभीर खामियां होने के बाद भी पास कर दिया गया, जो साफ़ तौर पर मिलीभगत और भ्रष्टाचार का प्रमाण है।

मधुमक्खी पालन से किसानों की आय बढ़ने की संभावनाएं : मंजू राजपाल

जयपुर (कासं)। प्रदेश में मधुमक्खी पालन को एक लाभकारी, टिकाऊ एवं रोजगारोन्मुख कृषि व्यवसाय के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कृषि प्रबंध संस्थान दुर्गापुरा, जयपुर में शुक्रवार से दो दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार का शुभारंभ किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने की।

अपने उद्घाटन संबोधन में राजपाल ने कहा कि मधुमक्खी पालन किसानों की आय वृद्धि का एक प्रभावी माध्यम बन सकता है। शहद, मधुमोम, रॉयल जेली, परागकण एवं प्रोपोलिस जैसे उच्च मूल्य वाले मधुमक्खी उत्पाद न केवल पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी व्यापक मांग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका लाभ किसानों एवं युवाओं को अवश्य लेना चाहिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि मधुमक्खी पालन पर्यावरण संरक्षण एवं फसल उत्पादकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों तथा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को इस क्षेत्र से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय मधुमक्खी पालन सेमिनार को संबोधित किया।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा भरतपुर एवं टोंक जिलों में मधुमक्खी पालन के उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे मधुमक्खी पालकों को वैज्ञानिक तकनीक, तकनीकी प्रशिक्षण तथा विभिन्न समस्याओं के समाधान में सहायता मिलेगी। उन्होंने लोगों को मधुमक्खी उत्पादों के लाभों के प्रति अधिक से अधिक जागरूक करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

राजपाल ने कहा कि राजस्थान, सरसों उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है, जबकि शहद उत्पादन में पांचवें स्थान पर है। यदि मधुमक्खी पालक और किसान आपसी समन्वय से कार्य करें, तो प्रदेश शहद उत्पादन में भी अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल हो सकता है। उन्होंने सभी मधुमक्खी पालकों से 'मधु क्रांति पोर्टल' पर पंजीकरण कराने का आव्हान किया। सेमिनार के दौरान विशेषज्ञों ने मधुमक्खी पालन की आधुनिक तकनीकों, शहद एवं अन्य उत्पादों के मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता नियंत्रण, विपणन रणनीतियों तथा निर्यात संभावनाओं पर विस्तार से जानकारी दी। तकनीकी सत्रों में मधुमक्खी रोग प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, आधुनिक बॉक्स प्रणाली, शहद प्रसंस्करण एवं ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। इस राज्य स्तरीय सेमिनार में कृषि वैज्ञानिकों, मधुमक्खी पालकों, प्रगतिशील किसानों, उद्यिमयों एवं विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया।

Celebrating National Peanut Butter Day

National Peanut Butter Day, celebrated annually on January 24, honours one of the world's most beloved spreads. From creamy to crunchy, peanut butter has delighted taste buds for over a century, featuring in sandwiches, desserts, and snacks across generations. Beyond its irresistible flavour, it's packed with protein, healthy fats, and essential nutrients, making it a versatile kitchen staple. The day encourages fans to explore creative recipes, share their favourite peanut butter treats, and appreciate the simple joy it brings to meals. Whether spread on toast, stirred into smoothies, or baked into cookies, peanut butter remains a timeless comfort food.

#IMMIGRATION

Why So Many Germans Came to America?

Unlike other immigrant groups that came to America seeking fame or fortune, the Germans came for something more fundamental, land, opportunity, and safety

The mass migration of Germans to America is often reduced to mere footnotes in history books, overshadowed by other waves of immigration. However, the story of why so many Germans sought refuge in the New World is one of survival, freedom, and an enduring drive to rebuild lives from scratch. Unlike other immigrant groups that came to America seeking fame or fortune, the Germans came for something more fundamental, land, opportunity, and safety.

The First Wave: Seeking Freedom in the 1700s

In the early 1700s, Germany was not the unified nation we know today. Instead, it was a fragmented land full of religious persecution, war, and political strife under the rule of the Holy Roman Empire. Entire families, farmers, and craftsmen were living in the shadow of poverty and constant warfare, with no sense of hope on the horizon.

As opportunities dwindled, many Germans saw America as a land of promise. It wasn't the gold rush or the allure of fame that attracted them, but the dream of a new beginning. Seeking freedom from religious restrictions, military conscription, and economic hardships, they packed their belongings, bid farewell to their homeland, and set sail across the Atlantic Ocean.

Pennsylvania became their beacon of hope. The region's fertile soil and welcoming policies made it an ideal destination for settlers, and it wasn't long before the first communities of German immigrants began to take root.

These immigrants, known as the Pennsylvania Dutch, established themselves as hard-working farmers and skilled craftsmen. They built barns, homesteads, and entire towns from nothing, bringing their European traditions, strong work ethic, and commitment to family with them.

A Second Wave: Political Refugees After 1848

Fast forward to 1848, a year marked by failed revolutions and political upheaval in Germany. The revolutions aimed at establishing democratic systems were crushed, leaving many Germans disillusioned and fearful for their futures. Faced with political repression and economic instability, another massive wave of Germans fled their homeland, this time not just for land but for the freedom to express their political and social beliefs. This new wave was made up of intellectuals, teachers, writers, and political thinkers. They weren't just farmers trying to escape hardship; they were revolutionaries seeking democracy and justice at a time when Europe was struggling under monarchies and autocratic regimes.

Their contributions to the U.S. were profound. These German immigrants carried with them a belief in education, democracy, and progress, values that would later be woven into the fabric of American society.

Germans Shaped the American Landscape

By the early 1900s, Germans had become the largest immigrant group in U.S. history. Their impact was felt far beyond agriculture and craftsmanship. They introduced important cultural practices that have since become deeply embedded in American society. The Germans brought beer brewing, transforming the U.S. into a nation known for its brewing culture. They also popularized the Christmas tree tradition, something we now associate with American holiday celebrations.

The concept of kindergarten, which focused on early childhood education, was introduced by German immigrants and became a cornerstone of American educational systems. The German dedication to order, education, and family values helped shape the nation's identity in ways that continue to be evident today.

The Blueprint of America: Immigrants Who Built the Nation

When we talk about America being built by immigrants, the German community's contribution cannot be overlooked. These immigrants came with the determination to build something lasting and meaningful. They found ways to thrive, even in the face of adversity, and in doing so, helped lay the foundation for a stronger, more prosperous nation. So, when people ask if German immigrants shaped America more than anyone realizes, the answer is clear: They played an essential role in shaping American culture, economy, and values. From the Pennsylvania Dutch to the political refugees of 1848, the Germans helped to mold America into the land of opportunity that we know today.

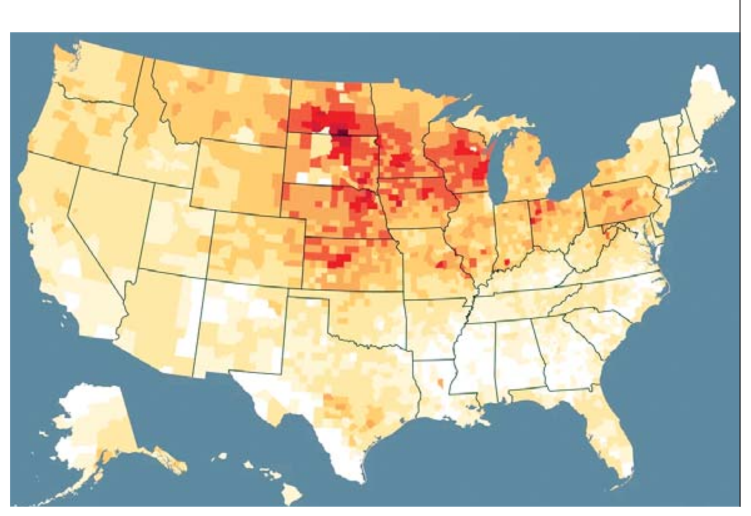

Battle of Dograi.

When Wars Were Fought Close To Hand

Battle of Phillora.

In contrast to Dograi's offensive thrust, Khem Karan was a defensive stand of immense strategic value. Across the fields of Punjab, Pakistan unleashed its boldest Armoured thrust. But the Indian Army cut it down, halting the advance and leaving the countryside littered with burnt-out Pattons transforming the sugarcane fields around Asal Uttar into the 'Graveyard of Pattons.' Pakistan's plan was to break through towards Amritsar, cut the Grand Trunk Road, and possibly reach the Beas. The axis chosen was through Khemkaran, a small-town South-East of Amritsar. For this, Pakistan had concentrated its newly raised 1 Armoured Division under Maj Gen Nasir Ahmed Khan.

Battle of Phillora.

#1965 WAR

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

The Indo-Pakistan War of 1965 was a defining moment in the post-independence history of the Indian Army, which witnessed some of the most intense and strategically significant engagements. Following Pakistan's audacious Operation Gibraltar and its subsequent attempt under Operation Grand Slam to capture Chhamb and sever the lines of communication to Rajouri, the Indian Army responded with carefully planned counteroffensives aimed at safeguarding territorial integrity and securing advantageous positions for potential post-conflict negotiations.

This phase, which saw Operation Riddle being launched by 11 Corps under Lieutenant General JS Dhillon and Operation Nepal by the newly raised I Corps under Lieutenant General PO Dunn, culminated in a ceasefire on 23 September by which time the Indian troops were knocking at the doors of Sialkot and Lahore, but more importantly, Pakistan's war waging potential had been degraded. Major battles such as Dograi, Khemkaran, and Phillora exemplify the interplay of tactical foresight, operational innovation, and sheer valour that defined India's response.

The Battle of Dograi

Dograi, a small village, of immense importance, lies astride the Grand Trunk Road only twelve kilometres from Lahore. Control of Dograi meant control of the Ichhogil Canal crossing. More than that, it meant India could threaten Pakistan's most important city. The Battle of Dograi was not a single action but a drawn-out contest over seventeen days on the Lahore front, fought across canals, villages, and open fields. The canal itself was no ordinary ditch. It ran parallel to the border, a man-made obstacle almost fifty metres wide and up to seven metres deep, with raised embankments and fortified firing positions. Pakistan had built it as a shield for Lahore. In Indian eyes, it was a challenge that had to be crossed to gain tactical advantage and psychological leverage.

When India decided to launch an offensive across the International Boundary on the night of 06/07 September, 15 Infantry Division under Maj Gen Niranjan Prasad was tasked to advance on the Lahore axis. Its main strike force was 54 Infantry Brigade, commanded by Brigadier MS Rikh. Incidentally, both had fought the 1962 War in the Tawang Sector when General Nirinjan Prasad had been removed from command of 4 Infantry Division and then Lieutenant Colonel MS Rikh, while commanding 2 RAJPUT, was taken as a prisoner of war at Thagla Ridge.

The attack spearhead was 3 JAT, led by Lieutenant Colonel Desmond Hayde. At the first light on 06 September after sharp fighting, they seized Dial village and without pause, they pushed on towards the Ichhogil Canal.

Though the GT Road bridge had been demolished, but the brave Jats clambered across broken masonry to reach the far bank. However, the two Companies, deployed on either side of the road, were soon counter-attacked by Pakistani infantry and armour. Pakistani air also played havoc. A Squadron of Shermans supported the Pakistani counter-attack. The JATS had no heavy anti-tank weapons in place and reinforcements were not forthcoming.

They were ably supported by a Troop of tanks of Scinde Horse led by Lieutenant Brijendra Singh who even engaged enemy tanks across the obstacle and provided covering fire from the Eastern bank. Despite this, one Company reached as far as Batapore. The Battalion held grimly under artillery and air attack, and inspite of heavy losses, the troops did not waver.

However, by the afternoon, ammunition began to run out, and resupply was impossible under air and artillery fire. For nearly twenty-four hours, the Battalion clung on against mounting odds, with no support and mounting casualties. On 07 September, the Jats were pulled back, bitter but intact. The first battle of Dograi had shown what bold infantry could achieve. Lieutenant Colonel Hayde's troops had surmounted against impossible odds and seized the far bank, and had even established a toehold inside Dograi. But unless success is exploited, it is unsustainable.

After the first attempt had failed, 15 Infantry Division fought a battle of attrition inside Pakistan territory for the next ten days and waited for an opportunity to capture Dograi again. The responsibility fell once more to 54 Infantry Brigade, now under Brigadier Nirinjan Singh, while Major General Mohinder Singh replaced Major General Nirinjan Prasad. The assault would now be two-phased. First, 13 PUNJAB was to secure Mile 13 on the Grand Trunk Road, opening the axis to the canal. 3 JAT once again became the lead Battalion and would then capture Dograi. Armour and artillery support were earmarked to prevent a repeat of the earlier failure. However, intelligence reports showed that Pakistanis had reinforced the defences substantially with troops, pillboxes, wire obstacles and mines.

On the evening of 21 September, 13 PUNJAB moved forward. They faced well-prepared Pakistani defences, with machine-guns sited along the road and heavy mortars covering the approaches. Fighting was intense but they pressed on, closing with the bunkers. At first light, Scinde Horse tanks moved with them. By 0700 hours, Mile 13 was secured. 13 PUNJAB lost thirty-one killed and over a hundred wounded. But the path was cleared for 3 JAT.

During the night of 21/22 September, 3 JAT began advancing silently through minefields and waterlogged ground. Close to midnight, the assault began. D Company stormed the North East flank of the village. They moved through trenches, clearing one bunker after another.

The fighting was brutal. Pakistani defenders resisted fiercely. Mortars and recoilless rifles poured fire into the attackers. Indian troops answered with bayonet charges and grenades. By 0530 hours on 22 September, Dograi was in Indian hands, but counter-attacks began almost immediately. Tanks from 23 Cavalry pushed forward, only to be beaten back by Indian anti-tank teams and supporting armour. Pakistani artillery shelled the village continuously, yet the Jats refused to yield ground.

For two days, the struggle raged. House by house, street by street, Dograi was cleared and held. By 23 September, resistance had collapsed. Indian troops had captured more than a hundred prisoners. The Ichhogil line had been breached.

Battle of Dograi.

Battle of Khemkaran.

3 JAT paid heavily: 58 men killed, including four officers, and 157 wounded. The Battalion had been successful not once but twice and its determination and courage remain firmly entrenched in India's rich military history. For his leadership, Lieutenant Colonel Desmond Hayde was awarded the *Maha Vir Chakra*.

The Battle of Khem Karan

In contrast to Dograi's offensive thrust, Khem Karan was a defensive stand of immense strategic value. Across the fields of Punjab, Pakistan unleashed its boldest Armoured thrust. But the Indian Army cut it down, halting the advance and leaving the countryside littered with burnt-out Pattons transforming the sugarcane fields around Asal Uttar into the 'Graveyard of Pattons.' Pakistan's plan was to break through towards Amritsar, cut the Grand Trunk Road, and possibly reach the Beas. The axis chosen was through Khemkaran, a small-town South-East of Amritsar. For this, Pakistan had concentrated its newly raised 1 Armoured Division under Maj Gen Nasir Ahmed Khan.

4 Mountain Division under Major General Gurbaksh Singh was positioned in this Sector, it had been tasked to advance along the Khem Karan-Kasur road. While 7 Infantry Division under Major General (later Lieutenant General) HK Sibal, responsible for the defence of Ferozpur, was tasked to capture Barki.

Pakistan had planned an offensive in this area with a view to get behind our defences and seize the bridge at Beas and cut off Amritsar. On 06 September, Pakistani 11 Infantry Division under Major General Abdul Hamid Khan pushed forward, aiming to secure Khem Karan as the springboard for launch of its 1 Armoured Division under Major General Naseer Ahmed Khan. 4 Mountain Division initially held positions forward of Khem Karan, but the pressure was mounting. However, Indian units kept fighting the enemy and bought time. Khem Karan town fell by 08 September making Pakistan believe that the road to Amritsar lay open. What they did not see was a trap forming.

Generals Harbaksh Singh and Gurbaksh Singh had decided to fall back into a defensive box at Asal Uttar, just North of Khem Karan rather than fight in the open. The box-shaped deployment placed infantry on three sides, anti-tank weapons hidden in sugarcane fields, and artillery batteries covering every likely approach. Engineers breached canals and flooded fields to bog down enemy tanks.

By the night of 08 September, 4 Mountain Division had pulled back and occupied the Asal Uttar position. 7 Infantry Brigade held the Northern and Western faces. 62 Infantry Brigade guarded the Eastern flank. In reserve, 2 (Independent) Armoured Brigade under Brigadier TK Theograj with Deccan Horse, 8 Cavalry and 3 Cavalry, its Centurion tanks, waited to strike. Theograj had planned his deployment in a manner to break the backbone of the enemy offensive, the timing of occupation and locations occupied were both critical to success and it was a plan brilliantly executed.

Pakistan's 5 Armoured Brigade rolled forward, confident of its rapid success. At first, momentum carried them forward. But as the Pattons rolled into the Asal Uttar box, the ground betrayed them. Heavy tanks sank into the soft, waterlogged fields. Tracks bogged down. Visibility was poor and columns bunched up on narrow causeways.

On 09 September, Pakistan's 4 Armoured Brigade was tasked to breakout and attacked 18 Rajputana Rifles position (with two Patton Regiments), utilising moonlight and infrared equipment. But even after making a breakthrough, the Pattons were unable to get past the defences of 4 GRENADIERS commanded by Lieutenant Colonel Farhat Bhatty and were forced to withdraw.

The Pakistanis made another attempt during the night. But own troops held on and medium artillery and tanks, positioned in forward, defended localities and punished them severely. In this encounter Lieutenant Colonel Raghuvir Singh, Commanding Officer of the Battalion, acted boldly and accounted for a good number of Pakistani tanks. He was awarded the Maha Vir Chakra for exceptional bravery and leadership.

Indian gunners waited and fired from concealed positions, anti-tank guns fired over open sights, artillery rained shells and Pakistani tanks erupted in flames, one after another. Indian Centurions of 3 Cavalry engaged the Pattons at ranges as close as 500 metres. The Centurion, though an older design, had a powerful gun that could penetrate Patton armour. Manoeuvring with skill, Indian tank crews outflanked and ambushed the heavier Pattons. Deccan Horse also joined the action on 09 September and its tank crews methodically destroyed wave after wave of enemy armour. Pakistani attacks were unsupported by adequate infantry or artillery. The more they pressed, the more they lost.

By 10 September, the Pakistani offensive had stalled. Their counterattacks to break the defensive box failed with heavy losses. On 11 September, it was clear that Pakistan's Armoured Division had been decisively checked.

The aftermath was stark. Pakistan lost nearly 100 tanks destroyed or abandoned, many captured intact. The sugarcane fields around Asal Uttar were littered with wrecks. Indian losses were modest compared to the devastation inflicted on the enemy.

The failure at Khem Karan crippled Pakistan's ability to sustain offensive operations in Punjab. For India, the battle was more than just a defensive success. It was a defining moment that showcased tactical flexibility, improvisation under duress, and the resolve to turn weakness into strength.

During this battle, individual acts of gallantry stood out. CQMH Abdul Hamid of 4 GRENADIERS became a legend. Operating a jeep-mounted recoilless rifle, he stalked Pattons from the flanks and destroyed tank after tank before being killed in action. He was posthumously awarded the Param Vir Chakra. The outstanding handling of the armour by Brigadier TK Theograj and by Lieutenant Colonel (later Major General) Salim Caleb, Commandant of 3 Cavalry, and Lieutenant Colonel (later General) Arun Vaidya, Commandant of Deccan Horse, prevented any enemy ingress and resulted in severe attrition of the attacking forces. All of them and Major General Gurbaksh Singh were decorated with the Maha Vir Chakra for displaying exceptional leadership.

The Battle of Phillora

Following the Indian responses at Dograi and Khem Karan, the focus shifted to the Sialkot Sector, the newly raised I Corps, under Lieutenant General P O Dunn, and was tasked with launching a decisive offensive. Codenamed Operation Nepal, it aimed to penetrate the Shakargarh Bulge, thereby forcing Pakistan to divert forces from other critical Sectors.

I Corps' composition mirrored a combined-arms approach, integrating Armoured and Infantry, formations for coordinated manoeuvre. 1 Armoured Division commanded by Major General Rajinder Singh 'Sparrow,' MVC, 6 Mountain Division under Major General S K Korla, DSO, MC, 14 Infantry Division under Major General R K Ranjit Singh, and 26 Infantry Division under Major General (later Lieutenant General) M L Thapan were its major formations. The Corps' initial objective was to secure Pagowal, Phillora, Chawinda, with a view to advancing towards the Marala-Ravi Link Canal, and eventually to the line of Dhallewali-Wuhilam-Daska-Mandhali.

Pakistan's 1 Corps, under Lieutenant General Bakhtiar Rana, held the Shakargarh Bulge with 6 Armoured Division commanded by Major General Abrar Hussain and 15 Infantry Division. Their task was to protect Sialkot and counter an Indian advance.

The strike commenced on the night of 07 September 1965, with the 6 Mountain Division crossing the border. 99 Mountain Brigade captured Charwa, followed by 69 Mountain Brigade and 62 Cavalry, secured Maharajke and established a bridgehead by midday on 08 September. 1 Armoured Division now moved in, with 43 Lorried Brigade advancing North towards Bhagowal, and 2 Lancers following in the wake of 62 Cavalry. Simultaneously, 1 Armoured Brigade under Brigadier (later Lieutenant General) KK Singh, with 16 Cavalry and 17 HORSE, headed Southwards to Phillora, while 4 HORSE, initially the reserve, conducted a pincer maneuver to isolate the town. By 10 September, Indian armour and infantry had successfully linked, consolidated bridgeheads, and secured supply lines, setting the stage for a decisive engagement at Phillora.

The Battle of Phillora unfolded on 10-11 September and is considered one of the most ferocious tank battles since World War II. Intelligence indicated that Pakistani forces had positioned a Squadron of Patton tanks near the Libbe-Phillora road. Lieutenant Colonel MMS Bakshi of 4 HORSE detected the threat at dawn on 11 September and responded with remarkable initiative. Engaging the enemy at close range, he destroyed two tanks. Despite sustaining four direct hits and his tank catching fire, he pressed forward through the Pakistani line, eventually reaching the Libbe-Phillora road, where his crew bailed out under intense fire. They were rescued after three hours by 17 HORSE, meanwhile 4 HORSE neutralized six additional enemy tanks.

17 HORSE secured the Southern approach, 16 Cavalry and 62 Cavalry guarded against flank attacks, and 43 Lorried Infantry Brigade prepared to exploit breaches for the final assault. Indian tank gunners demonstrated superior marksmanship and battlefield awareness, neutralizing Pakistani armour even in direct confrontation.

The subsequent tank clash unfolded between moving tanks at a range of only 100 yards. In this battle, the Pakistanis lost a total of 28 tanks as against one by 17 HORSE. Two tanks were knocked out by Lieutenant Colonel Tarapore. With the defeat of enemy armour, the defences of Phillora was breached. Cross-roads was secured.

Following the victory at Phillora, the maintenance axis was opened and replenishment and repairs were carried out. Mirzapur, Zafarwal was also captured. The next objective was Chawinda which was heavily fortified. 43 Armoured Brigade had also by now reached Pagowal. Chawinda held out though surrounded from three sides by 4 HORSE, 17 HORSE and 16 Cavalry. The Armoured Division was now leaning on Railway line Sialkot-Chawinda-Pasrur. The Battalions of 43 Lorried Infantry Brigade, including 5/9 GORKHA RIFLES, 8 GARHWAL RIFLES, 9 DOGRA and 5 JAT, all fought valiantly. While on the 26 Infantry Division front, the tanks of 18 Cavalry were on the outskirts of Sialkot. The Indian success at Shakargarh in suboptimal manouvre terrain achieved multiple strategic objectives. By decisively engaging and defeating Pakistani armour in the Shakargarh Bulge, India relieved pressure on Chhamb, safeguarded key communication lines, and forced Pakistan to divert resources from other fronts. The Battle of Phillora remains a defining engagement of the 1965 war. Its significance lies not only in the destruction of enemy armour and capture of strategic objectives but also in the demonstration of courage, and operational foresight. Lieutenant Colonel Tarapore made the supreme sacrifice, earning the Param Vir Chakra posthumously. Major General Rajinder Singh Sparrow, Brigadier KK Singh, and Lieutenant Colonel MMS Bakshi were awarded Maha Vir Chakra for their decisive roles.

Conclusion

These decisive battles remain a testament to the Indian Army's grit and indomitable spirit. At Dograi, it was raw courage and swift infantry action that carried the day and proved that initiative and courage matter more than numbers. Khem Karan told a different story. Here, terrain and preparation turned the tide. Flooded fields, superior gunners, and resolute armour crews destroyed a stronger enemy. Phillora was different altogether. It was tanks grinding forward across open ground. Tank versus tank, Brigade against Brigade, it was a battle where professionalism, commitment, courage and leadership tipped the balance.

Collectively, these battles blunted Pakistan's operational objectives in the Punjab. They drained its strength, and by the end of the conflict, the Indian Army stood tall and the debacle of 1962 was now firmly behind them. Pakistan had failed to achieve any of its operational and strategic objectives and its discourse defeated. Six years later, a resurgent and confident military would deliver a crushing blow to Pakistan leading to the creation of a new nation state.

rajeshsharma1049@gmail.com

Battle of Phillora.

THE WALL

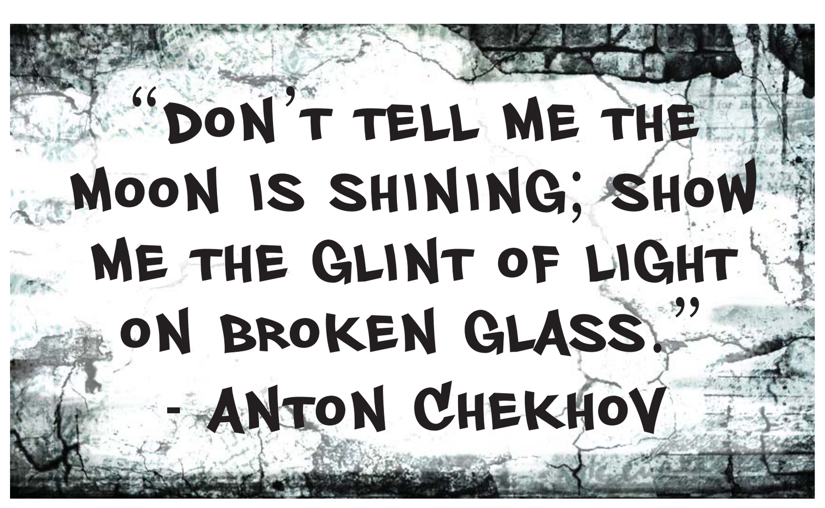

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

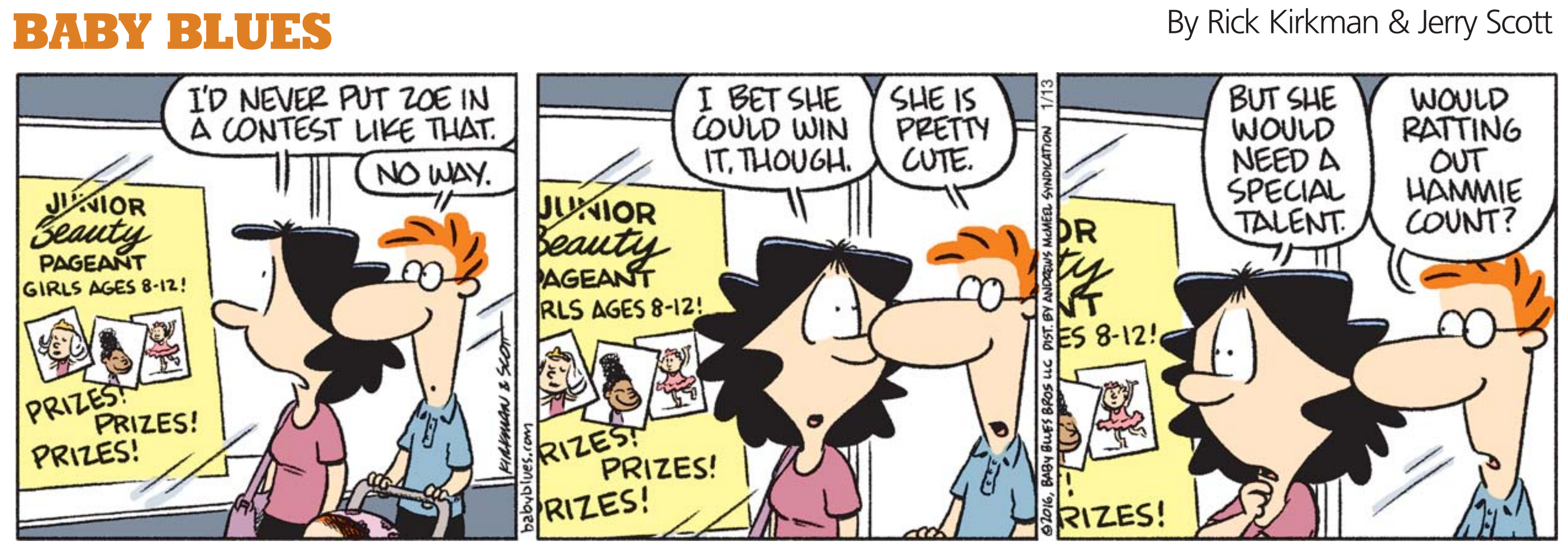

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

'विश्वविद्यालयों के आचार्य नवाचारों से विद्यार्थियों को लाभान्वित करें'

कोटा विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह आयोजित

कोटा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने स्वर्ण पदक व उपाधियां प्रदान की।

- समारोह में स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने की उनके उज्जवल भविष्य की कामना

कोटा, (निसं)। कोटा विश्वविद्यालय का 12वां दीक्षांत समारोह शुक्रवार को सिआम ऑडिटोरियम में राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। समारोह में स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले दीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए राज्यपाल ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि भारतीयों की प्रतिभा का लोहा विश्व मानता है। अतः आज जो पदक और उपाधि मिली है उसका उपयोग युवा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में करें। उन्होंने कहा कि वही समाज और राष्ट्र आगे बढ़ता जहां शिक्षा का प्रसार होता है। बागडे ने कहा कि यह बहुत बड़ा संयोग है कि कोटा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह बसंत पंचमी, विद्या की देवी मां सरस्वती के प्राकट्य दिवस पर मनाया जा रहा है। बसंत पंचमी जीवन में नवीन ऊर्जा और आनंद का संचार करती है। मां सरस्वती से आशीर्वाद लेकर शिक्षा से जीवन को उन्नत करने का भी पावन पर्व है। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल सूचना देना नहीं बल्कि व्यक्तित्व का उत्कर्ष करना है। व्यक्तित्व का उत्कर्ष तभी होगा जब पाठ्य पुस्तकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को जीवन व्यवहार की शिक्षा भी दी जाए। शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति को एक अच्छा मनुष्य बनाना है जो श्रेष्ठ जीवन मूल्यों से समन्वित हो। नई शिक्षा नीति इसी आलोक में तैयार की गई है जिसमें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया है। बागडे ने कहा कि विश्वविद्यालयों के आचार्य नित-नए ज्ञान से अपने विद्यार्थियों को लाभान्वित करें।

विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच विकसित की जाए और फीडबैक लेने का मैकेनिज्म तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षक पाठ्यक्रम से जुड़े प्रश्नों का गहराई से विश्लेषण करते हुए विद्यार्थियों से सवाल पूछें और उनकी प्रतिक्रिया लें। इससे बच्चों में उत्साह बढ़ता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में शोध को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने कहा कि आज नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 130वीं जयंती भी है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की स्मृति को मैं नमन करता हूं। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि एवं ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आज जो विद्यार्थी यहां से उपाधि और पदक लेकर जा रहे हैं उनका जुड़ाव हमेशा इस विश्वविद्यालय से बना रहे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव विद्यमान रहनी चाहिए। इसी भावना से वे भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें। विद्यार्थी नौकरी करने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनकर अपने कौशल से नए स्टार्टअप शुरू करें।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन समय से उच्च शिक्षा का केन्द्र रहा है। यहां नालन्दा और तक्षशीला जैसे गुरुकुल थे जहां देश-विदेश से हजारों विद्यार्थी अध्ययन करने आते थे। उन विद्यार्थियों को यहां जीवन का मर्म समझने का मौका मिलता था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने कुलपति का नाम परिवर्तित कर कुलगुरु किया है।

पत्नी व मासूम बेटे के हत्यारे आरोपी पति को दोषी मानते हुए सुनाया मृत्युदंड

हत्यारा दोषी पिन्टु डागर

- जून 2021 महीने में कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी व छह माह के अबोध बेटे की थी नृशंस हत्या
- रामपुरा कोतवाली के भाटापाड़ा इलाके का था मामला
- महिला व उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में पकड़े आरोपी पिन्टु डागर को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया

कोटा, (निसं)। कुल्हाड़ी से पत्नी व अबोध छह महीने के बेटे की नृशंस हत्याकांड के लगभग पांच साल पुराने मामले मे एडीजे क्रम-2 न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए हत्या के मामले मे पकड़े गये आरोपी पति का दोषी मानते हुए मृत्यु दंड से दंडित किया। एडीजे क्रम-2 न्यायालय की न्यायाधीश सरीता धाकड़ ने महिला व उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में पकड़े आरोपी पिन्टु डागर को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई साथ ही 50 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

आरोपी ने जून 2021 में कुल्हाड़ी से वार कर अपनी पत्नी सीमा और छ महीने के बेटे अविनाश उर्फ राजवीर की नृशंस हत्या की थी। अपर लोक अभियोजक भारत सिंह आसावत ने बताया कि 1 जून 2021 को फरियादी प्रदीप कुमार ने रामपुरा कोतवाली में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा था कि उसकी बड़ी बहन सीमा की शादी भाटापाड़ा रामपुरा निवासी पिन्टु डागर के साथ की थी। रिपोर्ट में कहा कि शाम के समय किसी परिचित ने फोन करके उसे बताया कि उसके जीजा पिन्टु ने उसकी बहन सीमा के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिस पर वह मौके पर पहुंचा जहां पता चला कि उसकी बहन को पुलिस एमबीएस अस्पताल लेकर गई है। रिपोर्ट में कहा कि जब एमबीएस अस्पताल पहुंचा तो वहां डॉक्टर ने जांच के बाद सीमा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया।

वही फरियादी ने दूसरी रिपोर्ट 2 जून 2021 को दी, जिसमे कहा कि उसके जीजा पिन्टु ने उसके मासूम भांजे अविनाश उर्फ राजवीर को मारने की नियत से कुल्हाड़ी से उस पर भी वार किया जिसकी जानकारी उसको पहले नही थी। उसके भांजे की भी अस्पताल में उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर हत्या की धारा 302 में मामला दर्ज करते हुए महिला व उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी पति पिन्टु डागर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए पकड़े गये आरोपी के खिलाफ चालान पेश किया। मामले में पीठासीन अधिकारी ने सुनवाई करते हुए पकड़े गये आरोपी पिन्टु डागर को दोषी करार देते हुए मृत्यु दंड से दंडित किया।

कोर्ट ने कहा-पीठासीन अधिकारी सरिता धाकड़ ने फैसले में कहा कि मृतक सीमा व अविनाश उर्फ राजवीर का आरोपी पिन्टु डागर के साथ जो वैध्रासिक संबंध था उसकी भी हत्या कर दी। रक्षक ही जब भक्षक बन जायेगा तो परिवार में कौन किसको बचायेगा।

कनिष्ठ रसायनज्ञ परीक्षा के 29को जारी होंगे प्रवेश-पत्र

- 1 फरवरी को होगी परीक्षा

अजमेर, (निसं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कनिष्ठ रसायनज्ञ (जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग) परीक्षा-2025 का आयोजन 1 फरवरी 2026 को जयपुर जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। परीक्षा दोपहर 11 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित होगी। ओएमआर उत्तर पत्रक में पांचवें विकल्प को भरने के लिए अभ्यर्थियों को 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

आयोग सचिव ने बताया कि परीक्षा के प्रवेश-पत्र 29 जनवरी 2026 को आयोग की वेबसाइट तथा एसएसओ पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। अभ्यर्थी आवेदन क्रमांक एवं जन्म-तिथि दर्ज कर आयोग की वेबसाइट के एडमिट कार्ड लिंक से प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त एसएसओ पोर्टल पर लॉगिन कर सिटीजन ऐप्स में उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल के माध्यम से भी प्रवेश-पत्र प्राप्त किए जा सकते हैं।

परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा। निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा जांच एवं पहचान प्रक्रिया में समय लगने की संभावना को देखते हुए अभ्यर्थियों को समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं।

पहचान के लिए अभ्यर्थियों को मूल आधार कार्ड (रंगीन प्रिंट) अनिवार्य रूप से साथ लाना होगा। आधार कार्ड पर फोटो अस्पष्ट या पुराना होने की स्थिति में अन्य मूल फोटोयुक्त पहचान-पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। प्रवेश-पत्र पर भी नवीनतम रंगीन फोटो चस्पा करना अनिवार्य है।

सड़क दुर्घटना में अग्निवीर सैनिक की मौत

3 महीने बाद छुट्टी पर घर लौट रहा था सैनिक

- गांव से 3 कि.मी. दूर मिला अग्निवीर सैनिक का शव
- मथुरा से परिजनों को फोन कर कहा था कि डेढ़ घंटे में घर पहुँच रहा हूं

भरतपुर,(निस)। भरतपुर जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र में एक अग्निवीर सैनिक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। अग्निवीर सैनिक पुष्पेन्द्र सिंह का शव सड़क किनारे पड़ा मिला। परिजन तुरंत उसे भरतपुर जिला आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार अग्निवीर सैनिक पुष्पेंद्र सिंह 3 महीने बाद छुट्टी लेकर अपने घर जा रहा था। चिकसाना थाना क्षेत्र के गांव पीपला से लगभग 3 किलोमीटर दूर सैनिक का शव सड़क किनारे पड़ा मिला।

सैनिक के परिजनों ने बताया है की उसे किसी वाहन ने टक्कर मारी है। पुष्पेंद्र सिंह लगभग 3 साल पहले अलवर जिले से अग्निवीर सेना में भर्ती हुआ था। अभी पुष्पेंद्र की पोस्टिंग ग्लेशियर सियाचिन में थी। मृतक सैनिक के ताऊ शेर सिंह ने बताया कि मेरा भतीजा पुष्पेंद्र (22) चिकसाना थाना क्षेत्र के पीपला गांव का रहने वाला था। वह 3 साल पहले ही अग्निवीर में भर्ती हुआ था। पुष्पेंद्र कल 3 महीने बाद छुट्टी लेकर घर आ रहा था।

पुष्पेंद्र ने कल शाम 7 बजे मथुरा से अपने पिता विजय सिंह को फोन पर बताया की वह मथुरा पहुंच गया है। करीब डेढ़ घंटे बाद वह घर आ जायेगा। परिजन पुष्पेंद्र के आने का इंतजार कर रहे थे। रात के 10 बजे तक पुष्पेन्द्र घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को चिंता होने लगी पुष्पेन्द्र का फोन स्विच ऑफ आ रहा था।

परिजन पुष्पेन्द्र को देखने निकले तो सड़क किनारे पुष्पेंद्र का शव पड़ा मिला। परिजनों ने पास जाकर देखा तो, वहां काफी खून बिखरा हुआ था। परिजन तुरंत पुष्पेंद्र को लेकर आरबीएम अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुष्पेन्द्र के पिता विजय सिंह एक किसान हैं। पुष्पेंद्र की अभी शादी नहीं हुई थी। पुष्पेंद्र का एक बड़ा भाई है रूपेंद्र है जो, जिसकी पीपला बस स्टेंड के पास परचून की दुकान है। साथ ही पुष्पेंद्र की एक 18 साल की छोटी बहन है। जिसकी शादी नहीं हुई है।

आधुनिक तकनीक और जैविक खेती से बढ़ी आय

- मीठड़ी गांव में आधुनिक तकनीक एवं जैविक तरीकों को अपनाकर स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू कर क्षेत्र में एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल की है

डीडवाना, (निसं)। जिले के मीठडी गांव के प्रगतिशील कृषक देवकरण कुमावत ने आधुनिक तकनीक एवं जैविक तरीकों को अपनाकर स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू कर क्षेत्र में एक सराहनीय एवं नवाचारी पहल की है। उनका यह प्रयास न केवल उनकी आय में वृद्धि कर रहा है, बल्कि क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी एक प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभरा है।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक हरिओम सिंह राणा ने बताया कि देवकरण कुमावत ने लगभग एक बीघा क्षेत्रफल में स्ट्रॉबेरी की खेती की है, जिसमें विंटर डॉन एवं कैम्ब्रिजा किस्मों के कुल 3000 पौधे लगाए गए हैं। फसल उत्पादन के लिए 12 बेड तैयार किए गए हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 200 फीट है। यह उनकी पहली स्ट्रॉबेरी फसल हैं, जो वर्तमान में सफलतापूर्वक उत्पादन अवस्था में है। कृषक द्वारा स्ट्रॉबेरी की बिक्री 200 ग्राम के पैक में 50 की दर से की जा रही है, जिससे उन्हें अच्छा आर्थिक लाभ प्राप्त हो रहा है। वे जैविक खेती को प्राथमिकता देते हुए वर्मी कंपोस्ट, गोबर खाद एवं जैविक पौषक तत्वों का उपयोग कर रहे हैं। इससे पौधों की जड़ों का बेहतर विकास हो रहा है और फलों की गुणवत्ता भी उत्कृष्ट बनी हुई है।

गर्भवती महिला होमगार्ड ने किया सुसाईड

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम इलाके में एक गर्भवती महिला ने फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात्रि को विवेकानन्द नगर निवासी नैना सिंह (23) ने घर में फांसी का फन्दा लगा लिया। महिला को जब फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा तो उसे नीचे उतार कर अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका सात माह की गर्भवती थी। आरकेपुरम थानाधिकारी रामविलास मीणा ने बताया कि मामले में सामने आया कि किसी ना किसी बात को लेकर आये दिन दोनों पति-पत्नी के बीच अनबन होती थी। मृतका संविदा पर होमगार्ड की नौकरी करती थी, मृतका सात माह की गर्भवती थी जिसने घर में फांसी का फन्दा लगाकर सुसाईड कर लिया।

चौराहो पर लगेंगी ट्रैफिक लाइटें, उल्लंघन पर ऑटोमैटिक कटेगा चालान

बीकानेर, (निसं)। स्मार्ट सिटी योजना के तहत बीकानेर को मिले 80 करोड़ रुपए से होने वाले कामों की सूची तैयार हो गई है। सूची में इतने भारी-भरकम काम लिए गए हैं कि यह राशि ही कम हो जाएगी। बावजूद इसके सार्वजनिक वाहन चार्जिंग सेंटर, जमीन के नीचे सभी तारों को एक डक्ट में शामिल करने, सीसीटीवी, चौराहों और सड़कों पर नई बत्तियां तथा सड़कों पर ट्रैफिक का उल्लंघन करने पर ऑटोमैटिक चालान होने जैसे काम होंगे।

अगर सच में बीकानेर की दशा और दिशा सुधारनी है तो कम से कम 2000 करोड़ रुपए चाहिए क्योंकि स्मार्ट सिटी योजना से जो 80 करोड़ रुपए मिले हैं, उससे हर क्षेत्र में एक-एक मॉडल काम ही तैयार हो पाएंगे। मगर मॉडल काम इक्का-दुक्का जगह ही बनेंगे, जबकि जरूरत पूरे शहर में है। कोटा में सरकार ने 5500 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। वहां काम नजर भी आता है।

बीकानेर में भी आमूल-चूल बदलाव और विकास के लिए कम से कम 2000 करोड़ रुपए तो चाहिए, तभी कुछ बदलाव देखा जा सकेगा। इस राशि से होने वाले कामों के लिए तमाम विभागों के अधिकारियों की एक टीम बनाई गई थी, जिसने पूरे शहर में होने वाले कामों की सूची तैयार की है। 21 जनवरी को कमेटी के सचिव और आरयूआईडीपी के एक्सईएन दीपक मांडन ने रिपोर्ट निगम और जिला प्रशासन के अधिकारियों को भेज दी है। अब यह रिपोर्ट जयपुर जाएगी और उसके बाद काम होने शुरू होंगे।

स्मार्ट हेरिटेज वॉक - जूनागढ़ किले, विरासत मार्ग आदि के लिए नागरिक ऐप और क्यूआर/एआर आधारित निर्देशित पर्यटन स्थल बनेगा। हवेलियों को बुटीक कैफे और गैलरी में परिवर्तित करने के लिए काम होगा। शहर के द्वार और अन्य विरासत परिसरों का मुखौटा सुधार एवं लाइटिंग होगी।

टीटीई की तत्परता से गर्भवती महिला को समय पर मिला उपचार

- टीटीई मुकेश कुमार यादव ने कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित उपचार दिलाने में अहम भूमिका निभाई

अजमेर, (निसं)। अजमेर मंडल में कार्यरत ट्रेन टिकट एग्जामिनर की त्वरित कार्रवाई से चलती ट्रेन में एक गर्भवती महिला को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। अजमेर मंडल के टीटीई मुकेश कुमार यादव ने मानवीय संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए महिला को सुरक्षित उपचार दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक मिहिर देव ने जानकारी देते हुए बताया कि टीटीई मुकेश कुमार यादव ने चलती ट्रेन में गर्भवती महिला को प्राथमिक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई तथा अगले स्टेशन तक सुरक्षित पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की। यात्रा कर रही महिला ललिता देवी को अचानक लेबर पेन शुरू हो गया। इसकी सूचना मिलते ही ऑन ड्यूटी टीटीई ने स्थिति की गंभीरता को समझते हुए तुरंत नियंत्रण कार्यालय से संपर्क किया।

हमले में दो स्कूली छात्र घायल

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में स्थित फतह स्कूल के बाहर छात्रों के बीच हुई मारपीट में दो छात्र घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार दोपहर में फतह स्कूल के बाहर किसी बात को लेकर दो छात्रों के बीच कहासुनी हो गई। इस दौरान विवाद बढ़ने पर दो छात्रों रोहित व अश्विन ने आवरीमाता कच्ची बस्ती निवासी महेश बावरी तथा साथी खटीकवाड़ा सूरजपोल निवासी गौरव खटीक पर हमला कर दिया। जिससे दोनों घायल हो गए। मामले में पुलिस ने पीड़ित आवरीमाता कच्ची बस्ती निवासी भेरूलाल बावरी की रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

चार दुकानों से पांच सेल्समेन गिरफ्तार

- आबकारी अधिकारियों ने शराब दुकान संचालकों को दिया अभयदान

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर में चार शराब की दुकानों पर मिलावट कर शराब बेचने के आरोप में पांच सेल्समेन को गिरफ्तार किया गया है। लेकिन इनके लाइसेंसी दुकानदारों को अभयदान दे दिया गया है। जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय की ओर से आधा अधूरा प्रेसनोट जारी किया गया।

आबकारी अधिकारियों को फोन किए लेकिन किसी ने भी बात नहीं की। प्रेसनोट के अनुसार सेल्समेन सूरतगढ़ निवासी श्रवण कुमार पुत्र जगदीश प्रसाद, सादुलशहर निवासी राजकुमार शर्मा पुत्र ओमप्रकाश शर्मा, निम्मांवाली निवासी राजेंद्र कुमार पुत्र पन्ना राम, मांझूवास निवासी प्रेमचंद्र पुत्र जसवंत राम तथा श्रीगंगानगर में गणेश चौक निवासी सुरेश छिंपा पुत्र जुगल किशोर छिंपा को 21 जनवरी को गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया गया। शराब दुकानों से नाजायज शराब को जब्त किया है। स्टॉक के सैम्पल लेकर जांच को भिजवाए गए हैं।

सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष से 35 करोड़ से अधिक का चढ़ावा मिला

- साथ ही 112 किलो चांदी व 592 ग्राम सोना भी प्राप्त हुआ
- शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थित में छह चरणों में संपन्न

सांवलिया जी सेठ की श्रंगारित प्रतिमा एवं नोटों के बंडल बनाते कर्मचारी।

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 17 जनवरी चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थित में छह चरणों में संपन्न हुई।

मंदिर अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि छठे चरण में हुई भंडार गिनती में 8 लाख 31 हजार 127 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व पांच चरणों में हुई गिनती में 28 करोड़ 59 लाख 82 हजार 41 रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि अब छह चरणों की गिनती को मिलाकर कुल 28 करोड़ 68 लाख 13 हजार 168 रुपए की नगद प्राप्त हुए। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा भंडार व भेंटकक्ष से निकले सोने चांदी का तोल भी किया गया। भंडार व भेंटकक्ष से 592 ग्राम सोना व 112 किलो 723 ग्राम चांदी प्राप्त हुई।

अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर,ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में 06 करोड़ 72 लाख 80 हजार 145 रुपए भेंट जमा किए। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष कार्यालय से कुल 35 करोड़ 40 लाख 93 हजार 313 रुपए का नगद चढ़ावा मिला।

भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य पवन तिवारी, हरिराम गाडरी, रामलाल गुर्जर, किशनलाल अहीर, लेखाधिकारी राजेन्द्र सिंह, मंदिर व संपदा प्रभारी भेरू गिरी गोस्वामी, वरिष्ठ सहायक कालूलाल तेली, सुरक्षा प्रभारी गुलाब सिंह राजपूत, बिहारी लाल गुर्जर, बालभोग प्रभारी भेरूलाल गुर्जर, गौशाला प्रभारी गंगाराम गुर्जर, सहायक केशियर जितेन्द्र त्रिपाठी, श्रवण शर्मा, उदय नाथ सहित चुनिंदा मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

आबकारी प्रहराधिकारी के खिलाफ चालान पेश

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो इन्टेलीजेंस यूनिट उदयपुर ने रिश्वत के मामले में आबकारी विभाग सलूम्बर के तत्कालीन प्रहराधिकारी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया।

उल्लेखनीय है कि आरोपी राजेन्द्र प्रसाद द्वारा अपने पद एवं अधिकारों का दुरूपयोग कर परिवादी से उसकी पुत्री के नाम लाईसेंसी शराब की दुकान निर्बाध चलने देने व परेशान नहीं करने तथा चैकिंग नहीं करने की एवज में 2000 हजार रूपये मासिक बंदी के हिसाब से जनवरी 2023 से मार्च 23 तक के 6 हजार रूपये रिश्वत की माग की गई। जिस पर 31 मार्च 23 को ट्रेप कार्यवाही में परिवादी से रिश्वत राशी स्वयं ही माग कर लेने से ब्यूरो की टीम ने प्रकरण दर्ज किया था तथा अनुसंधान पूर्ण करने पर आरोपी केखिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपी प्रमाणित होने से आबकारी आयुक्त आबकारी विभाग राजसीन उदयपुर से अभियोजन स्वीकृति प्रापत की गई। इस पर ब्यूरो मुख्यालय द्वारा चार्जशीट के आदेश की पालना में आरोपी के खिलाफ23जनवरी को विशिष्ट न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क्रम एक उदयपुर में इंटेलीजेंस यूनिट उदयपुर की ओर से चालान पेश किया गया।

शेल्टर में नहीं लौटी शेरनी सुनयना, सज्जनगढ़ लॉयन सफारी में अलर्ट

- 20 हेक्टेयर में सर्च ऑपरेशन जारी, फेंसिंग के बाहर इंसानी आवाजाही बनी चुनौती
- वन विभाग का दावा है कि 2. हेक्टेयर में फैली लॉयन सफारी में ही सुनयना को देखा गया है और वह शेल्टर में आ जाएगी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सज्जनगढ़ अभयारण्य में प्रस्तावित नई लॉयन सफारी की शुरुआत से पहले ही वन विभाग की चिंताएं बढ़ गई हैं। सफारी क्षेत्र में छोड़ी गई शेरनी सुनयना बीते 4 दिनों से अपने शेल्टर में वापस नहीं लौटी है। करीब 20 हेक्टेयर क्षेत्र में वन विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है,जबकि शेर सम्राट तय समय पर शेल्टर में पहुंच चुका है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि सफारी की फेंसिंग के बाहर लगातार इंसानी आवाजाही बनी रहती है जिससे किसी अनहोनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि उसे सफारी की झाड़ियों में देखा गया है, लेकिन लगातार बाहर न लौटने और फेंसिंग के पास इंसानी आवाजाही होने के कारण वन विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। शेरनी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे से समय रहते निपटा जा सके।

असल में वन विभाग सफारी शुरू करने से पहले शेर के जोड़े को वहां छोड़ा था ताकि उनको नया ठिकाना अभ्यास में हो जाए। शेरनी सफारी में देखी गई लेकिन शेल्टर तक नहीं आ रही है।सोमवार से शेरनी सुनयना सफारी से वापस अपने शेल्टर नहीं पहुंचने से चिंता सताने लगी। लेकिन वन विभाग की टीम को बुधवार को जब वह सफारी की झाडियों में दिखी तो यह मान लिया गया कि वह अंदर ही है। अब एक ही प्रयास है कि वह शेल्टर तक पहुंच जाए।

इसके बाद वन विभाग ने उसकी खोज शुरू की। उसकी तलाश के लिए सफारी के अंदर टॉप वाली पहाड़ी पर बने क्लाउड.9 के कमरों की छत पर बैठकर वनकर्मी निगरानी कर रहे हैं। ढ़ोल बजाने के साथ ड्रोन उड़ा रहे हैं इसके पीछे मकसद है कि एक तो जैसे ही दिखे तो उसके मूवमेंट पर नजर रहे और दूसरा वह शेल्टर तक पहुंच जाए।

शेर सम्राट और शेरनी सुनयना को सोमवार को ही होल्डिंग एरिया से खुले बाडे में छोड़ा गया था। सम्राट तो नाइट शेल्टर में लौट आया लेकिन सुनयना नहीं आई। वन विभाग का दावा है कि 2० हेक्टेयर में फैली लॉयन सफारी में ही सुनयना को देखा गया है और वह शेल्टर में आ जाएगी।

वाइल्डलाइफ विंग उदयपुर के उप वन संरक्षक यादवेंद्र सिंह चुंडावत के अनुसार अगले माह लॉयन सफारी के उद्घाटन की तैयारी को देखते हुए शेरों के जोड़े को रिलीज किया गया। शेर नियमित रूप से शेल्टर में लौट रहा है जबकि शेरनी को जंगल रास आ गया है। सफारी क्षेत्र में घास और झाड़ियां ज्यादा होने के कारण वह बार.बार छिप जाती है। कुछ दिन एनक्लोजर में घूमने के बाद उसे अपने खाने.पीने की जगह का पता चल जाएगा।

उल्लेखनीय है कि लॉयन सफारी के लिए शेरों को सज्जनगढ़ भी लाया गया है। इसके लिए वन विभाग ने एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत गुजरात के जूनागढ़ स्थित सक्करबाग चिडियाघर से एशियाटिक शेर के जोड़े को सज्जनगढ़ बायोलॉजिकल पार्क लेकर आए हैं। इसमें 7 साल का लॉयन सम्राट और मादा सुनयना 3 साल की है।

'बालिकाओं के अधिकारों और समृद्धि के लिए जागरूकता बढ़ाना है'

मनोहरपूर(निसं)। भामाशाह मोहन कुड़ी जी ने कहा कि राष्ट्रीय बालिका दिवस एक महत्वपूर्ण दिवस है, जो हर साल 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बालिकाओं के अधिकारों और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, और समृद्धि के लिए जागरूकता बढ़ाना है। कुड़ी ने इस दिवस का महत्व बताया कि बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। कुड़ी ने जागरूकता के बारे में बताया कि यह दिन बालिकाओं के

- **कुड़ी ने इस दिवस का महत्व बताया कि बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना, उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है**

अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, और समाज में व्याप्त लिंग भेदभाव को खत्म करने का प्रयास करता है। कुड़ी ने सशक्तिकरण के बारे में बताया कि इसका उद्देश्य लड़कियों को सशक्त बनाना और उन्हें लैंगिक भेदभाव के बिना आगे बढ़ने के लिए समान अवसर और वातावरण प्रदान करना है। कुड़ी ने सरकारी पहल के बारे में बताया कि यह दिवस बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों के अनुरूप है, जो बालिकाओं के समग्र विकास पर केंद्रित हैं। उन्होंने संक्षेप मेंबताया कि यह दिन बालिकाओं के सामने आने वाली चुनौतियों (जैसे बाल विवाह, कन्या भ्रूण हत्या) पर ध्यान आकर्षित करता है।

मेगा पीटीएम में मुख्यमंत्री ने वर्चुअल जुड़कर विद्यार्थियों एवं शिक्षक से किया संवाद

भरतपुर (निस)। जिला स्तरीय मेगा पीटीएम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वर्चुअल रूप से जुडकर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से रूबरू हुए। जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह का वीसी के माध्यम से लाईव प्रसारण किया गया। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त नलिनी कठोतिया, जिला कलक्टर कमर चौधरी, सीईओ जिला परिषद मृदुल सिंह सहित अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बसंत पंचमी माँ सरस्वती के पूजन एवं नमन का दिन है, यह दिन नव संकल्प, नव उद्धव, नव प्रेरणा के लिए सांस्कृतिक रूप से हम मनाते आ रहे है। उन्होंने मेगा पीटीएम के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं में शैक्षिणक सुधारों, आधारभूत सुविधाएं के लिए चर्चा कर देश-प्रदेश के विकास में भागीदार बनने का आव्हान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को महापुरूषों से प्रेरणा लेकर उनके सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढने की बात कही। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृतकाल में युवाओं के कंधों पर देश को आगे बढ़ाने का काम है, युवा नौकरी मांगने वाले नहीं

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित मेगा पीटीएम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वर्चुअल रूप से जुडकर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों से रूबरू हुए।

देने वाले बने। उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के लिए चलाई जा रहे विभिन्न योजनाओं का भी विस्तार से उल्लेख किया। समारोह में बालिकाओं को साईकिल वितरण का शुभांरम्भ किया गया, प्रदेश में 3.14 लाख बालिकाओं को साईकिल वितरण कि जायेगी।

मुख्यमंत्री ने किया संवाद: मुख्यमंत्री ने वर्चुअल रूप से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय पीटीएम में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वैर में अध्ययनरत छात्रा कुमारी पूजा ने रूबरू हुए। मुख्यमंत्री ने छात्रा पूजा से शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी ली। पूजा ने बताया कि वाद-विवाद प्रतियोगिता, खेल प्रतियोगिता एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से महापुरूषों एवं शिक्षा के नवाचारों की जानकारी दी जाती है। मुख्यमंत्री ने पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेवर में नियुक्त शिक्षक विकास चौधरी से संवाद कर बच्चों में एक-दूसरे के सहयोगी की भावना पैदा करने तथा सामूहिक रूप से शैक्षिणक नवाचार बताने को कहा।

- **मेगा पीटीएम के माध्यम से शिक्षण संस्थाओं में शैक्षिणक सुधारों, आधारभूत सुविधाएं के लिए चर्चा कर देश-प्रदेश के विकास में भागीदार बनने का आव्हान किया**

मुख्यमंत्री ने पीएमश्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेवर में अध्ययरत छात्रा कुमारी कोमल के अभिभावक श्रीमती मोहिनी देवी से संवाद किया तथा बालिका को साईकिल उपलब्ध कराने से मिली सुविधा के बारे में फीडबैक लिया। मोहिनी देवी ने बताया कि साईकिल मिलने से पहले बेटी कोमल को स्कूल बैग को कंधे पर ले जाना पड़ता था, अब साईकिल से बेटी स्कूल जाती है, इससे समय की बचत हुई है। विद्यालय में पढ़ाई भी अच्छी प्रकार कर पा रही है, उन्होंने मुख्यमंत्री जी का विद्यार्थियों के हित में चलाये जा रही कल्याणकारी योजनाओं के लिए अभार व्यक्त किया।

कार्यालय उपायुक्त किशनपोल जोन नगर निगम जयपुर
सोफिया स्कूल के सामने घाटगेट जयपुर पिन कोड 302003
क्रमांक-F-52/DC/KPZ/2026/1771 दिनांक:22.01.2026
सार्वजनिक आपत्ति सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती हेमलता सोनी पत्नि खूबचन्द ने मकान नं. 413, लाल जी सांड का रास्ता जयपुर का 69-क, के तहत स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान के आदेश क्रमांक 7062 दिनांक 15.11.2022 के अनुसार आवेदन पत्र के साथ स्वामित्व संबंधित दस्तावेजो की फोटो प्रतियां प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति का स्वयं का क्षेत्रफल 22.63 वर्गगज का 69-क के तहत पट्टा चाहा है। उक्त दुकान के संबंध में किसी व्यक्ति सरकारी / गैर सरकारी संस्था भवन / दुकान के अन्य हिस्सेदार, मालिको या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचित करे। बाद मियाद गुजरने के आवेदन का नियमानुसार निस्तारण कर दिया जावेगा। उपायुक्त,किशनपोल जोन नगर निगम, जयपुर (हैरिटेज)

कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम जयपुर
मुरलीपुरा सब्जी मंडी के पीछे, सामुदायिक केन्द्र, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर
क्रमांक मु.जो./ननिज/2025/2092 दिनांक: 21.7.2026
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड सं. 140, स्कीम 3 बन्धुनगर मुरलीपुरा जयपुर का बन्धु गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा श्री गुमान सिंह पुत्र श्री केशर सिंह को क्षेत्रफल 200 वर्गगंज भूमि का आवंटन पत्र जारी किया गया था। जिसके पश्चात श्री गुमान सिंह द्वारा उक्त भूखंड का बेचान जरिये अपंजीकृत इकरारनामा का आधार पर आवेदक श्रीमती इन्दु शेखावत पत्नी श्री पृथ्वीराज सिंह शेखावत के पक्ष में कर दिया। प्रकरण में श्रीमती इन्दु शेखावत द्वारा आवंटन पत्र मय साइट प्लान एवं अपंजीकृत इकरारनामा के आधार पर उक्त भूखंड का पट्टा चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध करायें गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का श्रीमती इन्दु शेखावत पत्नी श्री पृथ्वीराज सिंह शेखावत के पक्ष में भूखंड के कुल क्षेत्रफल में से 200 वर्गगज का पट्टा जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के पट्टा जारी करने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पट्टा जारी करने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम जयपुर

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी जोन-11 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: 90A/JDA/2025-26/100476 **लोक सूचना** दिनांक: 23.01.2026
श्री SANDEEP SHARMA पुत्र श्री RAMESHVAR जाति HARIYANA BARHAMAN निवासी 39, MALKI DHANI, GOLYAWAS, TEHASIL SANGANER, JAIPUR, श्री VISHNU KUMAR GUPTA पुत्र श्री RAM GOPAL GUPTA जाति MAHAJAN निवासी 1347, JAIPAT, BARKAT NAGAR, TONK PHATAK, JAIPUR श्री MUKESH YADAV पुत्र श्री GOPAL LAL YADAV जाति YADAV (AHIR) निवासी NEVTA ROAD, GANWALO KI DHANI, WARD NO. 5, MUHANA JAIPUR, श्री MUKESH SHARMA पुत्र श्री SITARAM SHARMA जाति BAGADA BRAHAMAN निवासी 3, AGERSAIN NAGAR VISTAR, TONK PHATAK, LAL KOTHI, JAIPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का अकृषि प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अधिकृति अधिकारी के निर्धारण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा स.	क्षेत्रफल (हैक्टे.)	रूपांतरण क्षेत्रफल (हैक्टे.)
1	दौलतपुरा, सांगानेर (जयपुर)	1.) मुकेश यादव पुत्र श्री गोपाल लाल यादव हिस्सा 1/4 जाति यादव (अहीर मकान संख्या 0 कॉलोनी गणवालों की ढाणी ... [illegible] ... 302020 जिला JAIPUR राज्य RAJASTHAN खातेदार	282	1.08	0.77
2			283	0.28	0.28
3			284	0.48	0.48
4			285	0.15	0.15
			कुल		1.68

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्धारण पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी SSO ID से लॉग इन कर JDA के 90-A मॉड्यूल अथवा जे.डी.ए. पोर्टल (https://jda.rajasthan.gov.in/) पर "विज्ञप्ति के विरुद्ध अपनी आपत्ति दर्ज करें" Option में जाकर जारी सार्वजनिक सूचना के विरुद्ध अपनी आपत्ति ऑनलाइन दर्ज कराएं। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23-01-2026 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी जोन-11

नाम परिवर्तन

हम अपनी पुत्री का नाम देवन्या से बदलकर देवन्या शेखावत पुत्री जितेन्द्र सिंह/ देवांगिनी चौहान रख लिया है भविष्य में इसे इसी नाम से जाना जायें। निवासी- प्लॉट नं. 72-ए, मार्ग नम्बर 14, कैलाश नगर, झोटवाड़ा, जयपुर।

मेरे पुत्र चिराग कुमार की दसवीं सीबीएसई (सत्र 2021-22) की मार्कशीट में मेरा नाम कमलेश से बदलकर कमलेश कुमारी करना है भविष्य में मुझे कमलेश कुमारी के नाम से जाना जावे। निवासी- दोबड़ा, तहसील- पिलानी, जिला- झुंझुनू, राजस्थान

I have changed my name from SHIV SHANKER GUPTA to SHIV SHANKAR GUPTA. In future I will be known by SHIV SHANKAR GUPTA S/o RAM GOPAL GUPTA. 31, Shivaji Marg, Govind Nagar East, Amer Road, Jaipur.

मेरे पासपोर्ट में मेरा नाम "लक्ष्मण (Lakshman)" माता का नाम "केशवंती (Keshwanti)" पिता का नाम (RAM PARSHAD) गलत दर्ज है मेरा वास्तविक नाम "लक्ष्मण (Laxman)" तथा माता का वास्तविक नाम "केस अंती (Kes Anti)" पिता का नाम (RAM PARSAD) है 67, वृंदावन विहार, गोलियावास, मानसरोवर, जिला जयपुर

खोया पाया

मैं राम अवतार पुत्र श्री मंगल चन्द व शंकर लाल पुत्र श्री मंगल चन्द निवासी गहलोताका तहसील कार्यालय दूदू से जारी पट्टा संख्या 03 रास्ते में थैला फट जाने पर गिर गया किसी को मिले तो सूचित करें। मोबाईल नं. 6367965084

मेरे प्लाट नं. B-120 रोहिणी नगर-II जयपुर का मूल आवंटन पत्र व कब्जापत्र बापू नगर में कहीं गिर गया हैं मिलने पर सूचित करें- हेमंत प्रभाकर- 9414041903

मैं दिव्यार्थ गोत्तम पुत्र श्री एस.के. शर्मा 73/143 परमहंस मार्ग मानसरोवर जयपुर मेरे प्लॉट नं.- 107, 108 श्याम नगर कॉलोनी, बॉस एनक्लेव खेड़ा जगन्नाथ चाकसू जयपुर के असल दस्तावेज कहीं गुम हो गए हैं मिलने पर सूचित करें। मोबाइल- 7878652441

आम सूचना
मेरे अभिभाष्य सुरेश कुमार शर्मा पुत्र श्री रामजीलाल शर्मा निवासी-17, अनिता कॉलोनी विस्तार, गोविन्दपुरा, तहसील सांगानेर, जयपुर की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य ने अपने पुत्र दक्ष शर्मा को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्तियो से बेदखल कर दिया है यदि कोई व्यक्ति इससे कोई लेन देन, संव्यवहार इत्यादि करता है तो वह स्वयं की जिम्मेदारी होगी। आज के बाद से मेरे अभिभाष्य का अपने पुत्र से कोई सम्बन्ध, रिश्ता व सरोकार नही है।
भवदीय, सत्य नारायण शर्मा, एडवोकेट 9092858808

आम-सूचना तुलसीराम पुत्र स्वर्गीय श्री बिरदीचन्द ने मेरी अभिभाष्या फर्म बुनियादी विकास गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, जयपुर की योजना चन्द्र वाटिका, पांच्यावाला, जयपुर के भूखण्ड संख्या- एस.पी.-22 का क्षेत्रफल 33.3 वर्गगज व भूखण्ड संख्या- एस.पी.-23 का क्षेत्रफल 33.3 वर्गगज के हस्तान्तरण हेतु मूल आवंटी से खरीद सम्बन्धी दस्तावेजात् शपथ पत्र, मूल दस्तावेज प्रस्तुत किये तथा उक्त भूखंडों के हस्तान्तरण हेतु समिति को कहा गया है। यदि उक्त भूखंडों के हस्तान्तरण के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में सम्पर्क करें, अन्यथा समिति द्वारा उक्त भूखंडों का हस्तान्तरण तुलसीराम के नाम कर दिया जायेगा, बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नहीं होगा।
भवदीय- (हेमन्त कुमार पलोड़) एडवोकेट मोबाईल नं. 9314511091

NOTICE
Ashwani Garg Passport No. Y3746977 S/o Mr. Trilok Chand Garg and smt. Saroj garg near kapil muni mandir ward no. 10 kalayat dist. Kaithal Haryana/ near mahendra campus ward no 13 kathmandu Nepal. Manju poddar passport no. PA0968353 D/o Sushil kumar poddar And smt. Usha devi poddar ward no. 7 biratnagar morang in Nepal have got married At hotel yak & yeti durbar marg Kathmandu date of marriage Thursday 9 feb 2023 as Per indian traditions since then we have living as husband and wife. We have published This notice for registration of our marriage at embassay of india Kathmandu. If anyone has Any objection to the marriage he/ she can contact +977-9851107021 and embassy of india Kathmandu on cons.kathmandu@mea.gov.in

कार्यालय उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर
आवश्यक सूचना
आवास संख्या 2 ख 3, सी.ई.बी. योजना, अलवर जो कि मूलतः श्री जय कुमार जैन को आवंटन पत्रांक 14808 दिनांक 31.10.1975 एवं संशोधित आवंटन पत्रांक 1429 दिनांक 21.06.1978 के द्वारा आवंटित किया गया था। मण्डल द्वारा आवास का अदेय प्रमाणपत्र क्रमांक 1337 दिनांक 15.12.1979 को श्री जय कुमार जैन के नाम जारी कर दिया गया। श्री जय कुमार जैन द्वारा आवास की रजिस्ट्री स्वयं के नाम से दिनांक 05.04.1980 को उप पंजीयक कार्यालय अलवर में पंजीकृत करवाई जा चुकी है। श्री जय कुमार जैन की मृत्यु दिनांक 12.06.2010 को हो जाने के उपरांत उनकी उत्तराधिकारिणी पत्नि द्वारा मण्डल नियमानुसार प्रस्तुत शपथपत्रों एवं अन्य प्रपत्रों के आधार पर मण्डल द्वारा आवास का मृत्यु उपरान्त नाम हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 1472 दिनांक 05.07.2012 को श्रीमती मन्जू जैन के नाम से जारी कर दिया गया। श्रीमती मन्जू जैन द्वारा उक्त आवास का बेचान जये पंजीकृत बयनामा दिनांक 17.11.2021 को श्री केशव माथुर पुत्र स्व. श्री प्रभूशंकर माथुर को कर दिया गया। मण्डल द्वारा आवास का नाम लीज हस्तांतरण कार्यालय आदेश क्रमांक 438 दिनांक 20.06.2025 को श्री केशव माथुर के नाम जारी कर दिया गया। श्री केशव माथुर द्वारा उक्त आवास का बेचान जये पंजीकृत बयनामा दिनांक 31.07.2025 को श्री देवेन्द्र कुमार गोगिया पुत्र श्री भगवान दास को कर दिया गया। श्री देवेन्द्र कुमार गोगिया द्वारा द्वारा उक्त आवास का मण्डल नियमानुसार लीज हस्तांतरण किये जाने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं शुल्क जमा करा कर आवेदन किया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति यह आग्रह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 2 ख 3, सी.ई.बी. योजना, अलवर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई, अन्य किसी रिश्तेदार व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर में अपना एतराज लिखित में प्रस्तुत करें अन्यथा श्री देवेन्द्र कुमार गोगिया पुत्र श्री भगवान दास के पक्ष में आवास के लीज हस्तांतरण की कार्यवाही की जावेगी।
उप आवासन आयुक्त, राजस्थान आवासन मण्डल वृत अलवर

नम्बर मिलाइए 9587884433

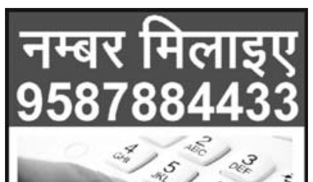

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

निवाई(निसं)। जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल अधिकारिता विभाग एवं सिकोइडिकोन संस्थान के माध्यम से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय कार्यक्रम के अन्तर्गत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालकों के साथ बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान ने अध्ययनरत बालकों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के मुख्य प्रावधानों जैसे विवाह की वैधानिक आयु, बाल विवाह की भयावहता, बाल विवाह से होने वाले दुष्परिणाम, शिकायत कैसे और कहां करें के बारे में जानकारी दी। सिकोइडिकोन संस्था के माध्यम से नुक्कड नाटक द्वारा बालकों को बाल विवाह के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में बालकों एवं विद्यालय स्टाफ को बाल विवाह के विरूद्व शपथ दिलवायी गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रामदयाल जांगिड़, मंच संचालक ममता जाट, सिकोइडिकोन संस्था से देवेन्द्र जांगिड, विमलकुमार बुंदेल, किरण शर्मा, जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी रामसहाय पारीक, सुरेश कुमार, शिवम चौधरी व रामरेश मीणा सहित कई छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

- **बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अध्ययनरत बालकों के साथ बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए**

'एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का एक प्रभावी उपाय'

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय पंचायत समिति सभागार में शुक्रवार को बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर की अध्यक्षता में एच.पी.वी. टीकाकरण का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के शुभारम्भ में वंदे मातरम् राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष का स्मरणोत्सव मनाते हुये वंदे मातरम् का गायन किया गया एवं राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर शपथ दिलाई गई।

बीसीएमओ डॉ. गुर्जर ने एच.पी.वी. टीकाकरण के बारे में प्रशिक्षण देते हुये बताया कि सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला एक गंभीर कैंसर हैं, जिसका मुख्य कारण एचपीवी संक्रमण है। एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर से बचाव का एक प्रभावी और सुरक्षित उपाय है। भारत सरकार द्वारा 14 वर्ष की बालिकाओं के लिये एचपीवी टीकाकरण अभियान शीघ्र ही प्रारम्भ किया जा रहा है। इस टीकाकरण की एक डोज पर्याप्त है, यह वैक्सीनेशन के लिये 03 माह का अभियान चलाया जावेगा, उसके पश्चात् नियमित टीकाकरण दिवसों पर उपलब्ध रहेगी। एएनएम एवं नर्सिंग स्टॉफ द्वारा टीकाकरण किया जावेगा एवं आशा मोबिलाईजर एवं जागरूकता का कार्य करेंगी। उसके लिये पूर्व ही प्लान तैयार कर सूची बनाई जायेगी, कोल्ड चेन पॉईंट पर ईविन एप पर स्टॉक एवं खपत की नियमित एंट्री की जायेगी, लाभार्थी का यूविन एप पर प्री-रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।

- **एच.पी.वी. टीकाकरण का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित**

टीकाकरण सत्र पर टीकाकरण करने के पश्चात् उसका पंजीकरण यूविन एप पर अनिवार्य रूप से किया जावेगा। टीकाकरण प्रमाण पत्र यूविन से डाउनलोड किया जा सकता है। ए.ई.एफ.आई. सत्र पर होना अनिवार्य है, टीकाकरण के बाद किसी भी प्रकार की प्रतिकूल घटनाये हो सकती है, जैसे दर्द, सूजन, हल्का बुखार तो घबराने की आवश्यकता नहीं है। टीकाकरण के बाद 30 मिनट तक सत्र स्थल पर रूकना अनिवार्य है।

बीडीओ हरिओम मीणा व प्रधान प्रतिनिधि इन्द्राज गुर्जर ने टीकाकरण के बारे में आमजन को जागरूक करने की बात कही। बीपीओ विजय तिवाड़ी ने आरसीएच गतिविधियों के बारे में बताते हुये दिये गये लक्ष्यां की शत्-प्रतिषत प्राप्ति किये जाने के निर्देष दिये। इस दौरान ब्लॉक कार्यालय से लेखा सहायक महेन्द्र कुमार स्वामी व बीएनओ प्रेमप्रकाष सैनी समेत समस्त चिकित्सा संस्थानों के चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, नर्सिंग स्टॉफ, सीएचओ व एएनएम आदि मौजूद रहें।

न्यायालय तहसीलदार फुलेरा मु0 सांभरलेक जिला जयपुर
दुरमाष नं.: 01425-228219, ई-मेल: tdrsbr@ymail.com
क्रमांक: भू.अ./2026/276 दिनांक: 19.01.2026
सार्वजनिक सूचना नोटिस
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी कमलेश कुमावत दत्तक पुत्र मदनलाल, ताराचन्द पुत्र लालाराम जाति कुमावत निवासी तेज्या का बास तह० फुलेरा द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के संबंध मे मृतक मदनलाल पुत्र पेमाराम जाति कुमावत के नाम दर्ज खातेदारी भूमि खाता संख्या 160 वाके ग्राम तेज्या का बास का वसीयतनामा दिनांक 17.10. 2017 के आधार पर नामान्तरण खुलवाने बाबत् प्रकरण भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 135 (2) के तहत हाजा न्यायालय मे विचाराधीन है।
अतः यदि किसी दीगर व्यक्ति को कोई आपत्ति / एतराज हो तो आगामी दिनांक 12.02. 2026 तक मय दस्तावेज पेश करे अन्यथा इकतरफा कार्यवाही कर प्रार्थी के पक्ष मे निर्णय पारित कर दिया जावेगा।
तहसीलदार (भू.अ.) फुलेरा मु साँभर लेक

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18(2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर: DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1229
चूंकि प्रार्थी श्री PRAMOD PAL, 35/60, RAJAT PATH, MANSAROVAR, JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास मानव निर्माण एवं विश्व शान्ति संस्थान, OMANANDAM, 35/60, FIRST FLOOR, RAJAT PATH, MANSAROVAR, JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है
कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा। आज दिनांक 23.01.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 01.04.2026
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

सप्तशक्ति संगम मातृ सम्मेलन आयोजित

दौसा(निसं)। विद्या भारती द्वारा संचालित उच्च प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर स्टेशन दौसा में शुक्रवार को सप्तशक्ति संगम मातृ सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि प्राचार्य डॉ. निकिता त्रिवेदी, सुश्री प्रमिला, प्राचार्य कमला शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया। मुख्य अतिथि डॉ. निकिता त्रिवेदी ने कहां कि मां बच्चों की प्रथम गुरु होती है। इसलिए मां अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे। एक संस्कारित पीढ़ी ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकती है। मातृशक्ति को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए परिवार और बच्चों के लालन-पालन पर ध्यान देने की बात कही। साथ ही "सर्वे भवंतु सुखिनः" के भाव से समाजहित में कार्य करने का आ ान किया। मुख्य वक्ता प्रमिला ने सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक शिष्टाचार, स्व का बोध और पर्यावरण संरक्षण आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

बसंत पंचमी व पराक्रम दिवस पर मेगा पीटीएम एवं निपुण मेला आयोजित

टोंक(निसं)। बसंत पंचमी एवं पराक्रम दिवस के अवसर पर जिले के समस्त विद्यालयों में मेगा पीटीएम (अभिभावक-शिक्षक बैठक) एवं निपुण मेला आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय, पीईईओ, ब्लॉक, जिला स्तर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संदेश का सीधा प्रसारण किया गया। अभिभावक शिक्षक बैठक के माध्यम से अभिभावकों के सहयोगात्मक संबलन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से विद्यालयों में व्यापक स्तर पर विजिट की गई। राज्य स्तरीय कार्यक्रम का शुभांरभ सामूहिक सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम् के 150 वें वर्ष के उपलक्ष्य में जिला, ब्लॉक, पीईईओ एवं विद्यालय स्तर पर सामूहिक वंदे मातरम् का गायन किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण भी प्रतीकात्मक रूप से किया गया। साथ ही जिले के विभिन्न विद्यालयों में निपुण मेला एवं मेगा पीटीएम का आयोजन

जिले के समस्त विद्यालयों में मेगा पीटीएम व निपुण मेला आयोजित किया गया।

किया गया, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों से अभिभावकों को अवगत कराया गया तथा सीखने की प्रगति पर संवाद किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन जिला परिषद सभागार टोंक में पीएचईडी मंत्री कन्हैया लाल जी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में देवली-उनियारा विधायक राजेन्द्र गुर्जर, निवाई-विधायक रामसहाय वर्मा, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, सीईओ परशुराम धानका जिलाध्यक्ष चन्द्रवीर सिंह चौहान, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन सहित जिला मुख्यालय के राजकीय विद्यालयों के विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

21 कुंडीय यज्ञ को लेकर ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन

पावटा(निसं)। आगामी माह में पावटा कस्बा स्थित बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर में 21 कुंडीय यज्ञ के सफल आयोजन को लेकर शुक्रवार को मंदिर महंत जयराम दास महाराज के सान्निध्य में विधिवत रूप से ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। पंडित द्वारकेश मिश्रा द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच ध्वज स्थापित कर यज्ञ की शुभ शुरुआत की गई, जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बन गया। कार्यक्रम के दौरान आचार्यों एवं संतजनों ने यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यज्ञ से वातावरण की शुद्धि होती है और समाज में सुख, शांति व समृद्धि का संचार होता है। ध्वजारोहण के साथ ही यज्ञ से जुड़े विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि 21 कुंडीय यज्ञ में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में भाग लेंगे तथा यज्ञ के दौरान प्रवचन, हवन, भजन-कीर्तन सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। ध्वजारोहण कार्यक्रम में वरिष्ठ संरक्षक किशनलाल गोयल, बलदेव गोयल, विमल गर्ग, जम्मन राठी, पिंटू जांगिड, मातादीन सैनी, श्याम सैनी, विजय शर्मा, रामोतार शर्मा, पटेल सहित ग्रामवासी, श्रद्धालु, आयोजन समिति के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय:- जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी करौली
क्रमांक:-जिसासशिअ/(एनआईएलपी)/करौली/लेखा/2025-26/805
दिनांक: 22.01.2026
खुली निविदा-सूचना सं.-01/2025-26
वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत ऑनलाईन सर्वे किये गये लर्नर्स की संख्यानुसार टी.एल.एम. किट क्रय हेतु (अनुमानित राशि 5.10 लाख) खुली निविदा सूचना संख्या-01/2025-26 के द्वारा दिनांक 23.01.2026 को सायं 6:00 बजे से 30.01.2026 दोपहर 12:00 बजे तक पंजीकृत बोलीदाता/संवेदको से निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत आमंत्रण सूचना मय बोली दस्तावेज बेबसाइट https://.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO:-LIT2526G50B00049
(रामावतार मीना) जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी करौली

कार्यालय उपायुक्त सिविल लाईन जोन नगर निगम, जयपुर
क्रमांक:-एफ 56 ( ) सि.ला.जो./ननिज/2026/2211 दिनांक : 23.01.2026
अनापत्ति आमंत्रण सूचना
मूल भूखण्ड संख्या डी-23 आकड़ मार्ग बनीपार्क जयपुर का सर्वप्रथम जयपुर गवर्मेन्ट से दी नेशनल ट्रेडर्स द्वारा खरीद करने पर उक्त सम्पत्ति का विक्रय पत्र मुख्य सचिव जयपुर सरकार दी नेशनल ट्रेडर्स जरिये निदेशक दयाराम जयपुरिया के पक्ष में डवलपमेंट एरिया खालसा भूमि का विक्रय पत्र जारी किया गया था। तत्पश्चात दयाराम जयपुरिया पुत्र बंशीधर जयपुरिया कानूनी आटॉर्नी दी नेशनल ट्रेडर्स लिमिटेड से पंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा श्री विरेन्द्र नाथ सोरल पुत्र मनोहर लाल सोरल ने क्रय किया तत्पश्चात श्री विरेन्द्र नाथ सोरल ने अपने भूखण्ड डी-23 आकड़ मार्ग, बनीपार्क जयपुर का अचल सम्पत्ति विभाजन पत्र दिनांक 10.04.2018 को तैयार किया गया जिसके आधार पर भू.स. डी-23 का बराबर हिस्सा श्री रविन्द्र सोरल, देवेन्द्र नाथ, श्रीमती चित्रा शर्मा एवं अनुभव मोहन शुक्ला को दिया गया। तत्पश्चात मेजर अनुभव मोहन शुक्ला द्वारा प्रस्तुत अचल सम्पत्ति विभाजन पत्र के आधार पर भूखण्ड संख्या डी-23 आकड़ मार्ग, बनीपार्क जयपुर के चौथाई हिस्सा जिसका क्षेत्रफल 354 वर्गगज का नगर निगम जयपुर सिविल लाईन जोन द्वारा मेजर अनुभव मोहन शुक्ला के पक्ष में उपविभाजन पत्र जारी किया जाना है। किसी संस्था, फर्म, कम्पनी व किसी भी व्यक्ति को उक्त के संबंध में आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में आपत्ति पेश करें अन्यथा 7 दिवस पश्चात् उक्त भूखण्ड में नियमानुसार उपविभाजन जारी किये जानी की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त, सिविल लाईन जोन नगर निगम जयपुर

जयपुर ग्रामीण सांसद ने एनएचएआई के अधिकारियों की बैठक ली

मनोहरपूर (निसं)। जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह ने लोकसभा क्षेत्र में एनएचएआई के विकास कार्यों को लेकर क्षेत्रीय अधिकारी व प्रोजेक्ट डायरेक्टर की बैठक लेते हुए एनएच - 48 (जयपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे), एनएच-148 (मनोहरपुर-दौसा नेशनल हाईवे), एनएच-248 (जयपुर-चंदवाजी नेशनल हाईवे), एनएच - 248 (अलवर तिराहे-विराटनगर नेशनल हाईवे) से जुडे कई महत्वपूर्ण विकास विषयों पर विस्तार से चर्चा कर निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग, एनएचएआई सहित अन्य प्रमुख विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं निर्धारित समय - सीमा में पूर्ण करने के दिशा - निर्देश दिए, जिससे जयपुर ग्रामीण एवं प्रदेश की आधारभूत संरचना को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाया जा सके। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि शाहपुरा पुलिया के कार्य की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए, ताकि आमजन को अधिकतम सुविधा और बेहतर परिवहन सुविधा प्राप्त हो सके। जयपुर ग्रामीण एवं प्रदेश की जनता की आवश्यकताओं के अनुरूप, व्यावहारिक तथा समय-सीमा में पूर्ण किए जा सकने वाले विकास कार्यों के प्रस्ताव शीघ्र प्रेषित किए जाएँ, ताकि जयपुर ग्रामीण एवं प्रदेश का समग्र और संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके।

सांसद राव राजेंद्र सिंह ने लोकसभा क्षेत्र में एनएचएआई के विकास कार्यों को लेकर क्षेत्रीय अधिकारी व प्रोजेक्ट डायरेक्टर की बैठक ली।

- **विकास कार्यों को लेकर सख्त दिशा निर्देश दिए।**

निविदा संदर्भ संख्या: HIL/UDL/REL/2/2025-26, दिनांक 21.01.2026
एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार उद्यम)
स्कोप कॉम्प्लेक्स, कोर-6, दूसरी मंजिल, 7 लोधी रोड नई दिल्ली-110003, वेबसाइट: www.hil.gov.in
समृद्ध होने के लिए रक्षा करें
वेबसाइट https://hil.abcprocure.com/EPROC के ज़रिए ऑनलाइन टेंडर मंगाए गए है।

विवरण	ईएमडी रु.
"उद्योगमंडल यूनिट से रसायनी यूनिट तक पेंडिमेथालिन प्लांट के डीकंटैमिनेशन, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्टेशन और रिलोकेशन के लिए" टेंडर, इवेंट ID नंबर 58686, टेंडर की ड्यू डेट 02.02.2026 से 14:00 बजे तक। प्री बिड मीटिंग डिस्मेंटलिंग, 27/01/2026, बजे उद्योगमंडल यूनिट, केरल में।	रू. 5,00,000/-

इच्छुक बिडर्स हमारी वेबसाइट www.hil.gov.in से डिटेल्स डाउनलोड कर सकते हैं। टेंडर में अगर कोई और सुधार होगा, तो उसे ऊपर दी गई वेबसाइट पर होस्ट किया जाएगा।
सीबीसी-02111/11/0005/2526

संक्षिप्त

विराट हिन्दू सम्मेलन 8 फरवरी को

दौसा(निसं)। विभिन्न हिन्दू संगठना के तत्वावधान मे आगामी 8 फरवरी को स्थानीय श्री सीताराम मंदिर बारादरी में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया जावेगा। इधर सम्मेलन की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को बैठक आयोजित की गई, सर्व सम्मति से आयोजन समिति का गठन किया गया। बैठक में प्रदीप शर्मा को सर्व सम्मति से आयोजन समिति का अध्यक्ष चुना गया। समिति में उपाध्यक्ष भगवान सहाय शुक्ला, संयोजक मनमोहन जांगिंग, सह संयोजक डॉ. विजय प्रकाश शर्मा, सचिव पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी अनिल शर्मा, सह सचिव नरेन्द्र कुमार प्रधानाचार्य, कोषाध्यक्ष अनिल कुमार प्रधानाचार्य तथा पवन कुमार बारादरी को मिडिया प्रभारी चुना गया। बैठक में सर्व समाज से 14 सदस्यों की कार्यकारिणी गठित की गई। बैठक में बैनर व पत्रकों का विमोचन किया गया।

निपुण मेलें का निरीक्षण

दौसा(निसं)। शिक्षा विभाग बीकानेर के सहायक निदेशक सौरभ कश्यप एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर अंजूल गुप्ता ने शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महेश्वरा खुर्द, दौसा में आयोजित निपुण मेला, मेगा पीटीएम एवं साइकिल वितरण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने छात्र-छात्राओ को पुरस्कार करते हुए उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी वीरसिंह मीणा ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा सरपंच रामहेत मीणा, अभिभावकों तथा दर्शकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विद्यालय मनमोहन जांगिड, सपना अवस्थी, ममता जांगिड, योगेश मिश्रा, विमलेश गंगावत, मिथुन, धनवंती मीना, कृष्णावतार शर्मा, रामस्वरूप बैरवा, रामकिशन मीणा, भंवर सिंह, बाबूलाल राजोरिया, कोमल शर्मा, नवीन सामरिया, शौर्य वर्धन सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, केशनता गुर्जर उपस्थित रहे।

राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय में मनाया बसंत उत्सव

टोंक(निसं)। बसंत पंचमी के अवसर पर शुक्रवार को मुख्यालय स्थित राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय परिसर में बसंत उत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्राचार्य प्रदीप चौधरी के सानिध्य में नर्सिंग छात्र छात्राओं द्वारा विधि विधान से सरस्वती देवी की पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर कनिष्ठ लेखाकार विजय कुमार बवावत , फेकल्टी वसीउल्लाह खान, सना खान, नाजिया, आशा शर्मा, रमेश विजयवर्गीय, सीताराम एवं किरण राठौड़ सहित छात्र सोमेश, रोहिताश, विशाल, कुसुम बाना, कुसुम सैनी सहित विद्यालय के छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया राखी राठौड़ का स्वागत

टोंक(निसं)। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ के टोंक आगमन पर जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक चर्चा कर केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक लोकतांत्रिक पार्टी है, भाजपा में फैसले संवैधानिक रूप से लिए जाते हैं, भाजपा की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता से है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष चौहान ने कहा कि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है, जो समर्पित कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है। भाजपा एक ऐसा संगठन है, जिसमें कार्यकर्ता सत्ता में हो या विपक्ष में, जनता की सेवा में निरंतर तत्पर रहता है।

ऋतुराज बसंत का स्वागत

दौसा(निसं)। सरस्वती टीचर्स ट्रेंनिंग कॉलेज दौसा में आज बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर वाणी की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. निकिता त्रिवेदी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र हर्षित शर्मा, रेणु, राधिका तिवाड़ी, नीतू शर्मा, नेहा गुर्जर, कल्पना योगी, रामेश्वर प्रजापत, जितेंद्र शर्मा, गार्गी शर्मा, दिलराज गुर्जर, सुरेन्द्र जांगिड़ आदि ने भाषण, कविता, आदि के माध्यम से मां सरस्वती की महिमा का बखान किया। मुख्य वक्ता प्राचार्य डॉ. निकिता त्रिवेदी ने बताया कि वसंत एक मौसम नहीं है बल्कि जीवन में आशा, उल्लास और नए आरम्भ का संदेश देने का उत्सव है। सृष्टि में ज्ञान विज्ञान और जितनी भी विद्याएं है, सबकी देवी मां सरस्वती है। माता सरस्वती ज्ञान की पराकाष्ठा है। जो ज्ञान, कला और सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

सीएचसी के नवीन भवन निर्माण का शिलान्यास समारोह समपन्न

चौमूं / कालाडेरा(निसं) । शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र चौमूं के राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र , इटावा भोपजी के नवीन भवन का शिलान्यास समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियो की उपस्थिति में भूमि पूजन कर नवीन भवन की आधारशिला रखी गई। अतिथियों द्वारा शिला पट्टिका का अनावरण कर भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि प्रदेश की भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं के लिए 1 लाख भर्तियों के लिए कलेंडर जारी किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा, चिकित्सा सहित सभी क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने का कार्य कर रही है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सीएचसी भवन निर्माण के लिए 8.32 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी की गई है, राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत राशि और ग्रामवासियों द्वारा किए सहयोग से भव्य भवन निर्माण होकर जनता की सेवा के लिए तैयार होगा। साथ ही उन्होंने वीर हनुमान जी सामोद के स्वीकृति को लेकर लोगों को जानकारी दी। कार्यक्रम में आमंत्रित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अविनाश गहलोत द्वारा वीडियो संदेश के माध्यम से शुभकामना संदेश भेजा, जिसे कार्यक्रम में डीजे पर चलाकर सभी को सुनाया गया। साथ ही इस अवसर पर मंच के माध्यम से भामाशाहों को वीर हनुमान जी की प्रतिमा ओर प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत सम्मान किया गया। स्थानीय सरपंच सुनीता राजकुमार सैनी ने अतिथियों का माला एवं दुप्पटा पहनाकर अभिनंदन किया।

इटावा भोपजी के नवीन भवन का शिलान्यास समारोह में मंत्री झाबर सिंह खर्रा एवं पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती व पूर्व विधायक उपस्थिति रहे।

- ग्राम इटावा भोपजी में सीएचसी के नवीन भवन निर्माण शिलान्यास समारोह में पहुंचे हजारों लोग, 51 किलो की माला पहनाकर किया अतिथियों का स्वागत

बालिकाओं को मिली निःशुल्क साइकिल खिल उठे चहरे

किशनगढ़ बास(निसं)। राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में बसंत पंचमी उत्सव, सुभाष चन्द्र बोस जयंती, मेगा पीटीएम एवं कृष्ण भोग साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 50 बालिकाओं को निशुल्क साइकिल वितरण की गई। राज्य सरकार की ओर से मिली साइकिल पाकर बालिकाओं चेहरे खुशी से खिल उठे।

प्रधानाचार्य मंजू यादव ने बताया कि एसडीएमसी सदस्यों की उपस्थिति में बसंत पंचमी उत्सव, सुभाष चंद्र बोस जयंती राज्य सरकार की निशुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर 50 बालिकाओं को अभिभावकों की उपस्थिति में राज्य सरकार की ओर निशुल्क प्रदान किए जाने वाली साइकिल वितरण की गई।

इस अवसर पर एसडीएमसी सदस्य हरमेश खुराना, जगदीश यादव, जय सिंह सरदार सहित विधालय स्टाफ मौजूद रहा।

बसंत पंचमी पर्व व नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती मनाई

- विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

शाहपुरा (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष भंवरलाल बुगालिया एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने श्री कल्याण सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शाहपुरा में "बसंत पंचमी एवं आजाद हिन्द फौज के कर्णधार नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

इस शिविर की अध्यक्षता सीमा जींजवाडिया द्वारा की गई। अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि नालसा योजना में बालक एवं बालिकाओं को संविधान प्रदत्त शिक्षा का अधिकार दिया गया है। बसंत पंचमी को ऋतुराज भी कहा गया है जिसमें सर्दी की विदाई एवं गर्मी का शुभारंभ होता है। इस समय विद्यार्थियों की फाइनल परीक्षा भी है। अत: जिस तरह बसंत ऋतु के आगमन पर पेड़-पौधे अपनी कमजोर पत्तियों का परित्याग करती है और नई कुपल नई पत्तियों के आगमन का समय आया है। उसी तरह आलस्य का परित्याग करके परीक्षा परिणाम आपको खुशियां में परिवर्तित हो जाये, आपको शिक्षा की और एकाग्रता रखते हुए नियमित रूप से पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करना है। नालसा योजना 2016 के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव एवं

नई चेतना 4.0" भारत सरकार के निर्देशन में महिला हिंसात्मक गतिविधियों एवं नशा से पीड़ित रोगी को नशे से बचाने के लिए जाग्रत करना है। इस शिविर में कार्यकारी प्रधानाचार्य सीमा जींजवाडिया ने कहा कि हमें भय रहित होकर अपनी समस्याओं को बताना है।

सुभाष चंद्र बोस जयंती पर कोटपुतली में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

कोटपूतली(निसं) । बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के पावन अवसर पर सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) के जिलास्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली में हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में जयपुर के कॉमर्स कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्यार्थियों को कई सौगातें दी, जिसमें 3.34 लाख छात्राओं को 130 करोड़ रुपए की निःशुल्क साइकिल वितरण एवं 4.40 लाख विद्यार्थियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर के पेटे 53 करोड रुपए की राशि का हस्तांतरण सहित 3.6 लाख छात्राओं को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 126.81 करोड़ रुपए की राशि का हस्तांतरण किया गया।

- विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल वितरण की मिली सौगातें

साथ ही 700 करोड रुपए की राशि सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तहत लाभार्थियों को हस्तांतरित की गई। इस दौरान राज्यभर में लाखों विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना एवं राष्ट्र गीत वंदे मातरम का गायन किया गया। प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में मेगा पीटीएम का आयोजन अब तक का सबसे बड़ा शैक्षिक सहभागिता कार्यक्रम था, जिसमें अभिभावकों ने अपने बच्चों के शैक्षिणक, सह-शैक्षिणक एवं सर्वांगीण विकास से संबंधित जानकारी शिक्षकों से साझा मंच पर प्राप्त की। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी द्वारा प्रतीकात्मक रूप से बालिकाओं को साइकिल वितरित की गई। इस दौरान समस्त उपस्थितगणों ने राष्ट्रगीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन एवं विद्यार्थियों ने वंदे मातरम् थीम पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम रामावतार मीणा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद मीणा सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण, अभिभावकगण एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। मंच संचालन जिला नोडल अधिकारी चिकित्सा रविकांत जांगिड ने किया।

बसंत पंचमी पर सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा पीटीएम का आयोजन

दौसा(निसं)। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जो जयपुर में आयोजित राज्य स्तर के कार्यक्रम से वर्चुअली जुड़ा हुआ था। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं तथा बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की गई तथा छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण किया गया। इस अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम से दौसा जिले में वृद्धावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत एक लाख 18 हजार लाभार्थियों को 11.28 करोड़ रुपए, एकल नारी पेंशन योजना में 35 हजार 900 लाभार्थियों को 3.50 करोड़ रुपए एवं विशेष योग्यजन पेंशन योजना के तहत 24 हजार 800 लाभार्थियों को 3 करोड़ रुपए डीबीटी से हस्तांतरित किए गए। इसी प्रकार गार्गी पुरस्कार योजना अन्तर्गत 2447 बालिकाओं के खातों में प्रथम किश्त के 73.41 लाख रुपए एवं 2029 बालिकाओं के खातों में द्वितीय किश्त के 60.87 लाख रुपए तथा बालिका प्रोत्साहन योजना में 4194 बालिकाओं के 2 करोड़ 9 लाख 70 हजार रुपए, पद्माक्षी पुरस्कार योजना में 24 बालिकाओं के 13.50 लाख रुपए, मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना में 8 बालिकाओं के 2 लाख 38 हजार 815 रुपए एवं आपणी बेटी योजना के तहत 154 बालिकाओं के खातों में 3 लाख 67 हजार 500 रुपए की राशि हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा का प्रेरणादायी उद्बोधन सुना। जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविन्द शर्मा, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी इन्द्रा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने बालिकाओं को साइकिल वितरित की। इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी उप निदेशक मंजू शर्मा, निदेशालय प्रतिनिधि सौरभ, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी शिवचरण लाल मीणा, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक गिर्राज प्रसाद मीना, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी अंजुल अभिभावक, विद्यार्थी एवं लाभार्थी उपस्थित थे।

- सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजनाओं के लाभार्थियों के खातों में डीबीटी से राशि हस्तांतरित की

जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

'गिव अप' अभियान में 20770 सदस्यों ने छोड़ा स्वेच्छा से लाभ

दौसा(निसं)। खाद्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे 'गिव अप' अभियान के तहत जिले में अब तक 4242 परिवारों के 20770 सदस्यों ने खाद्य सुरक्षा योजना से अपना नाम स्वेच्छा से हटवा लिया है तथा 1118 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। अपात्र लोग 28 फरवरी तक इस योजना से स्वेच्छा से नाम हटवा सकते हैं।

जिला रसद अधिकारी मोहन लाल देव ने बताया कि खाद्य विभाग ने 'गिव अप' अभियान के तहत सरकारी कार्मिक, आयकर दाता, एक लाख से अधिक वार्षिक आय, चार पहिया निजी वाहन वाले अपात्र श्रेणी के परिवारों को स्वेच्छा से राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से नाम पृथक कराने के लिए 28 फरवरी तक अंतिम अवसर दिया है। आवेदन प्रस्तुत कर अपना नाम एनएफएसए योजना से पृथक करवा सकते हैं। यदि इसके उपरान्त भी इन अपात्रता के श्रेणी में आने वाले परिवार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना से अपना नाम नहीं हटवाते हैं तो वसूली संबंधी कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया कि गिव अप् अभियान के तहत स्वेच्छा से नाम पृथक करने के लिए आवेदन प्राप्त होने पर जिले में अब तक 4242 परिवारों के 20770 सदस्यों का नाम इस योजना से हटाया गया है। साथ ही, 1118 परिवारों को अपात्रा होने के बावजूद नाम नहीं हटवाने पर कार्यालय से नोटिस जारी किए गए हैं जिनसे वसूली की कार्यवाही की जाएगी। जिला रसद अधिकारी मोहनलाल देव ने बताया कि अपात्र परिवारों की जांच कर चिह्नित करने के लिए विभाग ने अभियान तेज कर दिया है। अब क्षेत्रीय प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक एवं उचित मूल्य दुकानदारों से समन्वय स्थापित कर सघन जांच की जा रही है। खाद्य विभाग जल्द ही परिवहन विभाग से चार पहिया निजी वाहन मालिकों का डाटा लेकर अपात्रों को चिन्हित करेगा। इसके बाद वसूली की प्रक्रिया शुरू होगी। खाद्य सुरक्षा सूची में से अपात्रा परिवारों की सप्ताह में प्रत्येक कार्य दिवस को जांच रिपोर्ट जिला रसद कार्यालय एवं खाद्य विभाग को प्रेषित की जा रही है।

- 1118 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। अपात्र लोग 28 फरवरी तक इस योजना से स्वेच्छा से नाम हटवा सकते है

सैनी समाज की ओर से हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में 22 जोड़े बने हमसफर

पावटा(निसं)। उपखंड पावटा के राम मैरिज गार्डन में महात्मा फुले ब्रिगेड़ संस्था एवं ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज रजि. के संयुक्त तत्वावधान में सैनी समाज का 12वां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन पावटा के राम मैरिज गार्डन मे आयोजित किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में 22 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ। वही कार्यक्रम के दौरान सभी 22 दुल्हे पावटा सब्जी मंडी से घोड़ीयो पर सवार होकर नगर में घूमते हुए विवाह स्थल पहुँचे। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ संत श्री 1008 मोहनदास महाराज लीलकाधाम, मंगलदास महाराज टोरड़ा गुजरान, जानकीदास महाराज कोटपूतली की ओर से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलबाग सैनीव मुख्य वक्ता एवं अध्यक्षता विधायककुलदीप धनकड की रही।

इसके साथ ही समारोह उद्घाटनकर्ता भीमसेन सैनी आर्तेला उपखंड अधिकारी सीकर, सुरेश बादलीवाल भाजपा जिलाध्यक्ष जयपुर देहात उत्तर, नरेंद्र दत्त सैनी प्रागपुरा उद्योगपति गुरुग्राम, कैलाशराज सैनी एमजेएफ ग्रुप चेयरमैन चोमू रहे। वही कार्यक्रम मे मुख्य वक्ता के रूप मे मुख्य संरक्षक इंद्राज सिंह सैनी, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष प्रदीप सैनी, राष्ट्रीय महासचिव राजकुमार सैनी ने संबोधित किया। इस दौरान समाज के प्रबुद्ध जन एवं अन्य समाजों के अतिथियों ने पावटा में महात्मा फुले ब्रिगेड और आल इंडिया सैनी सेवा समाज के तत्वावधान में सैनी समाज आदर्श की ओर से आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान कर सुखमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद दिया।

- सामुहिक सम्मेलन और कार्यक्रम समाज सहित अन्य लोगों को एकजुटता से रहने कि आदर्श पहल- कुलदीप धनकड

ऑल इण्डिया सैनी सेवा समाज रजि.के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया।

16 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

कोटपूतली,(निसं)। यहां के राजकीय एलबीएस पी. जी. महाविधालय में शुक्रवार को 16 वॉ राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त संकायों एवं कार्मिकों को मतदाताओं द्वारा ली जाने वाली शपथ कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. उर्मिल महलावत द्वारा दिलवाई गई। महाविद्यालय की छात्राओं को मतदाता जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। छात्राओं को मत के महत्व मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया तथा लोकतंत्र में मतदान की भूमिका के विषय में विस्तारपूर्वक बताया गया। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता सक्रिय और जागरूक मतदाताओं पर निर्भर करती है तथा प्रत्येक योग्य नागरिक का मतदान करना उसका संवैधानिक दायित्व है। छात्राओं को स्वयं जागरूक बनने के साथ-साथ अपने परिवार एवं समाज में भी मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिये प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा मतदाताओं में लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करना ।

सार-समाचार

सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर टोंक में भार्गव ने किया माल्यार्पण

टोंक(निसं)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर मुख्यालय स्थित सुभाष सर्किल पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव ने माल्यार्पण कर उन्हे श्रृद्धाजंली दी तथा इस दौरान विवेकानंद स्कूल के छात्रों द्वारा पिरामिड बनाकर सलामी दी गयी। वही भारत विकास परिषद के सदस्यों, सुभाष सर्किल के स्थानीय व्यापारियो, तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सुभाष चन्द्र बॉस की प्रतिमा पर पुष्पवर्षा कर नेताजी के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर हितेष कुमार, ओम प्रकाश गुप्ता, भारत विकास परिषद के कार्यक्रम संयोजक अशोक शर्मा, अध्यक्ष रमेश काला, राधेश्याम शर्मा, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद शर्मा इत्यादि के अलावा स्थानीय व्यापारी आदि उपस्थित रहे।

11000 केवी बिजली लाइन टूटकर दुकानों पर गिरी, बड़ा हादसा टला

पावटा(निसं)। क्षेत्र में पावटा कस्बा स्थित नवोदय विद्यालय के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई जब 11000 केवी की हाईटेंशन बिजली लाइन अचानक टूटकर बाजार में स्थित दुकानों पर गिर गई। गनीमत रही कि घटना के समय दुकानों में मौजूद लोग सतर्कता दिखाते हुए तुरंत बाहर निकल आए, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई और बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक तेज आवाज के साथ बिजली के तारों में आग लग गई व बहुत देर तक धू धू कर जलने के बाद तार टूटकर नीचे गिरा, जिससे दुकानों के टीनशेड व अन्य सामान क्षितग्रस्त हो गए। घटना के बाद आसपास के व्यापारियों व राहगीरों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही बिजली विभाग को अवगत कराया गया, जिसके बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति तुरंत बंद कर दी गई। सूचना पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लाइन को सुरक्षित कर मरम्मत कार्य शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी खराबी अथवा पुराने तारों के कारण लाइन टूटने की आशंका जताई जा रही है, मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय व्यापारियों ने बिजली विभाग से मांग की है कि जर्जर हो चुकी लाइनों को जल्द बदला जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। समय रहते बिजली आपूर्ति बंद हो जाने से बड़ा नुकसान टल गया, लेकिन घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नुक्कड़ नाटक से बाल विवाह के खिलाफ किया जागरूक

टोंक(निसं)। निवाई के पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल में नुक्कड़ नाटक कर छात्रों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता फैलाई गई है। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल अधिकारिता विभाग और सिकोइडिकोन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में ये कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक नवल खान ने छात्रों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के मुख्य प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने विवाह की वैधानिक आयु, बाल विवाह के दुष्परिणामों और शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। सिकोइडिकोन संस्था ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल विवाह के प्रति जागरूकता फैलाई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्रों और स्कूल स्टाफ को बाल विवाह के विरुद्ध शपथ भी दिलाई गई।

घुमंतू आवास योजना के तहत 31 जनवरी तक आयोजित होंगे शिविर

कोटपूतली(निसं)। सरकार के निर्देशानुसार घुमंतू आवास योजना के तहत जिला कोटपूतली-बहरोड में 13 जनवरी से कैंप संचालित किए जा रहे हैं जो 31 जनवरी तक जारी रहेंगे। घुमंतु समुदाय (विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतु) के व्यक्तियों को केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इन सहायता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के जिला अधिकारी विपिन ने बताया कि सभी ब्लॉक एवं नगर पालिका नगर परिषद क्षेत्र में शिविर लगाए जा रहे हैं जिसमें वह घुमंतू समुदाय के व्यक्तियों के पहचान दस्तावेज तैयार कराए जाएंगे। सहायता शिविरों में ऑनलाइन घुमंतू पहचान प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, जाति प्रमाण पत्र, जन आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण पत्र आदि बनवाने के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री घुमंतू आवास योजना सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना पालनहार योजना आदि का लाभ दिया जाएगा।

विधानसभा क्षेत्र में दस उचित मूल्य की दुकानें हुई स्वीकृत

चौमूं / कालाडेरा (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र चौमूं में दस नवीन उचित मूल्य दुकान की स्वीकृति जारी की गई है। विगत दिनों पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग को पत्र लिखकर कर नवीन उचित मूल्य दुकाने खोलने की माँग की थी, जिस पर क्षेत्र में हाडौता अंजनी हनुमान मंदिर के पास, कालाडेरा- दूतों की ढाणी, आलीसर-कुमावतों की ढाणी, मण्डा-भिण्डा मीणों की ढाणी, अनन्तपुरा- बड़कोलाई की ढाणी, मोरीजा-खातियों की ढाणी, कुशलपुरा-बांसा खाल्डा, भोपावास- आंतेर माता के पास, डोला का बास- तोफान मीणा की ढाणी, हस्तेडा -वार्ड नं. 02 कुमावतों की ढाणी, शिव नगर हस्तेड़ा में नवीन दुकान स्वीकृत की है। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र में दस नवीन उचित मूल्य की दुकानों की स्वीकृति मिली है, जिससे आमजन को उपभोक्ताओ को राशन आसानी से उपलब्ध हो सकेगा।

प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव को लेकर श्योसिंहपुरा में निकाली भव्य कलश यात्रा

सिरस(निसं)। गांव श्योसिंहपुरा में अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के वार्षिकोत्सव को लेकर गुरुवार को महिलाओं ने विशाल भव्य कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा को छीला वाले बालाजी मंदिर परिसर में आचार्य पंडित रमाशंकर भारद्वाज ने पूजा अर्चना करवाकर रवाना किया। कलश यात्रा में 71 महिलाए कलशों को सिर पर धारण करके चल रही थी। कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा करके लोगों ने भव्य स्वागत किया। कलश यात्रा बालाजी मंदिर से रवाना होकर बरोनी सिरस रोड होते हुए नाथों के मोहल्ले में स्थित योगेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। जहां आचार्य अवधेश शर्मा ने वैदिक मंत्रो उच्चारण के साथ योगेश्वर महादेव का कलशों के जल से अभिषेक करवाया। सैंकडों श्रद्धालुओं ने भगवान योगेश्वर महादेव जी की आरती की। इसके बाद कलश यात्रा प्रजापत मोहल्ले होते हुए जाटों के मोहल्ले में स्थित श्रीरघुनाथ मंदिर पहुंची। जहां मंदिर में कलश स्थापना के बाद भगवान शिवजी का जलाभिषेक किया गया। इसके बाद महाआरती हुई। कलश यात्रा में प्रधान कलश सिर पर धारण करने का सौभाग्य बालिका पायल को मिला। कलश यात्रा के आगे आगे घोडी पर बैठकर ध्वजा लेकर चलने का सौभाग्य रामनिवास नाथ को मिला।

राजस्थान संपर्क पोर्टल पर नई सुविधा की शुरुआत

कोटपूतली (निसं)। राज्य सरकार द्वारा राजस्थान संपर्क शिकायत निवारण पोर्टल पर नागरिकों की सुविधा एवं पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से एक नई सुविधा प्रारंभ की गई है। अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन अभियोग निराकरण विभाग श्री दिनेश कुमार ने बताया कि इस नई व्यवस्था के अंतर्गत निस्तारित शिकायतों की एटीआर अब निस्तारण के बाद व्हाट्सएप के माध्यम से शिकायतकर्ता को भी उपलब्ध कराई जाएगी। शिकायत के निस्तारण के बाद संबंधित एटीआर व्हाट्सएप लिंक के माध्यम से सीधे शिकायतकर्ता को भेजी जाएगी, जिससे शिकायतकर्ता को विभाग द्वारा की गई कार्यवाही की जानकारी सरल, त्वरित एवं सहज रूप से दस्तावेजी रूप में प्राप्त हो सकेगी। इस नयी सुविधा के तहत अब शिकायतकर्ता विभाग द्वारा की गई कार्यवाही पर व्हाट्सएप के माध्यम से अपना फीडबैक भी दे सकेगा। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्हाट्सएप के माध्यम से एटीआर साझा करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

मुझे लगता है कि टेनिस के खेल को बढ़ावा देने के लिए, मैं बहुत कुछ कर सकता हूं। इसलिए, मैं टेनिस और अन्य खेलों के माध्यम से पूरे देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए, संबंधित अधिकारियों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। - लिएंडर पेस

पूर्व भारतीय टेनिस खिलाड़ी, टेनिस अकादमी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी स्टेन वावरिंका

मेलबर्न पार्क में खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 40 वर्षीय स्टेन वावरिंका ने अपने से लगभग आधी उम्र के फ्रांसीसी खिलाड़ी आर्थर जिया के खिलाफ पांच सेटों तक चले संघर्ष में जीत दर्ज की। यह मुकाबला चार घंटे 33 मिनट तक चला और वावरिंका ने 4-6, 6-3, 3-6, 7-5, 7-6 (10-3) से जीत हासिल की है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह मुकाबला शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ रहा। गौरतलब है कि मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब लगा कि उम्र और थकान स्विस खिलाड़ी पर भारी पड़ सकती है।

क्या आप जानते हैं ?... अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा रखे गए वनडे क्रिकेट रिकॉर्ड के अनुसार, भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच कुल 107 मैच खेले गए हैं। इनमें से 55 मैच भारत ने जीते हैं, जबकि न्यूजीलैंड ने 46 मैच जीते हैं।

बांग्लादेश ने अमेरिका को सात विकेट से हराया

हरारे, 23 जनवरी। कप्तान मोहम्मद अजीजुल हाकिम तमीम की 64 रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी की बदौलत बांग्लादेश अंडर-19 ने अमेरिका अंडर 19 को अंडर 19 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में शुक्रवार को सात विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश ने अमेरिका को 50 ओवर में नौ विकेट पर 199 रन पर रोकने के बाद 41.3 ओवर में तीन विकेट पर 201 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। हाकिम तमीम ने 82 गेंदों पर 64 रन की मैच विजयी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाए। अमेरिका की पारी में 41 रन पर तीन विकेट लेने वाले इक़बाल हुसैन एमोन को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

भारत ने भूटान को 11-3 से हराया

नोंथाबुरी (थाईलैंड), 23 जनवरी। भारत ने सैफ फुटसल चैंपियनशिप 2026 में शानदार तरीके से अपनी पहली जीत दर्ज की, और नोंथाबुरी स्टेडियम में भूटान को 11-3 से हराने के लिए एक दमदार अटैकिंग प्रदर्शन किया। निखिल माली ने हैट्रिक लगाई - उनके तीनों गोल गुस्वार रात मैच के आखिरी मिनट में किए गए। विसेंट लालतलुआंगजेला और अनमोल अधिकारी ने दो-दो गोल किए। जोनाथन लालरावंगबावला, लालसॉम्पिया और सीन डिसूजा ने एक-एक गोल किया, जबकि भूटान के जिग्मन सेल्टोब दोरजी ने एक आत्मघाती गोल किया। इस बड़ी जीत से भारत चार मैचों में पांच अंकों के साथ स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। हालांकि, मालदीव के दिन में पहले नेपाल को 2-1 से हराने के बाद फुटसल टाइगर्स पहले ही टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान की दौड़ से बाहर हो गए थे। मालदीव फिलहाल चार मैचों में 12 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को नौ विकेट से पीटा

विंडहोक, 23 जनवरी। विल बैरोम (14 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 ने श्रीलंका अंडर-19 को अंडर-19 विश्व कप के ग्रुप ए मुकाबले में शुक्रवार को नौ विकेट से पीट दिया। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को 18.5 ओवर में मात्र 58 रन पर समेटने के बाद 12 ओवर में एक विकेट पर 62 रन बनाकर मुकाबला आसानी से जीत लिया। स्टीवन होगान ने 27 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 28 और नितेश सैमुअल ने नाबाद 19 रन बनाये। होगान ने विजयी चौका मारा। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ग्रुप में टॉप पर रहा और इस गेम के पॉइंट्स अगले राउंड में ले जाएगा। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का सही फैसला किया। श्रीलंका की टीम 13 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद मुकाबले में नहीं लौट पाई। श्रीलंका की तरफ से कविजा गमगे ने 10 और चमिका हीनातिगाला ने 14 रन बनाये। अन्य कोई बल्लेबाज दहाई की संख्या में नहीं पहुंच सका और पूरी टीम 58 रन पर सिमट गयी। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से विल बैरोम ने 6.5 ओवर में 14 रन देकर पांच विकेट झटके जबकि चार्ल्स लचमुंड और कैसी बार्टन को दो-दो विकेट मिले।

एलिस बीबीएल फाइनल्स से बाहर

सिडनी, 23 जनवरी। सिडनी सिक्सर्स के खिलाफ अपने चैलेंजर मैच से पहले होबार्ट हरिकेंस को एक बड़ा झटका लगा है, कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण बिग बैश लीग 2025-26 के बाकी मैचों से बाहर हो गए हैं। एलिस, जो इस हफ्ते की शुरुआत में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ बारिश से प्रभावित तीन रन की जीत में नहीं खेल पाए थे, सिडनी गए थे और चैलेंजर में खेलने की उम्मीद में हरिकेंस की 14 खिलाड़ियों की टीम में शामिल थे। हालांकि, 31 वर्षीय तेज गेंदबाज को एससीजी में मैच से कुछ घंटे पहले ही टीम से हटा दिया गया और उनकी जगह बल्लेबाज चार्ली वाकिम को शामिल किया गया है। क्लब ने शुक्रवार दोपहर एक बयान में कहा, ''होबार्ट हरिकेंस पुष्टि कर सकता है कि कप्तान नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण बीबीएल सीजन के बाकी मैचों और बीबीएल/15 फाइनल से बाहर रहेंगे।'' ''एलिस, जो बुधवार रात नॉकआउट में नहीं खेल पाए थे, बीबीएल/15 फाइनल के आखिरी दो मैचों के लिए वापसी करने का लक्ष्य बना रहे थे, लेकिन दुर्भाग्य से चोट से उबर नहीं पाए।''

सूर्यकुमार और ईशान के तूफानी अर्द्धशतकों से भारत को 2-0 की बढ़त

रायपुर, 23 जनवरी। कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 82) और वापसी कर रहे ईशान किशन (76) के आतिशी अर्धशतकों से भारत ने न्यूजीलैंड को दूसरे टी 20 मुकाबले में शुक्रवार को सात विकेट से हराकर 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली। न्यूजीलैंड ने कप्तान मिचेल सेंटनर (नाबाद 47) और रचिन रवींद्र (44) की शानदार पारियों की बदौलत छह विकेट पर 208 रन का मजबूत स्कोर बनाया लेकिन भारत ने 15.2 ओवर में सात विकेट पर 209 रन बनाकर एकतरफा जीत हासिल की। भारत ने इस तरह 200 से ऊपर की सबसे तेज रन चेज हासिल की।

सूर्या ने 37 गेंदों पर नाबाद 82 रन में नौ चौके और चार छक्के मारे जबकि भारतीय टीम में वापसी करने वाले ईशान किशन ने अपनी उपयोगिता साबित करते हुए 32 गेंदों पर 76 रन में 11 चौके और चार छक्के मारे। शिवम दुबे ने 18 गेंदों पर नाबाद 36 रन में एक चौका और तीन छक्के उड़ाए। जवाब में, भारत की शुरुआत थोड़ी लड़खड़ाती हुई रही क्योंकि संजू सैमसन (6) और अभिषेक शर्मा (0) जल्दी आउट हो गए। हालाँकि, इस झटके को ईशान किशन ने तेजी से दूर कर दिया, जिन्होंने एक ज़बरदस्त पलटवार किया, न्यूज़ीलैंड की गेंदबाज़ी की धज्जियाँ उड़ा दीं और पावरप्ले के अंदर सिर्फ़ 21 गेंदों में तूफ़ानी अर्धशतक बनाया। दूसरी तरफ, सूर्यकुमार यादव ने किशन के आउट होने के बाद पारी को समझदारी से संभाला और फिर अपनी फिफ्टी पूरी की - लंबे समय तक खराब फॉर्म के बाद इस फॉर्मेट में यह उनकी पहली फिफ्टी थी।

इसके बाद शिवम दुबे ने मेहमान टीम पर दबाव बनाए रखा, स्ट्राइक रोटेट करते रहे और नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाते रहे। भारतीय बल्लेबाजों ने लगातार मोमेंटम बनाए रखा, जिससे 16वें ओवर में ही लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया गया। यह भारत का एक शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन था, जिसमें कप्तान ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और एक बड़ी जीत पूरी करने के लिए एक महत्वपूर्ण पारी खेली। ईशान और सूर्या ने 48 गेंदों में 122 रन की तूफ़ानी साझेदारी की जबकि सूर्या ने शिवम के साथ 37 गेंदों पर 81 रन की अविजित साझेदारी की।

न्यूज़ीलैंड की तरफ से जैक फॉक्स सबसे महंगे रहे। उनके तीन ओवर में दिए गए 67 रन किसी भी न्यूज़ीलैंड के गेंदबाज द्वारा टी20 में दिए गए सबसे ज़्यादा रन हैं, जो 2018 में ऑकलैंड में ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ बेन व्हीलर के 3.1 ओवर में दिए गए 64 रनों से ज़्यादा हैं।

इससे पहले भारत के खिलाफ़ न्यूज़ीलैंड ने अपना सबसे बड़ा टोटल बनाया, जिसने 2017 में राजकोट में बनाए गए 196/2 के स्कोर को पीछे छोड़ दिया। साथ ही यह बिना किसी व्यक्तिगत 50 स्कोर के न्यूज़ीलैंड का सबसे बड़ा टी20 टोटल भी है।

टी-20 विश्व कप 2026 : भारत न आने पर भड़के, यह बांग्लादेश का नुकसान है : मो. अजहरुद्दीन

नई दिल्ली, 23 जनवरी। तेलंगाना के मंत्री और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि आगामी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के मैचों के लिए बांग्लादेश का भारत न आने का फैसला अंततः उनके लिए नुकसानदेह साबित होगा। अजहरुद्दीन ने कहा कि भारत की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बांग्लादेश की शिकायत करना अनुचित है, क्योंकि न्यूजीलैंड इस समय भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका भी हाल ही में यहां खेला था। अजहरुद्दीन ने कहा कि अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका नुकसान है। वे हमारी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शिकायत नहीं कर सकते। कई अंतरराष्ट्रीय मैच चल रहे हैं और किसी भी टीम ने शिकायत नहीं की है। अगर वे नहीं आते हैं, तो यह उनका और उनके खिलाड़ियों का नुकसान होगा। हमारा देश बहुत सुरक्षित है। सभी टीमें खेल रही हैं। न्यूजीलैंड इस समय भारत में खेल रहा है और दक्षिण अफ्रीका कुछ ही दिन पहले यहां खेला था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि विश्व कप के मैचों को बार-बार इधर-उधर नहीं किया जा सकता। चूंकि मैच पहले से ही निर्धारित हैं, इसलिए, मैचों को बदलना बहुत मुश्किल है। अजहरुद्दीन की ये टिप्पणी बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा अपने खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से मैचों को भारत से बाहर श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध के बाद आई है। बीसीबी का यह अनुरोध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के मद्देनजर आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 2026 सीजन से पहले बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर को टीम से बाहर करने के निर्देश देने के बाद आया है।

अफरीदी, बाबर ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए पाक टी-20 टीम में शामिल

इस्लामाबाद, 23 जनवरी। शाहीन शाह अफरीदी पिछले महीने घुटने के लिगामेंट की चोट के कारण बीबीएल से बाहर होने के बाद पहली बार पाकिस्तान टीम में लौटे हैं, ताकि अगले हफ्ते शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया का सामना कर सकें। बाबर आजम ने भी बीबीएल में खराब प्रदर्शन के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है, जबकि ऑस्ट्रेलिया में हारिस रऊफ का शानदार प्रदर्शन टीम में जगह वापस पाने के लिए काफी नहीं रहा। पाकिस्तान की 16 सदस्यीय टीम लाहौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी, जिसके बाद दोनों टीमें भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रवाना होंगी।

आरुष तिवारी ने फिगर और स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आरुष तिवारी ने 6वें संस्करण के खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026 में फिगर और स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता 20 से 26 जनवरी 2026 तक लेह में आयोजित हुई थी। उन्होंने भारत के 19 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए बेसिक नोविस बॉयज श्रेणी में यह पदक जीता। यह संस्करण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि पहली बार खेलो इंडिया विंटर गेम्स में फिगर स्केटिंग को शामिल किया गया है तथा न्यूनतम आयु सीमा को घटाकर 13 वर्ष कर दिया गया है।

वर्ष 2025-26 आरुष के लिए अत्यंत शानदार रहा है, क्योंकि वह भारत के एकमात्र स्केटर हैं जिन्होंने अपने द्वारा भाग ली गई सभी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आइस स्केटिंग प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। उनकी प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं: स्वर्ण पदक - 20वीं फिगर एवं स्पीड स्केटिंग राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025, देहरादून, भारत। कांस्य पदक - एशियन ओपन फिगर एवं आइस स्केटिंग चैम्पियनशिप 2025, मनीला, फिलीपींस। कांस्य पदक - 6वां खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026, लेह, भारत। बिजनेस वर्ल्ड जेन और जेन अल्फा चेंज मेकर्स अवार्ड्स 2.0 - खेल श्रेणी।

बुमराह के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे

नई दिल्ली, 23 जनवरी। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुक्रवार को क्रिकेट के सबसे ऊँचे लेवल पर एक दशक पूरा होने का जश्न मनाया, जिसमें उन्होंने एक जोशीले युवा फ़ैन से खेल के सबसे असरदार गेंदबाज़ों में से एक बनने के अपने सफ़र के बारे में बताया। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, बुमराह ने लिखा, उस बच्चे के सपने को जीने के 10 साल, जिसे उस खेल से प्यार हो गया जिसने उसे ऐसा महसूस कराया जैसा इस दुनिया में कुछ भी नहीं करा सकता, उन्होंने आगे कहा कि सोच और सोच के ख़िलाफ़ जाने का उनका सफ़र परिवार और विश्वास के सपोर्ट से जारी है।

बुमराह ने जनवरी 2016 में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, जहाँ वह टी20 सीरीज़ में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बने थे। पिछले एक दशक में, दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दुनिया भर के क्रिकेट के तीनों फ़ॉर्मेट में सबसे असरदार गेंदबाज़ों में से एक का नाम कमाया है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 में आईसीसी मेन्स प्लेयर रैंकिंग में नंबर 1 रैंकिंग हासिल करने वाले पहले बॉलर हैं, और तीनों फ़ॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बॉलर हैं। बुमराह घरेलू क्रिकेट में गुजरात और इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को रिप्रेजेंट करते हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजों में, वह सबसे तेज 200 टेस्ट विकेट और दूसरे सबसे तेज 100 वनडे विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 2024 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, जहां 4.17 की इकॉनमी रेट से 15 विकेट लेने के बाद उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। बुमराह 2016 में एक कैलेंडर साल में टी20 में 28 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी थे। उन्होंने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया और तब से लीडरशिप की जिम्मेदारी संभाली है, दिसंबर 2023 से भारत के टेस्ट वाइस-कैप्टन के तौर पर काम कर रहे हैं और रेगुलर कप्तान रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में तीन मौकों पर टीम को लीड किया है।

उनके करियर की उपलब्धियों में 2018 और 2024 में आईसीसी मेन्स टेस्ट टीम ऑफ़ द ईयर, 2017 और 2018 में आईसीसी मेन्स वनडे टीम ऑफ द ईयर और 2024 में आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ द ईयर में चुना जाना शामिल है। उन्हें आईसीसी मेन्स टी20 टीम ऑफ़ द डिकेड (2011-2020) में भी चुना गया था, उन्होंने तीन बार पॉली उमरीगर अवॉर्ड जीता है और 2022 में विजडन के क्रिकेटर्स ऑफ द ईयर में शामिल किया गया था।

गॉफ लगातार चौथी बार चौथे राउंड में

मेलबर्न, 23 जनवरी। शुक्रवार दोपहर को मार्गरेट कोर्ट एरिना में फैंस ने दानिल मेदवेदेव को दो सेट से पिछड़ने के बाद एक शानदार वापसी करते देखा, उसके बाद उन्हें महिलाओं के वर्ग में एक और मैच देखने को मिला जो पूरे समय तक चला।

सरफराज के दोहरे शतक से मुंबई का विशाल स्कोर

हैदराबाद, 23 जनवरी। सरफराज खान (227) के शानदार दोहरे शतक की मदद से मुंबई ने हैदराबाद के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को पहली पारी में 560 रन का विशाल स्कोर बना लिया। सरफराज ने कल के 142 रन से और मुंबई ने चार विकेट पर 332 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। सरफराज 219 गेंदों पर 19 चौकों और नौ छक्कों की मदद से 227 रन बनाकर छठे बल्लेबाज के रूप में टीम के 488 के स्कोर पर आउट हुए। सुवेद पारकर ने 98 गेंदों में 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 75 रन बनाये। अथर्व अंकोलेकर ने नाबाद 35 रनों का योगदान दिया। हैदराबाद की तरफ से रक्षण रेड्डी ने 107 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट लिए। हैदराबाद ने स्टंप्स तक दो विकेट खोकर 138 रन बना लिए हैं और वह अभी पहली पारी में 422 रन से पीछे है। वडोदरा। बड़ौदा ने नागालैंड को एलीट ग्रुप ए मैच में पारी और छह रन से हरा दिया। नागालैंड की टीम दूसरी पारी में 141 रन पर लुढ़क गयी। महेश पिठिया और अतीत सेठ ने तीन-तीन विकेट लिए। राजकोट। सौराष्ट्र ने पंजाब को एलीट ग्रुप बी मैच में 194 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। पंजाब की टीम 320 रन के लक्ष्य के सामने दूसरी पारी में 125 रन पर सिमट गयी। धर्मेंद्रसिंह जडेजा और पार्थ भट्ट ने पांच-पांच विकेट झटके। पहली पारी में शून्य पर लुढ़कने वाले पंजाब के कप्तान शुभमन गिल दूसरी पारी में 14 रन बनाकर आउट हो गए। बेंगलुरु। आयुष पांडेय (नाबाद 161) और आयुष तिवारी (108) के शानदार शतकों की मदद से छत्तीसगढ़ ने दिल्ली के खिलाफ एलीट ग्रुप डी मैच में दो विकेट पर 351 रन बनाकर 135 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कावंट और मेंटोर पंकज सिंह ने पद से इस्तीफा दिया

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। कोर्ट से राहत मिलने के बाद अब राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कांवट और मेंटोर पंकज सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद न सिर्फ खिलाड़ी और क्रिकेट लवर्स, बल्कि राजस्थान सरकार के सामने भी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मौजूदा स्थिति को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की सीनियर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन राहुल कांवट और पंकज सिंह ने शुक्रवार शाम इस्तीफा दिया। इसमें दोनों ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के मौजूदा हालात में काम करने को लेकर असमर्थता जाहिर की है। दोनों पदाधिकारियों ने एडहॉक कमेटी कन्वीनर दीनदयाल कुमावत और कमेटी के चारों सदस्यों को ईमेल के जरिए इस्तीफा भेजा।

कांवट ने कहा राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के मौजूदा हालात काफी खराब हैं। हम खिलाड़ियों के हित में काम करने के लिए यहां आए थे, लेकिन फिलहाल जो कंट्रोवर्सी राजस्थान क्रिकेट में चल रही है। उससे सबसे ज्यादा अहित खिलाड़ियों का ही हो रहा है।

कन्वीनर और मौजूद सदस्यों में बन नहीं रही, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के मौजूदा हालात काफी खराब हैं। हम खिलाड़ियों के हित में काम करने के लिए यहां आए थे, लेकिन फिलहाल जो कंट्रोवर्सी राजस्थान क्रिकेट में चल रही है। उससे सबसे ज्यादा अहित खिलाड़ियों का ही हो रहा है। कन्वीनर और मौजूद सदस्यों में बन नहीं रही है। इसकी वजह से हम लोगों को जहां खिलाड़ियों के लिए काम करना चाहिए था। वहीं कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जो पूरी तरह गलत है।

ऐसे में इन हालात से परेशान होकर मैंने और पंकज सिंह ने पद से इस्तीफा देने का फैसला किया। हम इस तरह के हालात में काम नहीं कर सकते या फिर यह कहें कि जो भी व्यक्ति क्रिकेट की भलाई के लिए काम करना चाहता है। वह फिलहाल राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में काम नहीं कर सकता है।

विलिंगडन ओपन स्क्वैश में जयपुर के धैर्य और अमय ने जीते खिताब

जयपुर, 23 जनवरी। सवाई मानसिंह स्टेडियम स्थित राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के धैर्य गोगिया और अमय महाजन ने हाल ही मुम्बई में आयोजित विलिंगडन ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में अपने- अपने आयु वर्ग के खिताब जीत लिए। एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा के अनुसार धैर्य गोगिया ने फाइनल में रोहन खुराना को सीधे सेटों में 11-6, 11-2, 11-7 से हरा अंडर-13 बॉयज का खिताब अपने नाम किया। वहीं अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी में अमय महाजन ने फाइनल में वैभव वीसी को 11-3, 11-5, 12-10 से हरा खिताबी जीत दर्ज की। सुरभि ने बताया कि अंडर-9 मिक्स्ड कैटेगरी में राजस्थान की एक अन्य खिलाड़ी लक्षाण्या राजावत तीसरे स्थान पर रही, जबकि अंडर-11 कैटेगरी में गौरवी अजमेरा ने चौथा स्थान हासिल किया।

हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण टी-20 विश्व कप से बाहर हुए एडम मिल्ने

आकलैंड, 23 जनवरी। न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज एडम मिल्ने एसए20 के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के कारण 2026 टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह टीम में काइल जेमीसन को शामिल किया गया है। मिल्ने को यह चोट पिछले रविवार सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए खेलते हुए एमआई केप टाउन के ख़िलाफ लगी थी। स्कैन में मांसपेशियों में खिंचाव की बात सामने आई। उन्होंने इस टूर्नामेंट में 16.27 की औसत और 7.61 की इकॉनमी से 11 विकेट लिए थे। न्यूज़ीलैंड के प्रमुख कोच रॉब वॉल्टर ने कहा, ''हम सभी एडम के लिए बेहद निराश हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के लिए ख़ुद को तैयार करने में काफ़ी मेहनत की थी और ईस्टर्न केप सनराइजर्स के लिए अपने आठ मैचों में वह अपनी बेहतरीन फ़ॉर्म में लौटते हुए दिख रहे थे। उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण समय है और हम उनके जल्द ठीक होने की कामना करते हैं।'' जेमीसन इस समय भारत दौरे पर टीम का हिस्सा हैं। उन्हें विश्व कप के ट्रैवलिंग रिजर्व से मुख्य दल में शामिल किया गया है। 31 जनवरी तक दल में बिना रोकटोक बदलाव किए जा सकते हैं, उसके बाद किसी भी बदलाव के लिए आईसीसी की मंज़ूरी जरूरी होगी।

शानदार सिक्सर्स ने पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ छठे फाइनल की तारीख तय की

सिडनी, 23 जनवरी। सिर्फ़ दो रात पहले, सिडनी सिक्सर्स पूरब की ओर उड़े थे, घायल और निराश। लेकिन अब उन्हें वापसी का मौका मिला है। पूरे ऑस्ट्रेलिया में 3200 किलोमीटर की यात्रा को उलटने का अधिकार हासिल करने के बाद, वे अब किस्मत के मुहाने पर खड़े हैं। ऑप्टस स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ़ छठा फाइनल उनका इंतज़ार कर रहा है। इस पल तक पहुँचने के लिए, लीग के सबसे बड़े मंच पर आठवीं बार जगह पक्की करने के लिए।

राजस्थान-असम अंडर-23 मैच : पहले दिन रजत बघेल का शतक, राज शर्मा का नाबाद अर्द्धशतक

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में आज से जयपुर में के एल सैनी स्टेडियम पर शुरू हुए राजस्थान - असम अंडर 23 मैच के पहले दिन रजत बघेल का शानदार शतक व राज शर्मा का अर्धशतक।

पहले दिन का स्कोर : - राजस्थान पहली पारी 212/3, टीम के लिए रजत बघेल 145 रन (184 गेंद, 23 चोक्के, 3 छक्के), राज शर्मा नाबाद 52 रन बनाकर खेल रहे हैं। आसामके गेंदबाज हर्ष कुमार 58/2 विकेट। राजस्थान - हिमाचल रणजी मैच (दूसरे दिन का स्कोर), हिमाचल पहली पारी 406 आल आउट। राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 76/3, खलील अहमद 68/3, अनिकेत चौधरी 79/2 विकेट प्राप्त किये।राजस्थान पहली पारी 115/6, दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 115 रन बना लिए थे। टीम के लिए सलमान खान 32, मुकुल चौधरी 24, दीपक हुड्डा 15, शिवा चौहान 15 (रिटायर्ड हर्ट) रनो का योगदान दिया। हिमाचल के गेंदबाज मुकुल नेगी 16/3, आर्यमन धालीवाल 35 / 2 विकेट।

जयपुर पोलो सीजन का पहला एग्जीबिशन मैच आज

जयपुर, 23 जनवरी। जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत, सीज़न का पहला एग्ज़िबिशन मैच, रघु सिन्हा माला माथुर मेमोरियल कप 24 जनवरी को दोपहर 3.30 बजे राजस्थान पोलो क्लब में खेला जाएगा। यह मुकाबला टीम आरपीसी और टीम मालार्पण के बीच खेला जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस, राजीव कुमार शर्मा होंगे।

टीम मालार्पण से लोकेंद्र सिंह धीरावत, प्रताप सिंह कानोता, भवानी सिंह कालवी और एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह खेलेंगे। दूसरी ओर, टीम आरपीसी से मिर्जा मोहम्मद बेग, मयूरध्वज सिंह तलाबगांव, राव हिम्मत सिंह बेदला और लांस वॉटसन खेलेंगे। वहीं, शनिवार, 24 जनवरी को राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप का सेमिफाइनल पीपीसी ग्राउंड पर दोपहर 12 बजे और 1 बजे खेला जाएगा। जिसमें जिंदल बेदला और वी पोलो टीम के बीच तथा रामबाग और ऑप्टिमस अचीवर्स के बीच टक्कर होगी। कप का फाइनल रविवार, 25 जनवरी को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर दोपहर 3.30 बजे खेला जाएगा।

संतोष ट्रॉफी में राजस्थान की धमाकेदार जीत, तमिलनाडु को 1/0 से हराया

जयपुर, 23 जनवरी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के द्वारा आयोजित फाइनल राउंड संतोष ट्रॉफी मैच में राजस्थान ने शानदार खेल दिखाते हुए तमिलनाडु को 1/0 से हराकर 3 अंक हासिल किए आज खेले गए मैच में प्रथम हाफ दोनों टीमें शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे पर काफी हमले किए पर गोल नहीं हो पाया ओर गोल रहित रही ! लेकिन द्वितीय हाफ में राजस्थान टीम ने दमखम कि साथ खेलते हुए तमिलनाडु पर दबाव बनाए रखा और मैच के 78 वे मिनट में राजस्थान कि ईशान राजोरिया ने शानदार क्रॉस पास से अदनान ने गोल कर बढ़त दिलाई जो अंत तक क़ायम रही राजस्थान का अगला मुक़ाबला 25 जनवरी को पश्चिम बंगाल से होगा।

अभी तक राजस्थान ने ग्रुप में 5 में से 2 मैच खेले हैं जिनमें से राजस्थान ने दोनों में जीत कर के 6 अंक हासिल कर लिये है इसके पहले उत्तराखंड को 3/2 से आया था यह राजस्थान टीम के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है संघ के अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल, महिला विंग कि चेयरपर्सन रोशनी टाक, सचिव दिलीप सिंह शेखावत, और समस्त राजस्थान फुटबाल संघ सभी पदाधिकारी और भूतपूर्व फुटबॉल प्लेयर्स ने खिलाड़ियों की जीत पर बधाई दी।

देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने वसंत पंचमी एवं नेताजी की जयन्ती पर सरस्वती वंदन, युवा संवाद व मेगा पीटीएम को संबोधित किया

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि युवा शक्ति किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होती है। देश-प्रदेश की तरक्की में युवाओं की निर्णायक भूमिका है। युवा देश के वर्तमान भी हैं और भविष्य भी हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर कदम पर

- **इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर व उदयपुर के छात्र-छात्राओं के अभिभावकों व शिक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित किया। इस अवसर पर उनको राजस्थान में 7 नवम्बर 2025 को विद्यालयों में सामूहिक वंदे मातरम गायन के वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज होने पर सर्टिफिकेट भेंट किया गया।

प्रदेश के विद्यार्थियों और युवाओं के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने राजकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए जयपुर में विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल खोलने की घोषणा भी की।

शर्मा शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के अवसर पर कॉमर्स कॉलेज में आयोजित सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा पीटीएम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बसंत पंचमी की बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश में 75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना कर शिक्षा की देवी को नमन किया गया है। उन्होंने कहा कि सुभाष चन्द्र बोस ने आजाद हिन्द फौज की स्थापना कर देश की आजादी में योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर जारी किया गया है। निजी क्षेत्र में करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार मिला है।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि मेगा पीटीएम में मुख्यमंत्री का विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों से संवाद हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी सुभाषचन्द्र बोस को पुष्प अर्पित कर नमन किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यभर में जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर, उदयपुर के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं शिक्षकों से संवाद किया।

इस दौरान सांसद मंजू शर्मा, राव राजेन्द्र सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका, शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल सहित, शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित थे।

'बांग्लादेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर आम चुनाव ऐसे हालात में होते हैं, जब अवामी लीग को चुनाव में हिस्सा लेने से ही रोक दिया गया है, तो अगली सरकार का कट्टर इस्लामी ताकतों के हाथ में जाना तय है। यह भारत के हितों के खिलाफ होगा और पूरे क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति को बदल सकता है।

बांग्लादेश के कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों ने भारत के उत्तर-पूर्व को शेष भारत से काट देने की धमकी भी दी है। इसके लिए वे उत्तर बंगाल के सिलागुड़ी क्षेत्र में स्थित उस संकरे गलियारे को बाधित करने की बात कर रहे हैं, जो उत्तर-पूर्व को देश के बाकी हिस्से से जोड़ता है। इसी वजह से बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम को लेकर गहरी चिंता बनी हुई है। इस क्षेत्र में अमेरिका के साथ-साथ पाकिस्तान और चीन का दखल, पूर्वी भारत और उत्तर-पूर्व की सुरक्षा व स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन सकता है। अमेरिकी नीतियों को लेकर बनी पूरी अनिश्चितता और डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए भारी टैरिफ को देखते हुए, भारत अपने पूर्वी पड़ोस में हो रहे घटनाक्रम और अमेरिका की संभावित दखलअंदाजी को लेकर दोहरी चिंता और सतर्कता की स्थिति में है।

'चीन के पास फ्री पास था ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाजारों पर निर्भर हैं, उनके मुकाबले भारत अपनी विशाल और बढ़ती माँग तक एक्सैस (पहुँच) देता है। इससे भारत कमजोर स्थिति से नहीं, बल्कि मजबूती से बातचीत कर सकता है।

मित्तल ने जोर दिया कि भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचे में तेजी से हो रहे सुधार से इस लाभ को और मजबूत किया जा रहा है। हाईवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे, बिजली व्यवस्था और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क अभूतपूर्व गति से बढ़ रहे हैं, जिससे उद्योगों की लागत और अड़चनें कम हो रही हैं। उतना ही महत्वपूर्ण है भारत का डिजिटल सार्वजनिक ढांचे में शुरुआती निवेश। आधार, यूपीआई और व्यापक इंडिया स्टैक जैसे प्लेटफॉर्म ने भुगतान, पहचान सत्यापन (आइडैंटिटी वैरिफिकेशन) और सेवाओं की आपूर्ति को बदल दिया है। इससे लेन-देन की लागत घटी है और कंपनियों को तेजी से बढ़ने में मदद मिली है। बढ़ते टैरिफ और रैगुलेटरी रूकावटों वाली दुनिया में यह अंदरूनी कुशलता मजबूती पैदा करती है।

मित्तल ने सुझाव दिया कि सार्वजनिक निवेश ने वैश्विक अनिश्चितता के दौर में स्टेबलाइज़र की भूमिका निभाई है। महामारी के बाद जब कई अर्थव्यवस्थाएं झटकों से जूझ रही थीं, तब भारत ने सरकारी पूँजी खर्च का इस्तेमाल करके निजी निवेश को प्रोत्साहित किया और विकास की गति बनाए रखी। इसी कारण भारत वैश्विक व्यापार की रफ्तार धीमी होने और भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बावजूद दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना रहा।

मित्तल ने कहा, अमेरिका की व्यापार नीति को लेकर बनी अनिश्चितता, खासकर वॉशिंगटन से बदलते संकेतों के बीच, भारत की संभावनाओं को मूल रूप से नहीं बदलती है। भारत को कड़ी बातचीत और कई बार दंडात्मक टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। लेकिन इसका आकार, रणनीतिक महत्व और ग्लोबल सप्लाई चेन के विविधीकरण (डायवर्सिफिकेशन) में इसकी भूमिका इसे नजरअंदाज करना असंभव बना देती है। अंततः संतुलित नतीजे सामने आएंगे, किसी मेहरबानी से नहीं, बल्कि जरूरत के कारण। मित्तल के शब्दों में, भारत इसलिए नहीं जीतेगा कि दुनिया उस पर दयालु है, बल्कि इसलिए जीतेगा, क्योंकि भारत को बाहर रखना व्यावहारिक नहीं है।

दावोस में संदेश साफ था, दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने का भारत का रास्ता औटोमैटिक नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह संभव है। इसके लिए मैन्युफैक्चरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, कौशल और तकनीक में बड़े पैमाने पर लगातार ध्यान देना होगा। साथ ही, भारत को अपनी बातचीत की ताकत पर भरोसा रखना होगा और ज्यादा बंटी हुई, कम उदार वैश्विक व्यवस्था में धैर्य के साथ आगे बढ़ना होगा।

चीन का बिना रोक-टोक निर्यात आधारित विस्तार का दौर भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन मित्तल का मानना है कि भारत का समय अब शुरू हो रहा है, जो किसी "फ्री पास" से नहीं, बल्कि मेहनत से हासिल की गई ताकत और अपरिहार्य वैश्विक महत्व से आकार लेगा।

अगले ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बचाने और लोगों पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। एमेज़ॉन ने दिसंबर में अपने वार्षिक एडब्ल्यूएस क्लाउड कंप्यूटिंग सम्मेलन के दौरान अपने नवीनतम एआई मॉडल का प्रदर्शन किया था। एमेज़ॉन के 1.58 मिलियन कर्मचारी है और 30,000 इसका छोटा सा हिस्सा है, लेकिन ये कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत है। एमेज़ॉन के अधिकांश कर्मचारी पूर्ति केन्द्रों और गोदामों में काम करते हैं। यह एमेज़ॉन के तीन दशकों के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी। कंपनी ने 2022 में लगभग 27,000 नौकरियाँ कम की थीं।

उत्तराखंड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता कम होने और रनवे पर बर्फ की मोटी परत जमा होने के कारण सभी उड़ानों को रद्द कर दिया गया है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ अपनी मुवक्किल, एक विधवा महिला, के लिए राहत मांगते हुए बहस की थी, जिसका बिजली कनेक्शन 1.30 लाख रुपये के बकाया के कारण काट दिया गया था।

सुनवाई के दौरान, तिवारी ने कहा था कि उनकी मुवक्किल 25,000 रुपये जमा करने के लिए तैयार है, ताकि कनेक्शन फिर से जुड़ सके। लेकिन न्यायमूर्ति कुमार ने पूर्व के एक फैसले का हवाला दिया, जिसमें कुल बकाया राशि का 50 प्रतिशत जमा करना आवश्यक था। मामला तब हल हुआ जब तिवारी ने अपनी मुवक्किल के 50,000 रुपये जमा करने पर सहमति जताई। लेकिन तिवारी के केस का समापन होने के बाद यह मुद्दा बढ़ गया। जैसे ही कोर्ट ने अगला मामला लिया, न्यायमूर्ति कुमार ने तिवारी द्वारा अपनी दलीलें प्रस्तुत करने के तरीके पर टिप्पणी की। कोर्ट ने फिर झारखंड राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष से, जो कोर्ट में मौजूद थे, वकील के आचरण का संज्ञान लेने को कहा। इस पर तिवारी खड़े हुए, बेंच की ओर बढ़े और जज की ओर इशारा करते हुए कहा, "मैं अपनी तरीके से बहस कर सकता हूँ, आपके तरीके से नहीं, जैसा आप कहते हैं। कृपया ध्यान रखें। किसी वकील का अपमान करने की कोशिश न करें, मैं आपको बता रहा हूँ।" जज ने जवाब "आप यह नहीं कह सकते कि कोर्ट अन्याय कर रहा है।" वकील ने कहा, "क्या मैंने ऐसा कहा?" और जज से लाइव वीडियो रिकॉर्डिंग देखने को कहा, यह बताते हुए कि वह और कोई वकील था, जिसने यह तर्क दिया था, जिसे न्यायमूर्ति कुमार ने अवमानना माना था।

आज ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरतलब है कि हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ की बैठक में गत 12 दिसंबर को निर्णय हुआ था। जिसमें तय किया गया था कि अदालतों में बढ़ते मुकदमों को देखते हुए हर माह दो शनिवार को मुकदमों की सुनवाई की जाएगी।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर मीडिया में कभी-कभी की गईं आलोचनात्मक टिप्पणियाँ भी शामिल हैं। इन टिप्पणियों के बाद कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी, जिसमें थरूर पर भाजपा में जाने की कोशिश करने के आरोप लगाए गए। लेकिन, थरूर ने पार्टी बदलने के इन आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया और पिछले साल जून में एनडीटीवी से कहा था कि उन्होंने पार्टी और उसकी विचारधारा के प्रति अपनी निष्ठा 16 साल से बनाए रखी है। उन्होंने कहा था, "प्रधानमंत्री की सराहना भाजपा में शामिल होने का संकेत नहीं है, जैसा कि कुछ लोग दुर्भाग्यवश इशारा कर रहे हैं। यह राष्ट्रीय एकता का बयान है। लेकिन, पार्टी बदलने की बात कभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुई। असल में, थरूर और कांग्रेस के बीच तनाव, जिसका भाजपा अक्सर मुद्दा बनाती है, गुरुवार को भी सामने आया। लोकसभा सांसद थरूर ने भारतीय क्रिकेट टीम के वर्तमान कोच और पूर्व भाजपा सांसद गौतम गंभीर के साथ एक सेल्फी पोस्ट की, जिसमें उन्होंने गंभीर की सराहना की कि वे "भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद दूसरा सबसे कठिन काम संभाल रहे हैं।" भाजपा के शहजाद पूनावाला ने इसका जवाब दिया। उन्होंने गंभीर की कोचिंग और रणनीतियों को लेकर क्रिकेट प्रशंसकों की आलोचना तथा प्रधानमंत्री के राष्ट्रहित के कार्यों की विपक्ष द्वारा आलोचना में समानता को रेखांकित किया।

दुष्कर्म मामले में आरोपी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पीड़िता ने अपने बयान में कहा है कि घटना के समय वह नाबालिग थी और उसने अपने रिश्तेदार की आईडी से होटल में कमरा बुक कराया था। इसके बावजूद पुलिस ने उस रिश्तेदार से कोई पूछताछ नहीं है। याचिकाकर्ता पीड़िता से हमेशा सार्वजनिक जगह पर टीम के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में मिला था। और यदि पीड़िता के साथ कानपुर में दुष्कर्म हुआ तो उसके बाद वह याचिकाकर्ता के साथ अलग-अलग शहरों में क्यों गई।

पीड़िता के वकील दिवेश शर्मा ने कहा कि पुलिस जांच में साबित है कि दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत होती थी। इसके अलावा पीड़िता की ओर से बताए होटलों में दोनों के ठहरने का रिकॉर्ड भी मिला है। आरोपी ने मई माह में आईपीएल मैच के दौरान पीड़िता को होटल में मिलने बुलाया था और उसके साथ संबंध बनाए थे। घटना के समय पीड़िता नाबालिग थी तो उसकी सहमति भी कोई मायने नहीं रखती है।

मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने याचिकाकर्ता को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने के आदेश दिया लेकिन उसकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है।

बदरीनाथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सात अप्रैल को आरंभ होगी। इसका निर्णय परंपरा अनुसार टिहरी गढ़वाल जनपद के नरेंद्र नगर स्थित राजदरबार में महाराजा मनुजेंद्र शाह ने पंचांग पूजा के बाद भगवान बदरी विशाल के कपाट खुलने, भगवान के महाभिषेक में प्रयुक्त होने वाले तिलों के तेल को पिरोने और गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा की तिथि घोषित की।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908